# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 17 सितंबर 2026

# श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल मोवा, रायपुर

## 200 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी कैंसर हॉस्पिटल

# 11 दिवसीय नि:शुल्क कैंसर जांच एवं निदान शिविर

## 15 से 25 सितंबर 2026

समय :- सुबह 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक

**डॉ. देवेंद्र नायक**
चेयरमैन
श्री बालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल एंड कॉलेजेस

- नि:शुल्क OPD
- जांच पर 50% तक की छूट
- पेट स्कैन मात्र 10,000/- रु में
- नि:शुल्क मैमोग्राफी

## एडवांस्ड कैंसर के इलाज की अत्याधुनिक तकनीक

ADVANCED LINEAR ACCELERATOR (TRUE BEAM)

HALCYON LINEAR ACCELERATOR

VARIAN BRACHY THERAPY

SPECT GAMA SCAN

PHILIPS 64 SLICES PET SCAN

128 SLICE CT SCAN SIMULATOR

IHC & frozen

CMR ROBOTIC SYSTEM

## सुपर-स्पेशियलिटी विशेषज्ञों की अनुभवी टीम

**MEDICAL ONCOLOGY**

**DR. SATYANKER GUPTA**
M.D. Medicine, DNB Medical Oncology
Former Consultant, SMVD Narayana Hospital & AOI, Jammu

**SURGICAL ONCOLOGY**

**DR. VAIBHAV KUSHWAHA**
MBBS MS MCh Surgical Oncology
Ex- Senior Resident Tata Memorial Hospital - MPMMCC Varanasi

**RADIATION ONCOLOGY**

**DR. HEMANT KUMAR BANJARE**
MBBS, MD (Radiation Oncology)

**HAEMATOLOGY**

**DR. AMBAR GARG**
MBBS, MD, DNB
(Haematology)

**NUCLEAR MEDICINE**

**DR. VIVEK BAGHEL**
MBBS, MD (Nuclear Medicine)
FABNM (South Korea) MCANM
(Canada, Malaysia, Singapore)

**PLASTIC SURGERY**

**DR. YATINDRA DEWANGAN**
MBBS, MS (General Surgery),
Mch (Plastic Surgery)

**DR. BHARTI MARAVI**
MBBS, MS (General Surgery)
Mch (Plastic Surgery)

**HISTOPATHOLOGY IHC**

**DR. TANYA CHABA**
MBBS, MD (Pathology)

**GASTRO ONCOLOGY**

**DR. PUSHPENDRA NAIK**
MBBS, M.S. (General Surgery), FIAGES,
DNB (Surgical Gastro & Liver Transplant)
Minimal Invasive Laprascopic & Robotic Surgeon

**URO ONCOLOGY**

**DR. SURAJ JAJOO**
MBBS, DNB (General Surgery)
Mch (Urology-Gold Medalist)

**NEURO ONCOLOGY**

**DR. MANISH**
MBBS, MS (General Surgery)
MCh (Neuro Surgery) Fellowship in Endoscopic Spine and Brain

**GYNAE - ONCOLOGY**

**DR. JYOTSANA GAWRI**
MBBS,MD (OBS & GYN)

**PAIN CLINIC & INTERVENTIONAL RADIOLOGY**

**DR. RITESH SAHU**
MBBS, MD- Radiodiagnosis,
DM-Interventional Radiology

**ICU & CRITICAL CARE**

**DR. PRAFULLA AGNIHOTRI**
MD Anesthesia, PDCC Executive
Director Critical Care

**RADIOLOGY**

**DR. DINESH PARDESHI**
MBBS, MD (Radiology)

## अग्रिम पंजीयन आवश्यक

## कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, कैंसर सर्जरी आयुष्मान कार्ड से

मोवा, रायपुर, छत्तीसगढ़, फोन : 7879424697, 9685724697, 0771-4241000

# विश्वकर्मा जयंती

की हार्दिक शुभकामनाएं

# Agriculture & Industrial *Needs*

## कैसे हुई भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति

एक कथा के अनुसार सृष्टि के प्रारंभ में सर्वप्रथम 'नारायण' अर्थात साक्षात विष्णु भगवान सागर में शेषशय्या पर प्रकट हुए. उनके नाभि-कमल से चतुर्मुख ब्रह्मा दृष्टिगोचर हो रहे थे. ब्रह्मा के पुत्र 'धर्म' तथा धर्म के पुत्र 'वास्तुदेव' हुए. कहा जाता है कि धर्म की 'वस्तु' नामक स्त्री से उत्पन्न 'वास्तु' सातवें पुत्र थे, जो शिल्पशास्त्र के आदि प्रवर्तक थे. उन्हीं वास्तुदेव की 'अंगिरसी' नामक पत्नी से विश्वकर्मा उत्पन्न हुए. पिता की भांति विश्वकर्मा भी वास्तुकला के अद्वितीय आचार्य बने.

Contact for Ad
Mob.: 9340808313

---

aries agro limited
Chelamin
Plantomycin
AGROMIN MAX HD
Aries Agro Limited
Aries Agro Limited Official
Aries Agro Limited
ariesagro/gardencare

सृष्टि के शिल्पी और
निर्माण के देवता भगवान
**विश्वकर्मा**
की जयंती पर
आपको और आपके परिवार
को हार्दिक शुभकामनाएं!

**aries agro limited**
Office: Ring Road No. 1, Indraprasth Phase-II
2nd Floor, Raipura, Raipur (C.G.)-492013 GST-22AAACA5035G1ZB
**Mob. 9137852800, 9137852801**

---

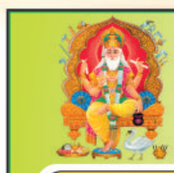

**भगवान विश्वकर्मा जयंती**
की हार्दिक शुभकामनाएं...

GREEN FIELD EMSON AUTO
Agriculture Equipments

**GREEN FIELD AGRICO**

**ग्रीन फील्ड**

**नांगर फॉल/रोटावेटर ब्लेड**

70·11·13"
EMSON AUTO
GREEN FIELD
GREEN FIELD EMSON AUTO

पडलर

रोटावेटर

तोता प्लाउ बार टाईप ( 7 टाईन )

रीजर ( 3 फेरो )

डिस्क हैरो

एम.बी. प्लाउ ( दू फेरो )

निर्माता: **एमसन ऑटो**
9 ब्लॉक भनपुरी, रायपुर (छ.ग.), फोन : 0771-2224452, 4030531
**098261-64452, 099930-30531**

---

AANDRAYA ENTERPRISES

**भगवान विश्वकर्मा जयंती**
की हार्दिक शुभकामनाएं...

ए.एन.आटोमोबाईल

**New Challenger 76 (55HP)**
**BSV BULL BACKHOE**

संचालक
अनुराग सेन

BULL
BULL
BULL

BULL

**EXCLUSIVE LAUNCHING BENEFITS**

ONE YEAR INSURANCE FREE

EMI AFTER 60 DAYS

कीमत बढ़ने से पहले बुक कराए हार्वेस्टर
हार्वेस्टर की बुकिंग पर 51000/- का स्पेशल डिस्काउंट

MALKIT - 997
Deluxe Model

इंडिया का पहला इंटेलिजेंट हार्वेस्टर
SWARAJ 8200

स्पेशल डिस्काउंट
11000/- से 21000/-
साथ ही लोडर की खरीदी पर निश्चित उपहार

SHAKTIMAN

**Paddy** Master 3785

1450 L BIGGER GRAIN TANK
HIGHER GROUND CLEARANCE
56 LUGS DURABLE RUBBER TRACK
AXIAL FLOW THRESHING SYSTEM
CENTRALLY LOCATED TRACK ROLLERS
GUARD AGAINST ALL MOVING PARTS/DRIVES & HOT PARTS PROVIDED
FASTTRACK SERVICE
Hi-Tech Farm Solutions

**प्रत्येक बुकिंग पर कूपन स्कैच करें और इनाम पाएं**

Branches : Raipur, Rajnandgaon, Abhanpur, Kanker, Jagdalpur नियम एवं शर्तें लागू *

Authorized Distributor:
**AANDRAYA ENTERPRISES** Infront of Govt. School, Main Road, Devpuri, Raipur
Beside Indian Bank, Dhamtari Road, Abhanpur, Dist-Riapur-493661, Mob. 9713955115, 7089000180
**A.N. AUTOMOBILE** Infront of Govt. School, Main Road, Devpuri, Raipur
9174511635, 7697955115, 7089000188

---

KOTHARI MILL STORES · KMS · SINCE 1977

**भगवान विश्वकर्मा जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं...**

# कोठारी मिल स्टोर्स

इलेक्ट्रिक मोटर

रबर रोल सेलर
गियर टाईप

जेट पॉलिशर

चार रोल रबर रोल सेलर
दो फैन के साथ

रबर सेलर अपर क्लिनर

कोन पॉलिशर

राईस हॉलर नं. 8

राईस हॉलर नं. 2

राईस हॉलर नं. 8 गोल्ड

आटा चक्की टी/पी

आटा चक्की स्टैण्डींग

वी-बेल्ट

सॉकेट

साफ्टींग

यूसीपी

डबल बॉल बेयरींग

**गुरूनानक चौक के पास, स्टेशन रोड, रायपुर (छ.ग.)**
☎ 0771-4034274
**93000 48074, 93008 08366**
kotharimillstores.co.in, kotharimillstore@gmail.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

| | |
|---|---|
| 18 कैरेट रेट (75.00%) | = ₹114220/- |
| 22 कैरेट रेट (91.60%) | = ₹139500/- |
| 24 कैरेट रेट (99.99%) | = ₹152278/- |

Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
*Conditions apply
aNaND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि न्यूज/ रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व, कार्यशैली और उनके साथ बिताए यादगार पलों को एक विशेष साक्षात्कार में खुलकर साझा किया। डॉ. सिंह ने कहा, 24 घंटे और 365 दिन देश सेवा में समर्पित रहने वाले नरेंद्र मोदी जैसा दूरदर्शी नेतृत्व सदी में एक बार मिलता है। दंतेवाड़ा के आवासीय विद्यालय में बच्चों संग पीएम के ड्रम बजाने से लेकर, बीजापुर में महिला को अपने हाथों से चरण पादुका पहनाने और 104 वर्ष की वृद्धा कुंवर बाई के पैर छूने जैसे भावुक संस्मरणों का जिक्र करते हुए उन्होंने पीएम श्री मोदी की असीम संवेदनशीलता और विनम्रता को रेखांकित किया। साथ ही बस्तर से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन में केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प को निर्णायक बताते हुए डॉ. रमन सिंह ने विश्वास जताया कि देश की जनता के अटूट भरोसे के दम पर नरेंद्र मोदी चौथी बार भी देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारत का नेतृत्व करेंगे। विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ विशेष बातचीत के प्रमुख अंश प्रस्तुत हैं।

**सेवा संकल्प दिवस आज**

# रमन बोले-मोदी का नेतृत्व देश के लिए वरदान, चौथी बार भी बनेंगे प्रधानमंत्री

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की विशेष बातचीत

- ***नरेंद्र मोदी से पहली मुलाकात आपकी कब हुई थी और कैसे हुई थी?***
- एक लंबा समय निकल गया है और मुझे लगता है कि नरेंद्र भाई को काम करते हुए अलग-अलग रूप में, कभी एक अच्छे संगठक के रूप में, कभी प्रदेश में मुखिया के नाते मुख्यमंत्री के रूप में, फिर प्रधानमंत्री के रूप में अलग-अलग भूमिकाओं में लंबे समय तक देखने का अवसर मिला। और मुझे लगता है कि मेरी पहली मुलाकात यदि मैं कहूं तो वो तो बहुत लंबा समय, जब मुरली मनोहर जोशी की यात्रा में प्रभारी थे। यह मुरली मनोहर जोशी की उस यात्रा का अनुभव मेरे साथ जुड़ा है, मगर मोदीजी के साथ जो परिचय बढ़ा, उस समय तो एक सामान्य कार्यकर्ता

⏭| शेष पेज 6 पर

# सेवा और संकल्प से विकसित भारत की ओर

**कर्मयोगी मोदी**
**जनसेवा के 25 वर्ष**

विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। उस दिन से शुरू हुआ जनसेवा का सिलसिला 25 वर्षों से अविराम जारी है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेन्द्र मोदी ने भारत को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त कर आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता के नए युग में प्रवेश कराया है। यह अवसर मां भारती के महान सपूत के अभिनंदन के साथ ही उनके संकल्पों में सहभागिता का भी है। जब उन्होंने गुजरात के शासन की कमान संभाली, तब राज्य विनाशकारी भुज भूकंप की पीड़ा से जूझ रहा था। इस पीड़ा से उन्होंने न केवल गुजरात को उबारा, बल्कि उसे भारत का ग्रोथ इंजन भी बना दिया।

प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मूलमंत्र देश को दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन को साकार करते हुए उन्होंने अपनी हर योजना के केंद्र में अंतिम व्यक्ति को रखा। डिजिटल वित्तीय समावेशन के माध्यम से उन्होंने देश के करोड़ों गरीबों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। जनधन-आधार-मोबाइल की त्रिमूर्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत पैसा सीधे हितग्राहियों

⏭|शेष पेज 6 पर

---

## इनको फांसी की सजा

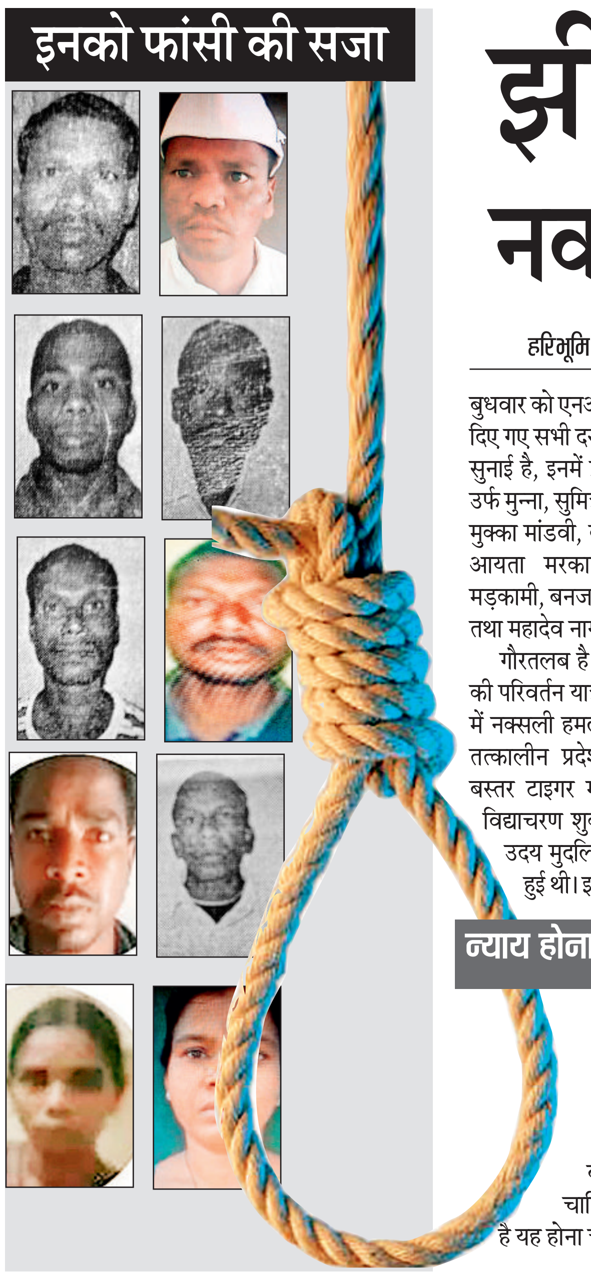

# झीरम नरसंहार पर 10 को मृत्युदंड
# नक्सल हत्या में पहली बार फांसी की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭| जगदलपुर

झीरम घाटी हत्याकांड मामले में शामिल सभी 10 दोषियों को एनआईए कोर्ट ने मृत्युदंड की सजा सुनाई है। घटना के 13 साल बाद न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत ने सभी 10 आरोपियों को फांसी की सजा सुनाते हुए मामले में अपील करने के लिए दोषियों को एक माह का समय दिया है। इस अवधि में सजा के खिलाफ अपील कर सकते हैं।

बुधवार को एनआईए कोर्ट ने पूर्व में दोषी करार दिए गए सभी दस आरोपियों को मौत की सजा सुनाई है, इनमें प्रमिला मोडियम, चैतू लेकाम उर्फ मुन्ना, सुमित्रा उर्फ सुमित्रा पुनेम मोडियम, मुक्का मांडवी, कोसा कवासी उर्फ कोसाराम, आयता मरकाम, मड़कामी देवा, जोगा मड़कामी, बनजामी सन्ना उर्फ चमरू उर्फ डेंगा तथा महादेव नाग शामिल हैं।

गौरतलब है कि 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर झीरम घाटी में नक्सली हमला हुआ था। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के बस्तर प्रभारी उदय मुदलियार समेत 32 लोगों की मौत हुई थी। इस मामले में

⏭|शेष पेज 6 पर

### सभी आरोपियों को इन धाराओं में दिया मृत्युदंड

देश के सबसे बड़े झीरम घाटी नक्सल हमले में गिरफ्तार सभी दस आरोपियों को इन अलग अलग धाराओं में विशेष एनआईए कोर्ट ने मृत्युदंड की सजा दी है। एनआईए के अधिवक्ता दिनेश पानीग्राही ने बताया कि इन सभी दोषियों को अलग अलग सेक्शन में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है। इनमें

⏭| शेष पेज 6 पर

फैसले के खिलाफ अपील के लिए दोषियों को मिला एक माह का समय

### न्याय होना ही नहीं चाहिए न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए

झीरमघाटी मामले में फैसला आने के बाद अभियोजन पक्ष के वकील दिनेश पानीग्रही ने कहा कि न्याय होना ही नहीं चाहिए, बल्कि न्याय होते दिखना चाहिए। यह जो सैद्धांतिक स्वरूप है यह होना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को किसी भी समूह को किसी भी सगंठन को किसी अपराध करने से विरक्त रहना चाहिए, इसकी एक सूचना है कि अगर आप झुंड में समूह में कोई घटना कारित करते हो तो उसका परिणाम किस प्रकार आता है। न्यायालय ने आज सारे साक्ष्यों को देखकर अपना निर्णय सुनाया है। नक्सल मामले में पहली बार फांसी की सजा न्यायालय ने सुनाई है।

### इतिहास का पीड़ादायक अध्याय : सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि झीरम घाटी में हुआ बर्बर हत्याकांड छत्तीसगढ़ के इतिहास का वह पीड़ादायक अध्याय है, जिसकी कटु स्मृतियां हमें लंबे समय तक पीड़ा देती रहेंगी। इस जघन्य कम्युनिस्ट हिंसा में हमने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं, सुरक्षाकर्मियों और आम नागरिकों को भी खोया है। दोषी पाए गए दस माओवादियों को एनआईए कोर्ट द्वारा दी गई मृत्युदंड की सजा न्याय की जीत है।

### न्याय अभी अधूरा, सुप्रीम कोर्ट जाएंगे : जितेन्द्र

**राजनांदगांव।** झीरम कांड में शहीद हुए पूर्व विधायक उदय मुदलियार के पुत्र जितेन्द्र मुदलियार ने कहा कि यह अधूरा न्याय है। इस मामले में अभी पूरा न्याय मिलना बाकी है और वे इस घटना में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से शामिल सभी को सजा दिलाने तक लड़ाई लड़ेंगे। झीरम घाटी नक्सल कांड को लेकर जितेन्द्र मुदलियार ने कहा कि झीरम घाटी में जो नक्सल घटना हुई थी, उसमें डेढ़ सौ से अधिक नक्सली शामिल थे। इनमें महज 10 नक्सलियों को चिन्हांकित कर सजा देने का काम किया गया है।

### सवाल बरकरार, खूनी साजिश का मास्टरमाइंड कौन: अनिता

**धरसींवा।** झीरम घाटी के खूनी मंजर को गुजरे करीब 13 साल बीत चुके हैं। जगदलपुर की विशेष एनआईए अदालत ने इस बहुचर्चित हत्याकांड के 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाकर कानूनी प्रक्रिया का एक अध्याय जरूर बंद कर दिया, लेकिन उन परिवारों के दिलों में जल रही ज्वाला आज भी शांत नहीं हुई है जिन्होंने इस त्रासदी में अपनों को खोया था। अदालत के इस फैसले के बाद न्याय की मुहर तो लग गई, मगर इस पूरे घटनाक्रम के सबसे बड़े रहस्य से पर्दा उठना अब भी बाकी है। इस फैसले के सामने आने के बाद झीरम घाटी हमले में शहीद

⏭|शेष पेज 6 पर

### घर से उठाकर ले गई पुलिस

भीमा बारसे ने आरोप लगाया कि उसके भाई मुक्का माड़वी, साले कोसा कवासी और आयतु मरकाम को दरभा पुलिस उनके घर से उठाकर ले गई थी। भीमा का कहना है कि तीनों को पुलिस ने फंसाया है। परिजनों का कहना है कि वे इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे और सजा के खिलाफ याचिका दायर करेंगे। अब परिजन न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए मामले की दोबारा सुनवाई की मांग करेंगे।

### फैसले से सहमत और संतुष्ट नहीं : तुलिका

जगदलपुर। झीरम कांड में 10 लोगों को फांसी की सजा मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया में बस्तर टाइगर महेन्द्र कर्मा की बेटी तुलिका कर्मा ने कहा कि फैसले से सहमत और संतुष्ट नहीं हैं। असली गुनाहगार सजा से बच गए जबकि निचले स्तर के लोगों को सजा मिली। देवा, बारसा, पापाराव,चैयतु जैसे खुंखार नक्सलियों का रेड कारपेट बिछाकर स्वागत किया गया। जबकि ये लोग मास्टर माइंड बताए गए हैं। गृहमंत्री विजय शर्मा इनके साथ बैठकर भोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट और जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। जब तक न्याय नहीं मिलेगा लड़ते रहेंगे। जब झीरम कांड हुआ तब भाजपा की सरकार थी और अब जब नक्सलवाद समाप्त कहा जा रहा है तब उनके चहेते उद्योगपतियों को खदान और माइन्स दिया जा रहा है। मुख्य गुनाहगार और षड़यंत्रकारियों को सजा नहीं मिलना शहीद परिवारों के साथ मजाक है।

# जंतर-मंतर प्रदर्शन हिंसा जांच कर रहे पैनल का पुनर्गठन से इंकार

**सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 'सवाल उठाना जल्दबाजी'**

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर पर हुए स्टूडेंट्स के प्रदर्शन के दौरान हिंसा के आरोपों की जांच कर रही हाई पावर्ड एनक्वायरी कमेटी (एचपीईसी) के पुनर्गठन की मांग खारिज कर दी है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी.मोहना की बेंच ने कहा कि कमेटी ने अभी जांच शुरू ही की है। अभी से आपत्ति जताना या सवाल उठाना जल्दबाजी है।

शीर्ष अदालत ने एचपीईसी के पुनर्गठन के लिए कुछ पक्षों द्वारा दायर आवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पैनल पर उनकी आपत्तियां समय से पहले थीं। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, 'हमें कुछ हद तक चिंता के साथ यह कहना पड़ रहा है कि एचपीईसी पर जिस तरह से आरोप लगाए गए हैं, वह समय से पहले और जल्दबाजी में किए गए हैं।' अदालत ने कहा कि अनुरोध केवल अनुमान पर आधारित है, क्योंकि एचपीईसी ने अभी-अभी अपनी जांच शुरू की है। पीठ ने कहा कि यह सभी को समझना चाहिए कि एचपीईसी का गठन निष्पक्षता और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के साथ और निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाते हुए इस न्यायालय की सहायता के लिए किया गया है। एचपीईसी का गठन हमारे समक्ष किसी एक पक्ष का पक्ष लेने के लिए नहीं किया गया है।

### अगस्त में हुआ था गठन

सुप्रीम कोर्ट ने पांच सदस्यीय एचपीईसी का गठन 18 अगस्त को किया गया था। इस कमेटी का नेतृत्व शीर्ष अदालत के पूर्व जज आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। जिनकी अगुवाई में जंतर-मंतर और अन्य स्थानों पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग और सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोपों की जांच करने का कार्य सौंपा गया है। समिति सीधे शीर्ष अदालत को रिपोर्ट करेगी और अदालत के पर्यवेक्षण में कार्य करेगी।

# 'मैं दिशा को नहीं जानता और न ही कभी मिला'

**मुंबई।** दिशा सालियान की मौत के मामले में नए सिरे से जांच के बाद बॉलीवुड दुनिया का ये सनसनीखेज मामला फिर से चर्चा में है। जांच के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों को खारिज किया है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि वह न तो कभी दिशा सालियान से मिले और न ही उन्हें जानते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब छह साल से कुछ लोग सियासी वजहों से और निजी मकसद से बिना किसी सबूत के उनका नाम इस मामले से जोड़ रहे हैं। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर दिशा की जून 2020 में मुंबई की एक ऊंची इमारत से गिरने के बाद मौत हो गई थी। मुंबई पुलिस ने अपनी जांच में उनकी मौत को पहले हादसा बताया था। बाद में इसे आत्महत्या का मामला माना गया था।

आदित्य ठाकरे ने आरोपों को किया खारिज

### बदनाम करने की कोशिश

ठाकरे ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा, 'मैं दिशा सालियान से कभी नहीं मिला और न ही उन्हें जानता था।' उन्होंने कहा कि इस दुखद मामले से लगातार उनका नाम जोड़ना जानबूझकर और बिना सबूत उनके चरित्र हनन और बदनाम करने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग स्पष्ट राजनीतिक और व्यक्तिगत उद्देश्यों के साथ करीब छह साल से ऐसा कर रहे हैं। आदित्य ने कहा कि बिना किसी सबूत और सच्चाई के निहित स्वार्थ वाले लोगों की ओर से लगातार चलाया जा रहा बदनामी का अभियान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

Anmol
स्वाद सपनों का
Anmol dream LITE
THE SALTY BUTTERLY CRUNCH
ड्रीम लाइट
BISCUITS
Picture for Representation Purpose
IMAGES ARE USED FOR VISUALIZATION PURPOSES ONLY.

For any trade related query please write to us at info@anmolindustries.com or call us at 1800 1037 211 | www.anmolindustries.com | Follow us on:

## चिंतन

# एमडीआर का बोझ तो ग्राहक पर ही पड़ेगा

यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त लागत का सवाल केवल व्यापारियों की चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर बाजार, कीमतों और अंततः आम ग्राहक की जेब पर ही पड़ने वाला है। यही वजह है कि मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर को लेकर उठी आशंकाओं को गंभीरता से समझने की जरूरत है। नियम चाहे कुछ भी कहें कि एमडीआर सीधे ग्राहक से नहीं वसूला जाएगा, लेकिन बाजार की हकीकत इससे अलग होती है। कारोबारी की लागत बढ़ती है तो वह उसे लंबे समय तक अपनी जेब से नहीं भरता। उसका असर किसी न किसी रूप में वस्तु की कीमत, छूट, मार्जिन या सेवा शुल्क में दिखाई देता है। व्यापारी या तो अपना मार्जिन घटाता है या ग्राहक को मिलने वाली छूट कम करता है। अंततः अतिरिक्त बोझ ग्राहक को भुगतना होता है। त्योहारी मौसम में इसका असर और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। इस समय बाजार में खरीदारी बढ़ती है और दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान वाले लेनदेन भी सामान्य होते हैं। यदि ऐसे भुगतान व्यापारियों के लिए महंगे होते हैं तो वे लागत कम करने के लिए दूसरे विकल्प तलाशेंगे। दिल्ली के विभिन्न बाजार संगठनों से सामने आई प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि कुछ व्यापारी नकद भुगतान को बढ़ावा देने पर विचार कर रहे हैं। यह स्थिति डिजिटल इंडिया की उस दिशा के विपरीत होगी, जिसमें कम नकद और अधिक डिजिटल भुगतान की संस्कृति विकसित करने पर लगातार जोर दिया गया है। वहीं, सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यह फैसला वापस नहीं लिया जाएगा। त्योहारी सीजन में यदि बड़ी संख्या में ग्राहक डिजिटल भुगतान के बजाय नकद का इस्तेमाल करने लगे तो बैंकों और एटीएम पर दबाव बढ़ेगा। पर्याप्त नकदी उपलब्ध नहीं हुई तो ग्राहकों को परेशानी होगी। बाजार में भुगतान का प्रवाह भी प्रभावित हो सकता है। सबसे बड़ी चिंता यह होगी कि कहीं ऐसी स्थिति डिजिटल भुगतान की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े न कर दे। जिस यूपीआई को सुविधा और भरोसे का पर्याय बनाया गया है, उसके इस्तेमाल में लागत का सवाल लोगों को फिर से नकद की ओर धकेल सकता है। व्यापारियों की परेशानी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कम मार्जिन पर काम करने वाले छोटे और मध्यम दुकानदारों के लिए हर लेनदेन पर लगने वाली छोटी लागत भी महीने और साल के हिसाब से बड़ा खर्च बन सकती है। व्यापारी पहले से कार्ड भुगतान और अन्य लेनदेन शुल्क की शिकायत करते रहे हैं। ऐसे में नई लागत को लेकर उनकी चिंता स्वाभाविक है। सरकार और भुगतान व्यवस्था से जुड़े संस्थानों के सामने चुनौती यही है कि डिजिटल भुगतान की रफ्तार भी बनी रहे और व्यापारियों पर अनावश्यक लागत का दबाव भी न पड़े। इसका समाधान ऐसा होना चाहिए, जिसमें ग्राहक, व्यापारी और डिजिटल भुगतान व्यवस्था तीनों के हितों का संतुलन हो। यदि भुगतान की लागत बढ़ती है और व्यापारी नकद की ओर लौटने लगते हैं तो इसका असर केवल दुकानदार तक सीमित नहीं रहेगा। कीमतों पर दबाव बढ़ेगा, ग्राहक की जेब प्रभावित होगी और डिजिटल अर्थव्यवस्था की गति भी धीमी पड़ सकती है। इसलिए एमडीआर को लेकर फैसला करते समय केवल शुल्क की वसूली नहीं, उसके पूरे बाजार प्रभाव को देखना होगा। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की नीति तभी सफल होगी, जब वह व्यापारी और ग्राहक दोनों के लिए सुविधाजनक और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनी रहे।

**पड़ोस**

प्रो. डॉ. मनोज दयाल

# भारत-चीन साझेदारी का नया अध्याय

> एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंदिता नहीं, कोलैबोरेशन है| पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर 'प्रतिद्वंदिता' के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है।

जब वाशिंगटन टैरिफ की दीवारें खड़ी कर रहा हो, तब नई दिल्ली और बीजिंग के बीच पुल बनना केवल दो देशों की घटना नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था के बदलने का संकेत है। भारत और चीन के बीच हाल ही में बनी सार्थक सहमति इसी बदलाव का नाम है। यह सहमति महज एक कूटनीतिक दस्तावेज नहीं, बल्कि एशियाई शताब्दी का घोषणापत्र है।

एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंदिता नहीं, कोलैबोरेशन है। पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर 'प्रतिद्वंदिता' के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ - इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। पर सच क्या है? टकराव से किसका भला हुआ? सैनिक तैनाती बढ़ी, खर्च बढ़ा, पर विकास की रफ्तार थमी। अब दोनों देशों को यह समझ आ गया है कि 21वीं सदी की चुनौतियां-जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन एनर्जी, रोजगार का संकट - ऐसी हैं जिनका सामना अकेले नहीं किया जा सकता। यदि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब है, तो चीन सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब। यदि भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है, तो चीन में हार्डवेयर की ताकत है। कोलैबोरेशन होगा तो भारत की बनी दवाएं और सॉफ्टवेयर चीन के बाजार में जाएंगी, चीन की सोलर तकनीक भारत में सस्ती बिजली लाएगी। कोऑपरेशन होगा तो एशिया की सप्लाई चेन मजबूत होगी। परंतु प्रतिद्वंद्विता में दोनों थकेंगे और फायदा वाशिंगटन और यूरोप ले जाएंगे। सहयोग में दोनों जीतेंगे और एशिया जीतेगा। यही वक्त की पुकार है और इस नई सहमति ने उसी पुकार को सुना है। अब भारत अपनी धरती से चीन विरोधी साजिश नहीं होने देगा।

इस समझौते का सबसे परिपक्व और सबसे शक्तिशाली संदेश भारत की ओर से आया है - भारत अपनी जमीन से किसी भी तीसरे देश को चीन विरोधी गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं देगा। यह एक लाइन नहीं, भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का घोषणापत्र है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन में दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे निचले स्तर से ऊपर उठे हैं और 'रीस्टार्ट' (फिर से शुरुआत) से 'नई ऊंचाई' की ओर बढ़े हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्र लगातार बढ़ रहे हैं, व्यापार की मात्रा रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान अधिक गतिशील हो रहा है। दुनिया जानती है कि कई पश्चिमी शक्तियां चाहती हैं कि भारत को चीन के खिलाफ एक फ्रंटलाइन स्टेट बना दिया जाए, एक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जाए। भारत ने स्पष्ट कर दिया - हम किसी के मोहरे नहीं हैं। हम किसी के कहने पर न दोस्ती करते हैं, न दुश्मनी। भारत ने चीन को भरोसा दिया है कि दलाई लामा से लेकर किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर भारत की धरती का दुरुपयोग नहीं होगा। बदले में भारत को उम्मीद है कि चीन भी पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में भारत के कोर इंटरेस्ट का ख्याल रखेगा। यह बराबरी की बात है, झुकाव की नहीं। यह भारत के विश्वगुरु बनने की दिशा में एक आत्मविश्वासी कदम है। भारत की ओर शांति शांति है, पर सतर्कता में रत्ती भर ढील नहीं है।

कुछ लोग इस समझौते को 1962 से पहले वाली भावुकता समझ रहे हैं। उन्हें समझना चाहिए - यह 2026 का भारत है। हां, यह सच है कि सीमा पर सैनिकों की संख्या कम हुई है, गश्त के नियम तय हुए हैं, बफर जोन पर सहमति बनी है और एलएसी पर तनाव घटा है। यह स्वागत योग्य है, क्योंकि इससे हर साल हजारों करोड़ रुपये का सैनिक खर्च बचेगा और जवानों को राहत मिलेगी। पर इसका अर्थ यह कतई नहीं कि भारत ने आंखें मूंद ली हैं। पिछले चार सालों में भारत ने सीमा पर जो किया है, वह 70 सालों में नहीं हुआ - ऑल वेदर रोड, सुरंगें, नए एयरफील्ड, सैटेलाइट निगरानी और सेना का आधुनिकीकरण। वह सब जारी रहेगा, और तेज होगा। हमारी नीति साफ है - बातचीत भी, तैयारी भी। विश्वास भी, सत्यापन भी। हम हाथ बढ़ा रहे हैं, पर हाथ में लाठी रखना नहीं भूल रहे। हम गले भी मिल रहे हैं, पर आंखें खोलकर। यह चाणक्य नीति है, और यही असली कूटनीति है। शांति की पहल हो, पर सुरक्षा से कोई समझौता नहीं। अब यह भारत, चीन, रूस विरोधी अमेरिकी तानाशाही में और भी अधिक प्रासंगिक है। इस समझौते की टाइमिंग को समझिए। यह तब आया है जब अमेरिका अपनी टैरिफ नीति से पूरी दुनिया को परेशान कर रहा है। अमेरिका ने भारत के स्टील, एल्युमिनियम और फार्मा उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा दिया है। चीन पर तो 100 प्रतिशत से अधिक ड्यूटी थोप दी गई है। रूस पर प्रतिबंध हैं। अमेरिका डॉलर और अपनी तकनीक को हथियार बनाकर पूरी दुनिया को अपनी शर्तों पर व्यापार करने को मजबूर करना चाहता है।

ऐसे में भारत और चीन के पास दो ही रास्ते हैं - या तो अलग-अलग रहकर अमेरिका की मनमानी सहते रहें, या एक साथ आकर अपना खुद का रास्ता बनाएं और समझदार देश दूसरा रास्ता चुनते हैं। यदि भारत और चीन आपस में व्यापार बढ़ाते हैं, अपनी मुद्रा में कारोबार करते हैं, ब्रिक्स और एससीओ को मजबूत करते हैं, तो अमेरिका की टैरिफ की दीवार अपने आप बेमानी हो जाएगी। जब वाशिंगटन बाजार बंद करेगा, तो नई दिल्ली और बीजिंग एक-दूसरे के लिए बाजार खोल देंगे। इसलिए यह समझौता केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि वैश्विक दक्षिण की एकजुटता का प्रतीक है। यह अमेरिका को सीधा संदेश है - एशिया अब तुम्हारी टैरिफ धमकियों से नहीं डरेगा। एशिया अपना भविष्य खुद लिखेगा। अब यह प्रश्न बार-बार उठ रहा है कि क्या फिर से 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' का युग लौटेगा? 1954 में नारा लगा था - हिंदी-चीनी भाई-भाई। वह नारा भावुकता में लगा था और इसलिए 1962 में टूट गया। क्या वह युग फिर लौटेगा? जवाब है - हां, पर नए रूप में।

अब वह भोला भाई-भाई नहीं होगा। अब वह प्रैक्टिकल भाई-भाई होगा। अब आंखें बंद करके गले नहीं मिलेंगे, आंखें खोलकर हाथ मिलाएंगे। अब नारे नहीं, समझौते होंगे। अब भावुकता नहीं, बराबरी होगी। नया नारा होगा - 'हिंदी-चीनी, सहयोगी-सहकारी ।' यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है। और तब यह सार्थक सहमति इतिहास में एक मील के पत्थर के तौर पर याद की जाएगी।

*( लेखक कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय , रायपुर के कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)*

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

**जयंती पर विशेष**

रमेश सर्राफ

# सृष्टि के पहले इंजीनियर माने जाते हैं भगवान विश्वकर्मा

विश्वकर्मा पूजा भारत में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। इस दिन देशभर में स्थित कारखानों, कार्यशालाओं और विभिन्न कार्यस्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना की जाती है ताकि श्रम और कौशल का सम्मान किया जा सके और आने वाले वर्ष के लिए आशीर्वाद प्राप्त हो सके। हर साल विश्वकर्मा पूजा कन्या संक्रांति के दिन मनाई जाती है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। इसलिए इसे विश्वकर्मा जयंती भी कहते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं, जिन्होंने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होंने ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है, जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे, जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किए बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यों में प्रयुक्त होने वाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। इसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है।

*( लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)*

# आनंदमय कोष की प्राप्ति

संकलित

**दर्शन**

अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष के पश्चात प्रवेश होता है आनंदमय कोष में। अन्न से उत्पन्न यह शरीर त्वचा, मांस, चर्म और रुधिर युक्त है। यह आत्मा नहीं है। प्राणमय कोष भी आत्मा नहीं, क्योंकि प्राण वायु के रूप में शरीर में आता-जाता है। मनोमय कोष व्यक्ति को विषयों में आसक्त करता है और आत्मभाव में स्थित नहीं होने देता है, इसलिए यह भी आत्मा नहीं है। जागृति, स्वप्न, सुषुप्ति, सुख-दुख, जन्म-मरण, लाभ-हानि विज्ञानमय कोष में रहते हैं, इसलिए यह भी आत्मारूप आनंदमय कोष नहीं हो सकता है। श्रीरामचरितमानस में मात्र श्रीभरत इन कोषों का उपादान रूप में उपयोग करते हुए भी आनंदमय कोष हैं, जिनका राम से सर्वथा ऐक्य है। सारा संसार भरत की इस महत्व भूमिका के कारण ही दीपावली का प्रकाश पर्व मनाता है। दीपावली सनातन संस्कृति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरा कार्तिक माह घरों तथा व्यापारिक संस्थानों की स्वच्छता व सजावट में लग जाता है। दीपावली के इस दृष्ट बाह्य और लौकिक रूप में कौन-सा आंतरिक तत्व छिपा है, जिसे जानने के पश्चात दीपावली हमें हमारे मूल वैदिक परंपराओं की नींव से जोड़ देती है। श्रीरामचरितमानस में भक्ति के सोपानों का वर्णन अरण्यकांड में है, जिसका विश्लेषण भगवान श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण की जिज्ञासा-समाधान में करते हैं। उसी तरह ज्ञान प्राप्ति के सोपानों का वर्णन मानस के अंतिम उत्तरकांड में काकभुशुंडि जी गरुड़ जी के समक्ष करते हैं।

# मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए

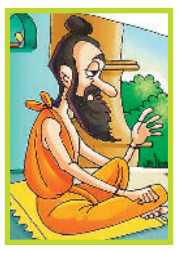

संकलित

**प्रेरणा**

एक बार एक संत ने अपने दो भक्तों को बुलाया और कहा आप को यहां से पचास कोस जाना है। एक भक्त को एक बोरी खाने के समान से भर कर दी और कहा जो लायक मिले उसे देते जाना। और एक को खाली बोरी दी उससे कहा रास्ते मे जो उसे अच्छा मिले उसे बोरी में भर कर ले जाए। दोनों निकल पड़े जिसके कंधे पर समान था वो धीरे चल पा रहा था। खाली बोरी वाला भक्त आराम से जा रहा था। थोड़ी दूर उसको एक सोने की ईंट मिली उसने उसे बोरी में डाल लिया। थोड़ी दूर चला फिर ईंट मिली उसे भी उठा लिया। जैसे-जैसे चलता गया उसे सोना मिलता गया और वो बोरी में भरता हुआ चल रहा था। और बोरी का वजन बढ़ता गया उसका चलना मुश्किल होता गया और सांस भी चढ़ने लग गई। एक एक कदम आगे चलना कठिन होता गया। दूसरा भक्त जैसे-जैसे चलता गया रास्ते में जो भी मिलता उसको बोरी में से खाने का कुछ समान देता गया धीरे-धीरे बोरी का वजन कम होता गया। और उसका चलना आसान होता गया। जो बांटता गया उसका गंतव्य स्थान तक पहुंचना आसान होता गया। और जो लालच में आकर इकट्ठा करता रहा वो रास्ते में ही दम तोड़ गया। हम सभी को अब ये सोचना चाहिए कि हमने जीवन में क्या बांटा और क्या इकट्ठा किया हम मंजिल तक कैसे पहुंच पाएंगे। आखिर लालच ही बुरी बला है।

## अंतर्मन

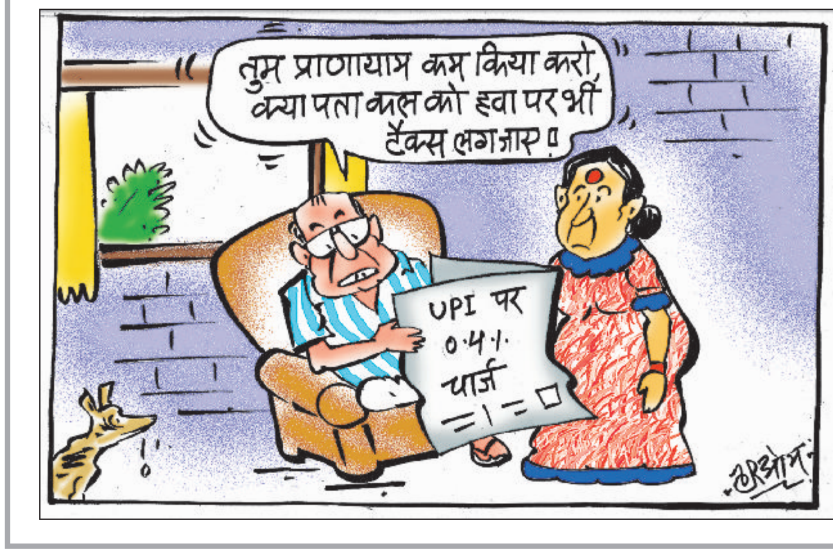
तुम प्राणायाम कम किया करो, क्या पता कल को हवा पर भी टैक्स लग जाए!
UPI पर 0.4% चार्ज
त्रयम्

## आज की पाती

### मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं। मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका बढ़ने वाली है। *- अशोक साहू, दुर्ग*

## करंट अफेयर

# एआई में चीन और अमेरिका के बीच तकनीकी अंतर हुआ कम

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से विकास के संभावित जोखिमों पर दुनिया में बहस तेज होने के बीच अमेरिका और चीन अधिक शक्तिशाली एआई मॉडल विकसित करने की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका कई वर्षों तक एआई मॉडल की क्षमता, शोध और अन्य क्षेत्रों में चीन सहित अन्य देशों से आगे रहा है। हालांकि, चीन अब तेजी से इस अंतर को कम कर रहा है। अमेरिकी नेतृत्व वाले प्रतिबंधों के कारण चीन को अत्याधुनिक चिप और उन्हें बनाने वाली मशीनों सहित कुछ उन्नत प्रौद्योगिकियों तक पहुंच नहीं है। स्टैनफोर्ड इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन-सेंटर्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एक जानकार सहित विशेषज्ञों और हालिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन एआई के क्षेत्र में अमेरिका के लिए मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरा है और इस साल उसने अमेरिकी बढ़त को काफी हद तक कम कर दिया है। जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज के सैम सैक्स ने कहा, 'अमेरिकी और चीनी मॉडलों के बीच अंतर कम और अस्थिर है।' एआई को लेकर यह बहस ऐसे समय हो रही है जब चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के इस महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए वाशिंगटन आने की उम्मीद है।

## ऑफ बीट

# ग्रीनलैंड -अंटार्कटिका से 12,000 अरब टन से ज्यादा बर्फ पिघली

एक प्रमुख वैज्ञानिक रिपोर्ट के अनुसार, 1979 से ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के हिमनदों से लगभग 12500 अरब टन बर्फ पिघल चुकी है। यह इतनी ज्यादा बर्फ है कि इससे पूरे अमेरिकी महाद्वीप में बर्फ की पांच फुट की परत बिछाई जा सकती है। बुधवार को 'साइंटिफिक डेटा' पत्रिका में छपे एक अध्ययन के मुताबिक, धरती के गर्म होने से ग्रह की दो बड़ी बर्फ की चादरों (आइस शीट्स) के पिघलने की रफ्तार बढ़ रही है। पिघलने वाली बर्फ का छह में से पांचवां हिस्सा गर्म हवा की वजह से नहीं, बल्कि गर्म पानी की वजह से पिघल रहा है जो नीचे और किनारों से बर्फ की चादरों को काट रहा है, और हिमनद समुद्र में बह रहे हैं। अध्ययन करने वालों का कहना है कि भविष्य में समुद्र का जलस्तर बढ़ने के लिहाज से यह बुरी खबर है। अध्ययन के सह-लेखक और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन के हिम वैज्ञानिक एरिक रिग्नोट ने कहा, "बर्फ की चादरें तेजी से पिघल रही हैं। हम ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ खो रहे हैं, समुद्र का जलस्तर दुनियाभर में बढ़ रहा है और इससे तटीय क्षेत्रों की असुरक्षा और बढ़ेगी। पिघलने की प्रक्रिया से जुड़े आंकड़े हैरान कर देने वाले हैं।

## ट्रेंड

### फाल्के पुरस्कार

जाने-माने अभिनेता अनंत नाग को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई। उन्होंने अपने हर किरदार में बेजोड़ अभिनय और जान डाल दी है। एक महान कलाकार के लिए यह सचमुच बहुत ही योग्य सम्मान है। **- नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

### वेतन सीमा

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आज कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत अनिवार्य कवरेज के लिए वेतन सीमा को 15,000 से बढ़ाकर 25,000 प्रति माह करने की ऐतिहासिक मंज़ूरी अत्यंत सराहनीय है। **- योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उत्तर प्रदेश

### डिजिटल पेमेंट टैक्स

मोदी सरकार की लूट अब यूपीआई तक पहुंच गई है। यूपीआई पर कोई फीस नहीं" वाली बात को बदलकर "2,000 तक के ट्रांज़ेक्शन पर कोई फीस नहीं" कर दिया गया है। बीजेपी सरकार जनता पर "डिजिटल पेमेंट टैक्स" लगाने की योजना बना रही है। **- मल्लिकार्जुन खरगे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

### सच

झारखंड के छात्र हमारे राज्य का वर्तमान और भविष्य दोनों हैं। उनके भविष्य के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ अस्वीकार्य है। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय और इसके अंतर्गत आने वाले कॉलेजों के छात्र परीक्षा प्रणाली जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। **-अर्जुन मुंडा,** पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री

**हमारा पता**

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर
गुरुवार 17 सितंबर 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष षष्ठी
वर्ष : 26, अंक : 177
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

**मौसम**
अधि. 33.4
न्यून. 26.2

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

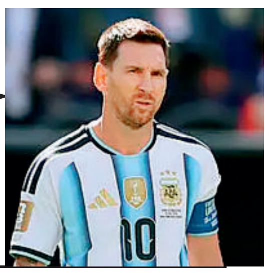

7
मेस्सी का ग्रैंड फेयरवेल अर्जेंटीना...

विचार पेज
भारत-चीन साझेदारी का नया अध्याय

*सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश*

# छग सरकार का बड़ा फैसला: राजस्व रिकॉर्ड में 'चमार' या 'मोची' दर्ज होने पर भी मिलेगा 'रोहिदास' जाति प्रमाण पत्र

जिया कुरैशी ▶▶| रायपुर

**खास खबर**

छत्तीसगढ़ शासन ने अनुसूचित जाति वर्ग के नागरिकों को एक बड़ी राहत प्रदान करते हुए जाति प्रमाणपत्र को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के पूर्वजों के राजस्व अभिलेखों (रेवेन्यू रिकॉर्ड) में 'चमार' या 'मोची' दर्ज है, तब भी निर्धारित प्रक्रिया और जांच के आधार पर उन्हें 'रोहिदास' जाति का प्रमाण पत्र ▶▶|शेष पेज 6 पर

### क्या थी मुख्य प्रशासनिक समस्या

सरकार के संज्ञान में यह बात आई थी कि संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अधिसूचित अनुसूचित जाति की सूची के सरल क्रमांक 14 पर 'चमार', 'चमारी', 'मोची', 'रोहिदास' समेत कई जातियां एक ही समूह में शामिल हैं। राज्य के कतिपय जिलों में 'रोहिदास' जाति से ताल्लुक रखने वाले लोगों के पुराने राजस्व अभिलेखों में 'चमार' या 'मोची' दर्ज होने के कारण उन्हें 'रोहिदास' जाति का नया प्रमाण पत्र प्राप्त करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

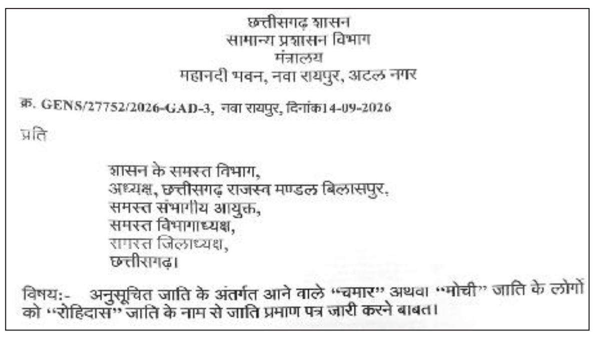

छत्तीसगढ़ शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर

क्र. GENS/27752/2026-GAD-3, नवा रायपुर, दिनांक14-09-2026

प्रति

शासन के समस्त विभाग,
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राजस्व मण्डल बिलासपुर,
समस्त संभागीय आयुक्त,
समस्त विभागाध्यक्ष,
समस्त जिलाध्यक्ष,
छत्तीसगढ़।

विषय:- अनुसूचित जाति के अंतर्गत आने वाले "चमार" अथवा "मोची" जाति के लोगों को "रोहिदास" जाति के नाम से जाति प्रमाण पत्र जारी करने बाबत।

### संवैधानिक अधिकारों पर नहीं पड़ेगा असर

सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि चमार, मोची और रोहिदास— सभी जातियां केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अधिसूचित अनुसूचित जाति की सूची में शामिल हैं। चूंकि ये सभी एक ही अधिसूचित समूह का हिस्सा हैं, इसलिए दस्तावेजों में नाम के अंतर से इनके संवैधानिक अधिकारों और प्रावधानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

### क्या होगी प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया?

शासन द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक, यदि कोई आवेदक 'रोहिदास' जाति का प्रमाण पत्र मांगता है और उसके पूर्वजों के राजस्व रिकॉर्ड में 'चमार' या 'मोची' दर्ज है, तो सक्षम अधिकारी इसकी विधिवत जांच करेंगे। अधिकारियों को 1 अगस्त 1996 को जारी सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र के परिशिष्ट की कंडिका 6 में उल्लिखित जांच के आधार बिंदुओं के तहत परीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। यदि जांच में यह पुष्ट हो जाता है कि संबंधित अभ्यर्थी वास्तव में 'रोहिदास' जाति से ही है, तो उन्हें बिना किसी बाधा के 'रोहिदास' जाति का प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा।

### अब कोई कठिनाई नहीं होगी

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सनम जांगड़े का कहना है कि यह राज्य सरकार की एक बहुत अच्छी पहल है। जो लोग चमार या मोची लिखते हैं उन्हें रोहिदास जाति का जाति प्रमाण पत्र मिलने में कठिनाई होती है जो अब नहीं होगी। सरकार एवं मुख्यमंत्री की यह पहल स्वागत योग्य है।

सबसे कम कीमत पर
Machine Made Jewellery
1.99%
Making Charges
anand Gold
Pandri

ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

## खबर संक्षेप

### सेना प्रमुख सेठ तीन दिवसीय रूस दौरे पर

**नई दिल्ली।** सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ बुधवार से तीन दिवसीय रूस यात्रा पर हैं। इस दौरे का उद्देश्य दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक रक्षा सहयोग और सेनाओं के बीच संबंधों को और मजबूत करना है।

### हादसे में परिवार के चार सदस्यों की मौत

**मुंबई।** महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक एमयूवी के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराने के बाद एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। मुंबई के जोगेश्वरी का यह परिवार नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर में भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिर में दर्शन करने के बाद लौट रहा था। मुंबई-नासिक राजमार्ग पर अटगांव के पास यह हादसा अपराह्न में हुआ।

### अयोध्या में पिता के नाम पर अमिताभ बनाएंगे धर्मशाला

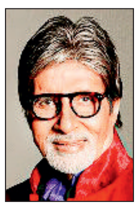

**अयोध्या।** अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में प्रस्तावित एक धर्मशाला के लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण को भवन-योजना प्रस्तुत की है। इसका नाम उनके पिता, प्रसिद्ध कवि तथा पूर्व राज्यसभा सदस्य हरिवंश राय बच्चन के नाम पर रखा जाएगा।

### एक किलो सोने के साथ बांग्लादेशी गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बांग्लादेशी नागरिक के पास से 1.88 करोड़ रुपए मूल्य का एक किलो सोना बरामद किया गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। यह व्यक्ति 12 सितंबर को जेद्दा से आया था और उसे ढाका के लिए यात्रा करनी थी। तभी टर्मिनल-तीन के अंतरराष्ट्रीय पारगमन क्षेत्र में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों ने उसे रोका। सोना तीन कैप्सूल में रासायनिक पेस्ट के रूप में रखा हुआ था और इन कैप्सूल को आरोपी ने अंतःवस्त्र में छिपा रखा था।

*51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों को होगा फायदा*

### केंद्रीय मंत्रिमंडल का फैसला, आज से ही लागू होगा नया नियम

# बड़ी खुशखबरी, पीएफ पर सैलरी लिमिट 15 हजार से हुई 25 हजार

*केंद्र सरकार ने बुधवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए वेतन सीमा को मौजूदा के 15,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए प्रति माह करने को मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य अधिक कर्मचारियों को भविष्य निधि बचत और पेंशन सुरक्षा के दायरे में लाना है। इस फैसले से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों को फायदा होगा।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा, भविष्य निधि कटौती के लिए अब 25,000 रुपए प्रति माह वेतन की नई सीमा होगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल के इस फैसले से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफओ के दायरे में आ सकते हैं। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा, संशोधित वेतन सीमा 17 सितंबर, 2026 यानी 'विश्वकर्मा पूजा' के दिन से प्रभावी होगी। ईपीएफओ की वेतन सीमा 2004 से 2014 के बीच अपरिवर्तित रही थी और सितंबर, 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 रुपए प्रति माह किया गया था। सितंबर, 2014 से पहले वेतन सीमा 6,500 रुपए प्रति माह थी। सरकार ने कहा कि पिछले वर्षों में वेतन और आय में लगातार ▶▶|शेष पेज 6 पर

- कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के पीएफ में 12 साल बाद बदलाव

### श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा

*श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' लिखा, मंत्रिमंडल का यह फैसला देश के श्रमिकों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा और संगठित क्षेत्र के रोजगार को भी गति देगा। उन्होंने कहा, मैं देश के सभी श्रमिकों को बताना चाहता हूं कि कल विश्वकर्मा पूजा और सेवा दिवस दोनों का पावन अवसर है। यह महत्वपूर्ण फैसला इसी शुभ दिन से लागू होगा।*

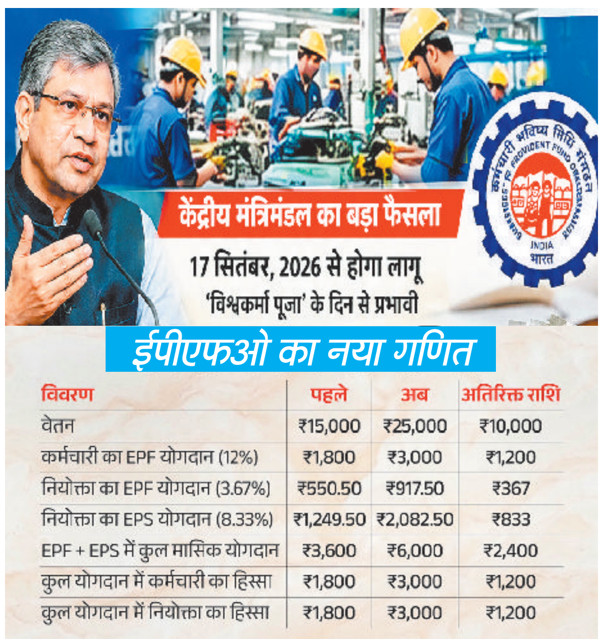

केंद्रीय मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला
17 सितंबर, 2026 से होगा लागू
'विश्वकर्मा पूजा' के दिन से प्रभावी

ईपीएफओ का नया गणित

| विवरण | पहले | अब | अतिरिक्त राशि |
|---|---|---|---|
| वेतन | ₹15,000 | ₹25,000 | ₹10,000 |
| कर्मचारी का EPF योगदान (12%) | ₹1,800 | ₹3,000 | ₹1,200 |
| नियोक्ता का EPF योगदान (3.67%) | ₹550.50 | ₹917.50 | ₹367 |
| नियोक्ता का EPS योगदान (8.33%) | ₹1,249.50 | ₹2,082.50 | ₹833 |
| EPF + EPS में कुल मासिक योगदान | ₹3,600 | ₹6,000 | ₹2,400 |
| कुल योगदान में कर्मचारी का हिस्सा | ₹1,800 | ₹3,000 | ₹1,200 |
| कुल योगदान में नियोक्ता का हिस्सा | ₹1,800 | ₹3,000 | ₹1,200 |

### दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था

*ईपीएफओ दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाओं में से एक का संचालन करता है। यह कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा संबद्ध बीमा योजना (ईडीएलआई) का संचालन करता है। ईपीएफओ के ताजा आंकड़ों के अनुसार, करीब 7.98 करोड़ सदस्य लगभग 7.68 लाख प्रतिष्ठानों से जुड़े हैं। ईपीएस के तहत करीब 82 लाख पेंशनधारकों को पेंशन लाभ मिलता है।*

### ये फायदे

1- उन्हें कर्मचारी भविष्य निधि के तहत नियमित बचत का लाभ मिलेगा। अब 25,000 रुपए की सैलरी वाले भी इस दायरे में आएंगे।

2- कर्मचारी पेंशन योजना के जरिए रिटायरमेंट के बाद पेंशन सुरक्षा मिलेगी। न्यूनतम 10 साल की सेवा पूरी करने पर 58 वर्ष की आयु के बाद आजीवन मासिक पेंशन मिलेगी।

3- कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना के तहत बीमा सुरक्षा भी उपलब्ध होगी। ये स्कीम नौकरी में रहने के दौरान किसी तरह की अनहोनी होने पर परिवार का सहारा बनती है।

# प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आज जलेगा 'आशीर्वाद का दीया'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिन के मौके पर देशभर में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी के कर्तव्य पथ पर 'आशीर्वाद का दीया' अभियान के तहत गुरुवार शाम को सवा लाख दिए जलाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के हर परिवार से शाम छह बजे से सात बजे के बीच अभियान के तहत दीया जलाने और मोदी के अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और मां भारती की सेवा में निरंतर शक्ति के लिए प्रार्थना करने की अपील की है।

### उज्जैन में 'आशीर्वाद का दीया' जलाएंगे भाजपा अध्यक्ष

भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन और 25 वर्षों की उनकी समर्पित सार्वजनिक सेवा के उपलक्ष्य में गुरुवार को उज्जैन के रामघाट पर 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित करेंगे। नवीन मध्यप्रदेश की दो दिन की यात्रा पर इंदौर में 'स्वामित्व योजना' के तहत एक बड़े राज्यव्यापी लोक कल्याण अभियान की भी शुरुआत करेंगे।

### छत्तीसगढ़ में भी जलेगा आशीर्वाद का दीया

छत्तीसगढ़ में भाजपा अलग-अलग जिलों में कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। कहीं सेवा अभियान चलेगा तो कहीं दीये जलाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 76वें जन्मदिन मनाया जाएगा। रायपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत मरीन ड्राइव में 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम होगा। इसके तहत 25 लाख दीये जलाए जाएंगे।

**पांच दशकों में 250 से अधिक फिल्मों में अभिनय**

# अभिनेता अनंत को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हिंदी और कन्नड़ सिनेमा में 'मिंचिना ओटा', 'हंसगीते', 'अंकुर' और 'मंथन' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले दिग्गज अभिनेता पद्म भूषण अनंत नाग को 2024 के दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। सरकार ने बुधवार को यह घोषणा की। पांच दशकों के फिल्मी सफर में 250 से अधिक फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता अनंत नाग (78) रंगमंच की दुनिया की भी जानी-मानी शख्सियत हैं। उन्हें भारतीय सिनेमा के इस सर्वोच्च सम्मान से 22 सितंबर को गुजरात के ▶▶|शेष पेज 6 पर

### फिल्मी सफरनामा

- अनंत नाग ने अपने करियर में 250 से ज्यादा फिल्में की
- फिल्म इंडस्ट्री के महान कलाकारों में गिने जाते हैं अनंत
- ज्यादातर कन्नड़ फिल्मों में काम किया
- वे हिंदी, मराठी, तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्में की
- अनंत- 'अंकुर', 'गौरी गणेश', 'मिनचिना ओटा', 'बेलादिंगाला बाले', और 'केजीएफ' जैसी शानदार फिल्मों में नजर आए

### पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनंत नाग को इस सम्मान के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि अनंत नाग ने कई दशकों तक अपने शानदार अभिनय और अलग-अलग किरदारों के जरिए भारतीय सिनेमा, खासकर कन्नड़ सिनेमा पर गहरी छाप छोड़ी है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि अनंत नाग ने जिस भी किरदार को निभाया, उसमें गहराई और सच्चाई नजर आई। उन्होंने अभिनेता को यह सम्मान मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

### सोने का हॉलमार्किंग शुल्क अब 75 रुपए

**मुंबई।** भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने त्योहारों से पहले सोने के आभूषण का हॉलमार्किंग शुल्क बढ़ाकर 75 रुपए कर दिया है, जबकि चांदी के लिए यह शुल्क 35 रुपए पर बरकरार रखा गया है। यह संशोधित हॉलमार्किंग शुल्क तत्काल प्रभाव से लागू होगा। अबतक सोने के आभूषण का हॉलमार्क का निशान लगाने का शुल्क 45 रुपए था।

*पूर्व सीएम बघेल ने उठाए थे मूल्यांकन प्रक्रिया पर सवाल*

# पीएससी ने स्थगित की साक्षात्कार प्रक्रिया मूल्यांकन पर सवालों के बीच जारी हुआ आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने आदेश जारी कर 20 सितंबर से प्रारंभ होने वाली साक्षात्कार प्रक्रिया स्थगित कर दी है। पूर्व में जारी अधिसूचना के अनुसार, दस्तावेज सत्यापन सह साक्षात्कार प्रक्रिया 20 सितंबर से प्रारंभ होकर एक अक्टूबर तक आयोजित की जानी थी।नई तिथि पीएससी द्वारा पृथक रूप ▶▶|शेष पेज 6 पर

- 20 सितंबर से प्रारंभ होने थे साक्षात्कार भरे जाएंगे 20 विभागों के 265 पद

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

### न्यूनतम अंक को लेकर भी मांगा स्पष्टीकरण

पूर्व मुख्यमंत्री ने उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ अभ्यर्थियों की कॉपियों में सही उत्तर लिखने वालों को कम नंबर और गलत उत्तर लिखने वालों को ▶▶|शेष पेज 6 पर

TAFE
मैसी का सितारा
लाया 1000+ इनामों का पिटारा
MASSEY FERGUSON
मैसी का सितारा ऑफ़र
लकी ड्रॉ स्कीम
2 सितंबर - 14 नवंबर, 2026
सारे मैसी ट्रैक्टर्स पर लागू।
MF 254 4WD DynaSmart
बंपर इनाम
8 न. 1ला इनाम MF 254 4WD DynaSmart
8 न. 2रा इनाम टाटा पंच
24 न. 3रा इनाम रॉयल एनफील्ड बुलेट 350
48 न. 4था इनाम टीवीएस जुपिटर स्कूटर
साथ में, सैकड़ों टीवी, स्मार्टफ़ोन और निश्चित उपहार जैसे इनाम भी हैं
*नियम एवं शर्तें लागू। दिखाए गए सभी इनाम केवल प्रतिनिधित्व के लिए हैं। 18 वर्ष या उससे ऊपर के भारतीय निवासियों के लिए खुला है,तमिलनाडु राज्य को छोड़ कर। भाग लेने वालों के लिए कोई प्रवेश शुल्क की ज़रूरत नहीं। योग्यता मापदंड: केवल कोई भी मैसी फर्ग्यूसन ट्रैक्टर खरीदने वाले ग्राहक ही योग्य हैं। विजेताओं का चुनाव ऑटोमेटेड अनियमित ड्रॉ द्वारा किया जाएगा। जीते हुए इनाम स्रोत (टीडीएस) पर अनिवार्य कर कटौती के अधीन हैं। सभी इनामों पर कर, आरटीओ और बीमा विजेताओं को देना होगा। आरटीओ, इंश्योरेंस और एक्सेसरीज़ अतिरिक्त। सभी विवाद चेन्नई न्यायाधिकार के अधीन हैं। विवरण के लिए, अपने नजदीकी डीलरशिप या tafe.com पर जाएँ।
अधिक जानकारी के लिए आज ही अपने मैसी डीलर से संपर्क करें या QR कोड स्कैन करें
Product of Superior Technology from TAFE
masseyfergusonindia.com
98355 44811, 93025 39614, 93008 05982 टोल फ्री: 1800 309 1200

www.zalimlotion.in
जालिम लोशन
दाद, खाज, खुजली एवं एक्जिमा के लिए उपयोगी
मेडिकल स्टोर से आज ही खरीदें
120/75/4127/09/25/267
ANIL PUB.

### उत्तर-पश्चिमी नेपाल में दो बार आया भूकंप

**काठमांडू।** उत्तर-पश्चिमी नेपाल में लगातार दो बार भूकंप आया। हालांकि, भूकंप से अभी तक किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। पहले भूकंप की तीव्रता 4.5 थी और यह स्थानीय समयानुसार मंगलवार देर रात एक बजकर 51 मिनट पर दर्ज किया गया।

गुजरात के वडनगर की साधारण गलियों से उठकर भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार देश की कमान संभालने तक, नरेंद्र मोदी की जीवन-यात्रा स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक असाधारण और स्वर्णिम अध्याय है। संघ के निष्ठावान प्रचारक और कुशल संगठनकर्ता के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ने के बाद, उन्होंने लगभग 13 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में विकास और सुशासन का एक नया मॉडल पेश किया। 2014 में केंद्र की सत्ता संभालने के बाद से, उन्होंने देश को न केवल प्रशासनिक और संवैधानिक स्तर पर नई दिशा दी, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जन-धन, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के ऐतिहासिक कायाकल्प से लेकर अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावीकरण, राम मंदिर निर्माण और G20 की सफल अध्यक्षता तक—उनके फैसले दूरगामी और युगांतकारी साबित हुए हैं। 76वें वर्ष में प्रवेश करते हुए, उनकी यह 76 ऐतिहासिक पड़ावों की श्रृंखला एक दूरदर्शी जननेता की अदम्य इच्छाशक्ति, जन-सेवा, राष्ट्र-प्रथम की सोच और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प की एक सजीव गाथा है।

## नरेंद्र मोदीः जीवन के 76 पड़ाव

1. 17 सितंबर 1950 —गुजरात के वडनगर (मेहसाणा) में जन्म। वे स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं।
2. वडनगर से राष्ट्रीय राजनीतिः साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर देश की राजनीति के शीर्ष तक की यात्रा।
3. किशोरावस्था में संघ से जुड़े और पूर्णकालिक प्रचारक के रूप में संगठनात्मक प्रशिक्षण प्राप्त किया।
4. 1975 के आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की बहाली के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी।
5. आपातकाल के दौरान पहचान बदलकर संगठन और संपर्क बनाए रखने का काम किया।
6. संघ में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालते हुए अपनी रणनीति और संगठन कौशल को मजबूत किया।
7. 1987 में भाजपा में औपचारिक प्रवेशः गुजरात भाजपा के संगठन महामंत्री के रूप में राजनीतिक पारी शुरू की।
8. भाजपा को अहमदाबाद नगर निगम में पहली ऐतिहासिक जीत दिलाने में मुख्य रणनीतिकार की भूमिका निभाई।
9. 1990 गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका।
10. 1995ः भाजपा ने 121 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई; मोदी की संगठन क्षमता राष्ट्रीय स्तर पर पहचानी गई।
11. गुजरात में सफलता के बाद उन्हें नई दिल्ली बुलाकर राष्ट्रीय संगठन की जिम्मेदारियां सौंपी गईं।
12. हरियाणा-हिमाचल प्रदेश के प्रभारीः उत्तर भारतीय राज्यों में पार्टी के संगठन को मजबूत किया।
13. 7 अक्टूबर 2001 पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभाली।14. 2001 के विनाशकारी भूकंप के बाद राज्य के पुनर्निर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास का नेतृत्व।
15. 2002 में मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार बहुमत से सरकार में वापसी की।
16. 2007 में विकास के एजेंडे पर लगातार दूसरी बार गुजरात में जीत दर्ज की।
17. 2012 में लगातार तीसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जनादेश हासिल किया।
18. अक्टूबर 2001 से मई 2014 तक लगभग 12 वर्ष 7 महीने गुजरात के मुख्यमंत्री रहे।
19. वैश्विक निवेश और उद्योगों को आकर्षित करने के लिए वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक निवेश सम्मेलन की नींव रखी।
20. ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के लिए अलग विद्युत फीडर व्यवस्था लागू की।21. किसानों तक आधुनिक तकनीक, बीज और सरकारी सेवाएं पहुंचाने के लिए व्यापक कृषि मेलों का आयोजन।
22. पारदर्शी प्रशासन और सरकारी सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए डिजिटल तकनीक का व्यापक प्रयोग।
23. औद्योगिक विकास का गुजरात मॉडलःबुनियादी ढांचे, बिजली, सड़क और व्यापार को एकीकृत किया।
24. गुजरात को देश के अग्रणी सौर ऊर्जा उत्पादक राज्यों में स्थापित करने के लिए नीतिगत पहल की।
25. कच्छ और सौराष्ट्र जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए नहर नेटवर्क का विस्तार किया।
26. 2012-13 के दौरान गुजरात के प्रशासनिक और आर्थिक मॉडल को राष्ट्रीय राजनीति में विकास के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया।
27. 2014 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 282 सीटें जीतीं; 30 वर्षों में पहली बार किसी एक दल को अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिला।
28. 26 मई 2014 में भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।
29. शपथ ग्रहण समारोह में सार्क और पड़ोसी देशों के शीर्ष नेताओं को आमंत्रित किया।
30. पीएम जनधन योजना की शुरूआत कर हर व्यक्ति के लिए वित्तीय दरवाजे खोले।
31. स्वच्छता को राष्ट्रीय जन-आंदोलन बनाया, 2 अक्टूबर 2019 तक ग्रामीण भारत को खुले में शौच से मुक्त करने का लक्ष्य रखा।
32. योग दिवसः संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव रखा गया, जिसे 175 देशों का समर्थन मिला और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया।
33. मेक इन इंडिया के तहत भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने का राष्ट्रीय अभियान।
34. डिजिटल भारतः शासन, नागरिक सेवाओं और वित्तीय लेन-देन को डिजिटल तकनीक से जोड़ने की व्यापक पहल।
35. कौशल भारतः युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुसार रोजगार योग्य कौशल प्रदान करने की पहल।
36. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओः लिंगानुपात में सुधार और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का राष्ट्रीय अभियान।
37. पीएम मुद्रा योजनाः स्वरोजगार और छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराया।
38. पीएम आवास योजनाः ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने का व्यापक कार्यक्रम।
39. 8 नवंबर 2016ः काले धन, जाली मुद्रा और भ्रष्टाचार पर प्रहार के लिए 500 और 1,000 रुपये के नोटों को अमान्य किया।
40. यूपीआई का विस्तारः डिजिटल भुगतान की व्यवस्था पैमाने पर, देश दुनिया के अग्रणी डिजिटल भुगतान बाजारों में शामिल हुआ।
41. भीम ऐप — दिसंबर 2016ः सरल डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने वाला ऐप शुरू किया।
42. वस्तु एवं सेवा कर : एक राष्ट्र, एक कर की अवधारणा के तहत अप्रत्यक्ष कर प्रणाली का एकीकरण।
43. दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिताः कंपनियों के ऋण समाधान और बैंकों की फंसी पूंजी से निपटने के लिए नया ढांचा।
44. स्टार्टअप इंडियाः नवाचार और नए उद्यमों को प्रोत्साहन की पहल।
45. स्टैंड-अप इंडियाः महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को संस्थागत बैंक ऋण दिलाने की पहल।
46. मुद्रा योजना का विस्तार कियाः
47. जन-धन, आधार और मोबाइल के माध्यम से सरकारी लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाने की व्यवस्था।
48. सर्जिकल स्ट्राइक 2016ः उरी आतंकी हमले के बाद नियंत्रण रेखा के पार आतंकवादी ठिकानों पर सेना की कार्रवाई।
49. 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के बालाकोट क्षेत्र में आतंकी प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया।
50. अनुच्छेद 370 समाप्तः 5 अगस्त 2019ः जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संवैधानिक प्रावधानों में बड़ा बदलाव।
51. जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो अलग-अलग केंद्रशासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया।
52. 2019ः तीन तलाक की प्रथा को गैर-कानूनी और दंडनीय अपराध बनाकर मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण दिया गया।
53. पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए कुछ धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए भारतीय नागरिकता की प्रक्रिया में बदलाव।
54. आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति और सीमा सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया गया।
55. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2016ः गरीब परिवारों की महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने की योजना।
56. सौभाग्य योजना 2017ः देश के हर घर तक बिजली पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना शुरू की गई।
57. आयुष्मान भारतः गरीब परिवारों को प्रति परिवार पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य उपचार का सुरक्षा कवच।
58. पोषण अभियानः बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण कम करने के लिए राष्ट्रीय मिशन।
59. ग्रामीण परिवारों तक नल से पेयजल पहुंचाने के लिए हर घर जल-जल जीवन मिशन शुरू किया।
60. हर घर जल का विस्तारः जुलाई 2026 तक ग्रामीण नल कनेक्शन 3.24 करोड़ से बढ़कर 15.89 करोड़ यानी 82.09 प्रतिशत तक पहुंचा।
61. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनाः 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।
62. 16 जनवरी 2021ः दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियानों में से एक; अगस्त 2022 तक 200.72 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए।
63. कोविन डिजिटल मंचः कोविड टीकाकरण के पंजीकरण, प्रमाणपत्र और निगरानी के लिए डिजिटल मंच का इस्तेमाल।
64. प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का विस्तारः मार्च 2026 तक 4.15 करोड़ घर आवंटित किए गए, जिनमें 2.99 करोड़ घर पूरे हो चुके थे।
65. प्रधानमंत्री गति शक्ति 2021ः विभिन्न मंत्रालयों की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बीच समन्वय के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान शुरू किया।
66. राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति 2022ः देश में माल परिवहन की लागत घटाने और व्यापार को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नीति लागू की गई।
67. अटल सुरंग — 2020ः मनाली-लेह मार्ग पर 9.02 किलोमीटर लंबी सुरंग; 10,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंगों में शामिल।
68. वंदे भारत एक्सप्रेस 2019ः भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन की शुरुआत दिल्ली-वाराणसी मार्ग से हुई।
69. उड़ान योजनाः छोटे शहरों और कस्बों तक हवाई संपर्क पहुंचाने के लिए क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना शुरू की गई।
70. सीमावर्ती बुनियादी ढांचे का विस्तारः रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़कों, पुलों, सुरंगों और रेलवे लाइनों के निर्माण में तेजी लाई गई।
71. फ्रांस के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की पहल की गई और जलवायु कूटनीति में भारत की भूमिका मजबूत हुई।
72. आपदा के समय मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए वैश्विक मंच की स्थापना की पहल की।
73. जी-20 की भारत की अध्यक्षता — 2023ः भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली घोषणापत्र पारित हुआ।
74. भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।
75. 23 अगस्त 2023 को भारत ने चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। लैंडिंग स्थल को 'शिव शक्ति' नाम दिया गया।
76. 9 जून 2024ः नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। जून 2026 में उन्होंने लगातार प्रधानमंत्री पद रहते हुए महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मील का पत्थर पार किया।

# गुजरात के वडनगर से विश्व पटल तक

# जीवन के 76 ऐतिहासिक पड़ाव

## ऊर्जा सुरक्षा से जनकल्याण तक, बदलाव की नई कहानी

किसी देश के विकास की रफ्तार उसकी ऊर्जा की उपलब्धता और विश्वसनीयता से गहराई से जुड़ी होती है। कारखानों का संचालन हो, खेतों तक सिंचाई की सुविधा पहुंचाना हो या घरों को रोशन करना, हर जगह ऊर्जा की जरूरत है। भारत जैसे विशाल और तेजी से आगे बढ़ते देश के लिए यह जरूरत और भी महत्वपूर्ण है। आज भी देश के करीब 73 प्रतिशत बिजली उत्पादन का आधार कोयला है। इसलिए कोयला क्षेत्र में होने वाला हर सकारात्मक बदलाव देश की ऊर्जा सुरक्षा और आम लोगों के जीवन पर असर डालता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद कोयला क्षेत्र में व्यापक नीतिगत और संरचनात्मक सुधार हुए हैं। पारदर्शिता बढ़ाने, निर्णय प्रक्रिया तेज करने, आधुनिक तकनीक अपनाने और बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के प्रयासों ने इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। खदानों की योजना से लेकर कोयले की ढुलाई तक, कामकाज के अनेक स्तरों पर इसका असर दिखाई देता है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश का घरेलू कोयला उत्पादन लगातार दूसरे वर्ष एक अरब टन के पार पहुंचा। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान 1.04 अरब टन कोयले का उत्पादन हुआ।

**हरीश दुहन**
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

इस राष्ट्रीय उपलब्धि में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड यानी एसईसीएल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कार्यरत कोल इंडिया की इस मिनीरत्न कंपनी ने अपनी स्थापना के वर्ष 1985-86 में 3.42 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 17.628 करोड़ टन हो गया। आज कोल इंडिया के उत्पादन में एसईसीएल की हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत और देश के कुल कोयला उत्पादन में लगभग 17 प्रतिशत है। इस सफर के पीछे 36 हजार से अधिक नियमित कर्मचारियों, 24 हजार संविदा कामगारों और बड़ी संख्या में जुड़े परिवहनकर्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं तथा सेवा प्रदाताओं का योगदान है।

वर्ष 2014 के बाद एसईसीएल में आया बदलाव उत्पादन बढ़ने के साथ कार्यक्षमता, तकनीक और जिम्मेदारी के विस्तार की कहानी भी है। वर्ष 2013-14 में कंपनी का कोयला उत्पादन 12.426 करोड़ टन था, जो 2025-26 में बढ़कर 17.628 करोड़ टन हो गया। इसी अवधि में उपभोक्ताओं को कोयले की आपूर्ति 12.203 करोड़ टन से बढ़कर 17.863 करोड़ टन पहुंच गई। यह 46 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। कंपनी आज 13 राज्यों को कोयले की आपूर्ति कर रही है। इससे भी उल्लेखनीय बदलाव उत्पादकता में आया है। प्रति श्रमिक, प्रति पाली उत्पादन 7.23 टन से बढ़कर 16.47 टन हो गया है।

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन जनसेवा, दूरगामी दृष्टिकोण और उस अनुरूप निर्णयों का बिरला संगम है। यही कारण है कि पूरा देश 17 सितंबर को उनका जन्म दिवस 'सेवा दिवस' के रूप में मना रहा है। यह दिवस केवल मोदी जी के एक राजनेता के रूप में की गई जीवन यात्रा को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि यह उस संकल्प के प्रति निष्ठा और समर्पण जताने का दिन है जो भारत को एक वैश्विक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर करता है। पीएम मोदी जी ने लक्ष्य रखा है कि वर्ष 2047 तक भारत को एक पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बनाना है। उनके नेतृत्व में केवल सरकारें ही नहीं, बल्कि पूरे देश के सभी नागरिक इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। जहां तक नीतियों की बात है, हमने एक दौर ऐसा भी देखा है जिसे पॉलिसी पैरालिसिस के नाम से जाना जाता है और आज एक दौर ऐसा भी है जहां पूरी दुनिया के नेता 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के वैश्विक विजन और कूटनीतिक कौशल का लोहा मान कर गए हैं। 17 सितंबर को देश में घर-घर प्रकाशित होने वाला हर दीप उनके नेतृत्व प्रति आस्था, निष्ठा और गौरव का प्रतीक होगा।

# सेवा, संकल्प और वैश्विक नेतृत्व के गौरव

हाल ही में सम्पन्न हुए 18 वें ब्रिक्स शिखर इस सम्मेलन में पीएम मोदी जी ने दुनिया को 'फोर-पिलर विजन' (लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास) और वैश्विक संस्थाओं में सुधार का 10-सूत्रीय रोडमैप दिया है। वैश्विक पटल पर भारत की इस नेतृत्वकारी भूमिका के पीछे पीएम मोदी जी के घरेलू मोर्चे पर लिए गए साहसिक फैसले और जनकल्याणकारी नीतियां हैं। उनके कार्यकाल में हमने देश की दिशा और दशा को तय करने वाले ऐतिहासक कार्य देख हैं। अगस्त 2019 में लिया गया अनुच्छेद 370 की समाप्ति और जम्मू-कश्मीर का पूर्ण एकीकरण का फैसला स्वतंत्र भारत के इतिहास के सबसे साहसिक और ऐतिहासिक कदमों में से एक है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए को निरस्त कर उसे मुख्यधारा से जोड़ा गया। इसके परिणामस्वरूप वहां दशकों से चला आ रहा अलगाववाद और आतंकवाद कमजोर हुआ है। आज कश्मीर में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। पत्थरबाजी का दौर खत्म हो चुका है। वहां का युवा शिक्षा, खेल, और स्टार्टअप्स के माध्यम से देश की प्रगति में अपना योगदान दे रहा है। पीएम मोदी जी ने इस तरह भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सबसे बड़ा स्वप्न और संकल्प को पूरा किया। डॉ. मुखर्जी ने ही आज से सात दशक पहले कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए देशव्यापी आंदोलन शुरू किया था।

ऐसी एक ऐतिहासिक उपलब्धि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण है। सदियों पुराने सांस्कृतिक और कानूनी विवाद का शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण समाधान मोदी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह न केवल करोड़ों भारतीयों की आस्था की बहाली का प्रतीक बना, बल्कि इसने देश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और 'विरासत भी, विकास भी' के संकल्प को एक नई ऊर्जा दी। आज अयोध्या वैश्विक स्तर पर पर्यटन और बुनियादी ढांचे के बड़े केंद्र के रूप में उभर रही है।

**नरेंद्र सिंह तोमर**
अध्यक्ष, मध्यप्रदेश विधानसभा

आर्थिक सुधार प्रधानमंत्री मोदी जी का कोर एजेंडा है। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए पीएम मोदी के डिजिटल विजन ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम बना दिया है। जन धन खातों, आधार और मोबाइल के जरिए शुरू हुई इस क्रांति ने भ्रष्टाचार पर सीधी चोट की है। आज 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' के माध्यम से सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत पैसा सीधे गरीबों के खातों में पहुंच रहा है। भारत के यूपीआई मॉडल का लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है।

पिछले कुछ वर्षों में देश के इंफ्रास्ट्रक्चर में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पीएम गतिशक्ति योजना के तहत राजमार्गों के निर्माण की रफ्तार दोगुनी से ज्यादा हो चुकी है। रेलवे के क्षेत्र में पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बनी सेमी-हाई स्पीड 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ट्रेनें और रेलवे स्टेशनों का आधुनिक पुनर्विकास (अमृत भारत स्टेशन योजना) नए भारत की नई पहचान बन चुके हैं। इसके साथ ही देश के सुदूर इलाकों तक हवाई कनेक्टिविटी देने वाली 'उड़ान' योजना ने आम आदमी के हवाई सफर के सपने को सच किया है।

गरीबों और वंचितों के जीवन स्तर को उठाने के लिए मोदी सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े कल्याणकारी कार्यक्रम संचालित किए हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना के तहत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज, और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं। 'हर घर जल' मिशन के जरिए ग्रामीण परिवारों तक नल से साफ पानी पहुंचाकर बुनियादी जीवन स्तर में अभूतपूर्व सुधार किया गया है।

देश के भीतर बुनियादी सुधारों से लेकर ब्रिक्स 2026 की ऐतिहासिक कूटनीतिक सफलता तक पीएम मोदी का विजन केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारत को वैश्विक मंच पर 'विश्वगुरु' और संकटमोचक के रूप में स्थापित कर चुके हैं। चाहे 'मेक इन इंडिया' के तहत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बनना हो या सामाजिक न्याय की स्थापना-उनकी नीतियां 'राष्ट्र प्रथम' ध्येय से प्रेरित हैं। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ते भारत के लिए उनका यह दूरदर्शी रोडमैप देश के 140 करोड़ नागरिकों को एक सूत्र में पिरोकर 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने का अटूट विश्वास देता है।

# मोदी युग में बड़ा बदलाव, पूर्वोत्तर को मिली नई जीवन 'धारा'

मोदी युग की सबसे स्थायी उपलब्धि शायद किसी एक सड़क, योजना, सुधार या बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं है।यह इससे कहीं अधिक गहरे बदलाव में निहित है—खुदभारतीय समाज की मुख्यधारा का विस्तार।राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वर्ष 2017 से 2022 तक पांच वर्षों तक मैंने उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में निकटता से देखा। इसी अनुभव और सार्वजनिक जीवन में उनके साथ अपने जुड़ाव के आधार पर, मैं उनके जन्मदिन के अवसर पर कुछ विचार साझा करना चाहता हूं।अक्टूबर 2001 में गुजरात में निर्वाचित सरकार की बागडोर संभालने से लेकर वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री कार्यालय की जिम्मेदारी संभालने तक, निर्वाचित सरकार के प्रमुख के रूप में 25 सेअधिक वर्षोंमें प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार एक सरल, किंतु परिवर्तनकारी विचार को आगे बढ़ाया है— "सबका साथ, सबका विकास।"

इसके केंद्र में एक और विचार है, जो उनकी समावेशी राजनीति की पहचान बन गया हैः "जिसको किसी ने नहीं पूछा, उसको मोदी ने पूजा।" जो लोग अनसुने, अनदेखे या पर्याप्त सुविधाओं से वंचित रह गए थे, वे अब भारत की विकास यात्रा के हाशिये पर नहीं रह गए थे। शायद यही मोदी युग का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है—सिर्फ विकास को वंचित वर्गों तक पहुंचाना ही नहीं, बल्कि उनको मुख्यधारा में लाना।

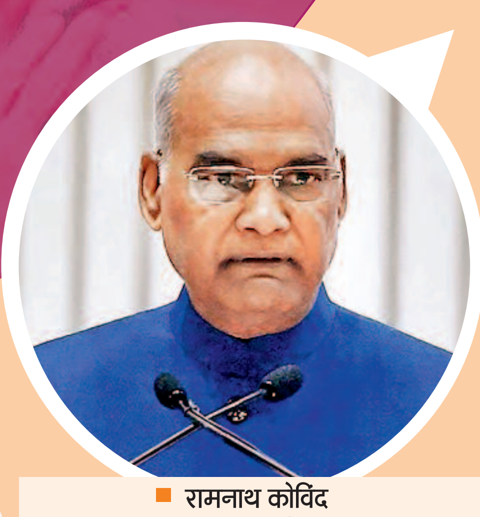

**रामनाथ कोविंद**
पूर्व राष्ट्रपति

### मुख्यधारा के केंद्र में कौन है, इसकी नई परिकल्पना

स्वतंत्रता के बाद कई दशकों तक भारत की विकास संबंधी सोच में एक निहित केंद्र और परिधि दिखाई देती थी। कुछ क्षेत्रों को दूरस्थ माना जाता था। कुछ गांव इतने दुर्गम थे कि वहां तक सरकारी तंत्र की सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं पहुंच पाता था। लोगों की कई आकांक्षाओं को राष्ट्रीय विमर्श में स्थान नहीं मिल पाता था। मोदी सरकार ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है। शासन की सोच अब धीरे-धीरे चयनात्मकता के बजायसर्वव्यापी पहुंच, बहिष्करण के बजायसमावेशनऔर केवल अधिकार देने के बजायसशक्तिकरणपर केंद्रित होती गई है। अब प्रश्न यह नहीं है कि सरकार ने कोई योजना शुरू की है या नहीं, बल्कि यह है किजिस व्यक्ति तक उस योजना का लाभ पहुंचने की सबसे कम संभावना थी, क्या वास्तव में वह व्यक्ति भी उससे लाभान्वित हुआ है।

इस बदलाव को पूर्वोत्तर से बेहतर शायद ही कोई उदाहरण स्पष्ट कर सकता है।

कई दशकों तक पूर्वोत्तर को अक्सर भारत के दूरस्थ सीमांत क्षेत्र के रूप में देखा गया और उसकी सिर्फ चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब इसे तेजी सेभारत के अग्रणी क्षेत्र और दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रवेश द्वारके रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

नवंबर 2014 से प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र का 83 से अधिक बार दौराकिया है। इन दौरों के साथ संपर्क-सुविधाओं, बुनियादी ढांचे, निवेश और शांति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। इस क्षेत्र में 12 प्रमुख शांति समझौतेहुए हैं। वहीं, वर्ष 2014-15 से 2025-26 के बीच पूर्वोत्तर के विकास के लिए 7 लाख करोड़ रुपये से अधिकआवंटित किए गए हैं, जबकि इससे पिछले दशक में लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपयेआवंटित किए गए थे। पूर्वोत्तर के बुनियादी ढांचे का मानचित्र भी बदल रहा है।बोगीबील पुल और सेला सुरंगने दुर्गम भौगोलिक बाधाओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मिजोरम कोबैराबी-सैरांग रेल लाइनके उद्घाटन के साथ शेष भारत से पहली बार सीधी रेल कनेक्टिविटी मिली। नागालैंड को स्वतंत्रता के बाद अपनापहला रेलवे स्टेशनमिला।एम्स गुवाहाटीपूर्वोत्तर का पहला एम्स बना। असम का सेमीकंडक्टर संयंत्रइससे भी अधिक महत्वाकांक्षी सोच को दर्शाता है—यह उस विचार को सामने लाता है कि भारत के सबसे उन्नत प्रौद्योगिकी-आधारित उद्योगों में से एक का विकास ऐसे क्षेत्र में भी हो सकता है, जिसे कभी मुख्यतः भौगोलिक रूप से दूरस्थ माना जाता था।

### जब जनजातीय समुदाय विकास की प्राथमिकता बना

जनजातीय समुदायों के प्रति दृष्टिकोण में भी यही दर्शन दिखाई देता है। दृष्टिकोण अब छिटपुट कल्याणकारी उपायों से आगे बढ़करनिरंतर, लक्षित और समग्र सरकारी तंत्र के समन्वित प्रयासकी ओर बढ़ा है। पिछले एक दशक मेंजनजातीय कार्य मंत्रालय के बजट में 243 प्रतिशत की वृद्धिहुई है।पीएम-जनमन के अंतर्गत सभी 75 विशेष रूप से निर्बल जनजातीय समूहों को शामिल किया गया है। आवास, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य बुनियादी आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियानने इस दृष्टिकोण को और आगे बढ़ाया है। इसके तहत जनजातीय बहुल गांवों औरविशेष रूप से निर्बल जनजातीय समूहों की बस्तियोंमें लंबे समय से विद्यमान विकास संबंधी कमियों को दूर करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य केवल हाशिये पर रह रहे समुदायों को कल्याणकारी सहायता प्रदान करना नहीं है। इसका उद्देश्य उन्हेंदेश के भविष्य में पूर्ण और सार्थक भागीदारी के लिए आवश्यक क्षमताओं से सशक्त बनानाहै।

### 'अंतिम गांवों' से 'प्रथम गांवों' तक

भारत की सीमाओं पर भी दृष्टिकोण में इसी तरह का बदलाव दिखाई देता है। वर्षों तक दूरदराज की बस्तियों को आमतौर पर देश के"अंतिम गांवों"के रूप में वर्णित किया जाता रहा। मोदी सरकार ने समझ-बूझकर इस शब्दावली को बदलने का प्रयास किया और इससे भी महत्वपूर्ण रूप से, इसके पीछे की नीतिगत प्राथमिकता को भी बदला। अब इन्हें भारत के"प्रथम गांवों"के रूप में देखा जाता है। वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रमसड़कों, संपर्क-सुविधाओं, पर्यटन, आजीविका और आवश्यक सेवाओं के माध्यम से दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्रों में इस विचार को संस्थागत रूप देता है। यही सिद्धांत देश के आंतरिक क्षेत्रों मेंआकांक्षी जिला कार्यक्रमके माध्यम से आगे बढ़ाया गया है। ऐतिहासिक रूप से अल्प विकसित 112 जिलों को स्थायी रूप से पिछड़े क्षेत्रों के रूप में स्वीकार करने के बजाय, इस कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना और आजीविका के क्षेत्र में तेजी लाने के लिएमापनीय परिणाम, संयोजन और प्रतिस्पर्धात्मक विकासको बढ़ावा दिया गया। वर्ष 2023 मेंआकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रमके माध्यम से इस दृष्टिकोण को प्रशासनिक व्यवस्था के निचले स्तर तक ले जाया गया। इसके तहत 329 जिलों के 500 ब्लॉकोंको शामिल किया गया।
संदेश स्पष्ट हैःभौगोलिक स्थिति किसी क्षेत्र के लिए स्थायी नुकसान का कारण नहीं बन सकती।

# बहुआयामी मोदी का विराट स्वरूप अभी आना बाकी है

## मेहनत से हर पल देश को और जीवंत करते मोदी

पिछले 25 सालों से अनवरत लगातार मेहनत करते रहने के पीछे की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस बच्ची से पाते हैं जो अपने छोटे भाई को पीठ पर रखकर लगातार ऊंचे पहाड़ पर चढ़ती जा रही है, जब लड़की से एक आदमी पूछता है कि तुम्हें यह बोझ नहीं लग रहा है तो वह धीरे से मुस्कराते हुए कहती है कि यह मेरा अपना छोटा भाई है। इसलिए यह मुझे बोझ नहीं लगता बल्कि उसके पीठ पर रहने से मुझे और ताकत मिलती है। मैं अभी और ऊंचा पहाड़ चढ़ना चाहती हूं। इस बच्ची से प्रेरणा पाने वाले हमारे यशस्वी और कर्मठ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश के विकास पर हर पल सतत सक्रिय हैं।

उनकी राजनीतिक कला कौशल का यह सबसे बेहतर नायाब उदाहरण है कि पिछले 25 सालों से लगातार देश के जन-जन में प्रधानमंत्री मोदी अपनी चिर परिचित कार्य प्रणाली से बेहद प्रतिष्ठित आयाम के साथ लगातार स्थापित होते जा रहे हैं। मुझे लगता है कि निकट भविष्य में देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का और विराट प्रखर स्वरूप देखने को मिलेगा। क्योंकि 76 साल की उम्र में भी 35 के नवयुवक की भाँति अभी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18-18 घंटे लगातार अथक परिश्रम कर रहे हैं। उनका अब तक का सेवा काल अतुलनीय और अनुकरणीय है। लोक हितैषी कार्यों को जनता के बीच निरंतर ले जाए जाने की उनकी योग्यता समूचे देश को पता है। तभी तो देश के सभी लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्य स्वभाव को पूरी तरह आत्मसात करते जा रहे हैं। लेकिन इसी बीच कांग्रेस और विपक्षी दल लगातार जनता को उनके लिए भ्रमित करने की कोशिश भी कर रहे हैं, जिसका मुंहतोड़ जवाब भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर एक माह तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' के दौरान भाजपा केंद्र की मोदी सरकार, छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार और पूर्ववर्ती डॉ. रमन सिंह सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक विकास कार्यों और जन-कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल उपलब्धियां बताना ही नहीं, बल्कि जमीन पर उतरकर जनसेवा करना भी है। अभियान के तहत समाज का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों,पद्मश्री से अलंकृत हस्तियों और उत्कृष्ट सांस्कृतिक कलाकारों का सम्मान भी किया जाएगा। मैं तो भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान करता हूं कि जनसेवा के इस महाअभियान के जरिए भाजपा के जनाधार को और अधिक मजबूत करना है। जनता तक सरकार की हर एक उपलब्धि पहुंचाना है और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को शासन की योजनाओं का पूरा लाभ दिलाना है। मेरी नजर में यही इस सेवा पखवाड़े का मुख्य संकल्प है। देश में विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए 'पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। जिसमें 30,000 करोड़ रुपए से अधिक के इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों को पूरा किया जाएगा। ये सभी कार्य आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी और औद्योगिक प्रगति को गति देंगे। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान' और साइबर क्राइम व 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़ी शिकायतें भी दूर की जाएंगी।

**बृजमोहन अग्रवाल**
रायपुर सांसद और पूर्व कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री मोदी सड़क, बिजली, औद्योगिक कॉरीडोर और मेट्रो रेल क्षेत्रों के विकास पर लगातार जोर दे रहे हैं। उनका मानना है कि बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में देरी न केवल लागत बढ़ाती है, बल्कि लोगों और उद्योगों को समय पर मिलने वाले लाभों से भी वंचित कर देती है। लिहाज़ा वे ऐसी कमियों को सिलसिलेवार दूर करने को प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी साइबर अपराध और डिजिटल गिरफ्तारी से संबंधित शिकायतों पर भी संवेदनशील हैं। उन्होंने नागरिकों को ठगने के लिए डिजिटल मंचों के बढ़ते दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की है।और ऐसे मामलों का सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा समन्वित, संवेदनशील और समयबद्ध तरीके से निपटारा किए जाने के आदेश भी दिए हैं। समूची दुनिया में युद्ध और कलह के इस दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जीडीपी ग्रोथ रेट उच्चतम रखने को कृत संकल्पबद्ध हैं और इसे देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा क़रार देते हैं। साथ ही वैश्विक आर्थिक संकट के बीच लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील भी करते हैं। देश के सामाजिक आर्थिक विकास पर ध्यान रखने के साथ-साथ विश्व के नेताओं के बीच भी अपनी धाक कायम रखने में भी पीएम नरेन्द्र मोदी का कोई सानी नहीं है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अब तक कुल 36 अंतरराष्ट्रीय और वैश्विक सम्मान मिल चुके हैं।

# संकल्प से सिद्धि तकः मोदी की 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा यात्रा

नये भारत के शिल्पकार श्री नरेन्द्र मोदी अपनी अनवरत जनसेवा व राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। यह यात्रा 7 अक्टूबर, 2001 को शुरू हुई थी, जब उन्होंने 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के सफल मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में प्रथम बार शपथ ली। तब से लेकर आज तक उन्होंने ₹जनसेवा से राष्ट्रसेवा के मंत्र को जी कर दिखाया है और उनकी इस यात्रा की गति न धीमी हुई और न रूकी, बल्कि कीर्तिमान स्थापित करते हुये सतत जारी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 सितम्बर, 2026 को अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके जन्म दिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' प्रारंभ करने जा रही है, जब उनके सुशासन के 25 वर्ष पूरे होंगे। 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के मुख्यमंत्री और कमोबेश इतनी ही अवधि के उनके प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल पर दृष्टिपात करें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उन्होंने जनसेवा का कीर्तिमान और प्रतिमान रच दिया।

गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव बड़नगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच लगन, निष्ठा, परिश्रम, त्याग, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्व के अग्रणी शीर्ष नेताओं में शुमार हो चुके हैं। श्री नरेन्द्र मोदी को 36 देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया है। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसी उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने किशोरावस्था में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रुके।

उन्होंने दशकों से लंबित फैसलों को पूरा किया - चाहे धारा 370 की समाप्ति हो, भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो या सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा हो। विज्ञान के क्षेत्र में चंद्रयान-3 की सफलता से लेकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनके हर कदम ने भारत को सशक्त बनाया है। स्वच्छ भारत से जल जीवन मिशन तक, उज्जवला योजना से आयुष्मान भारत तक, किसान सम्मान निधि से लखपति दीदियों की आत्मनिर्भरता तक - हर योजना का एक ही ध्येय रहा है कि सबका जीवन बेहतर हो, भारत समर्थ बने। ये 25 वर्ष सिर्फ सत्ता के नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के विश्वास और एक दूरदर्शी नेता के तप, त्याग और नेतृत्व की गाथा है।

**सुरेश पचौरी**
पूर्व केंद्रीय मंत्री

प्रधानमंत्री के रूप में विगत लगभग साढ़े बारह वर्षों के दौरान मोदी जी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में प्रगति की रफ्तार दिन-ब-दिन बढ़ती नज़र आ रही है। आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार आया, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी देश पाकिस्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें अपने सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है। उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्व के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारी जीडीपी वृद्धि दर भी 7.8% है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है। प्रधानमंत्री ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा 'आम आदमी' को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की गई। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिससे लगभग 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं।

## OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, PUBLIC WORKS DEPARTMENT, (E/M) CIRCLE, BILASPUR (C.G.)

**e-Procurement Tender Notice**

**Portal: http://eproc.cgstate.gov.in**

Online Tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W.D. in new Registraton System (Unified Registration System) for the following work:-

| NIT No. | Name of Work | Probable Amount of Contract |
|---|---|---|
| 65/G/E-Tendering/2026 1st Call System Tender No. Registered in "D" and Above class in new registration system "Unified Registration System-(e-Registration)" with C.G. P.W.D. or registered in appropriate class in central Govt./Public Sector under taking/State Govt. of any state in India Form "B" (Item Rate Basis) | Annual Operation And Maintenance Contract For Runway Light, Taxiway Light, SAPL Light, PAPI, Beacon Light, WDI ,LDI, Perimeter Light, Watch DVOR Tower, ATC Tower in Fire Section & CCR Penel at Chakarbhatha Terminal Buildiing, Car Parking, Packege/Split A.C., Internal & External Electrical Installation Including Panels & DG Set at Chakarbhatha Airport Bilaspur (C.G) | 73.59 |

Date of Bid Submission will be 25.09.2026.

The Tender documents can be downloaded from the web-portal http://eproc.cgstate.gov.in only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document const online

**Superintending Engineer**
**P.W.D. (E/M) Circle Bilaspur (C.G.)**

**G. 262703295/1**

---

## कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग, कोण्डागांव (छ0ग0)

**Email- eenhkgn01@gmail.com**

ज्ञापन क्र. 1853 / व.ले.लि/2026-27 कोण्डागांव, दिनांक: 11/09/2026

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| क्र. | नि.आ.सू.क्र. एवं दिनांक | सिस्टम आई.डी. क्र. | कार्य का नाम |
|---|---|---|---|
| 1 | 01/EE/NH/SAC /2026-27 | 2026_MoRTH _925939_1 | Construction of RCC covered Drain from KM 167.000 to KM 170.400 (3.40 Km Length) and Reconstruction of Existing Culverts at Km 167.400, Km 168.400, Km 168.600, Km 169.000, Km 169.400, Km 169.600 & Km 170.400 (07 No Culvert) on NH-30 at Keshkal City Portion in the State of Chhattisgarh. |

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 26.10.2026 सुबह 11:00 बजे तक है।

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरेहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRT&H) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाउनलोड की जा सकती है।

**कार्यपालन अभियंता**
**लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग कोण्डागांव**

**जी. 262703293/2**

---

## सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया सुनवाई का दायरा

# वन की परिभाषा, 2023 के कानून की वैधता पर ही होगी सुनवाई

वन की परिभाषा को लेकर 2023 में किए गए बदलाव पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई का दायरा साफ कर दिया। अदालत ने कहा कि वह फिलहाल 2023 के वन संरक्षण संशोधन कानून में 'वन' की परिभाषा की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाले मामले तक ही सीमित रहेगी। वहीं किसी खास जमीन के वन होने या न होने से जुड़े विवादों की सुनवाई हाईकोर्ट करेंगे। अदालत ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेषज्ञ समिति बनाने का निर्देश भी दिया है, जिन्होंने अभी तक ऐसी समिति गठित नहीं की है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सेवानिवृत्त वन अधिकारी अशोक शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल हैं। सेवानिवृत्त वन अधिकारी अशोक शर्मा ने 2023 के कानून में वन की परिभाषा को चुनौती दी है। उनका कहना है कि नई परिभाषा से 1996 में टीएन गोदावर्मन मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय वन की समझ कमजोर हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह 1996 में दिए गए अपने फैसले में वन की परिभाषा को आधार बनाकर यह देखेगा कि संसद की ओर से तय नई परिभाषा में कोई विरोधाभास है या नहीं।

**खास बातें**

- खास जमीन के वन होने या न होने से जुड़े विवादों की सुनवाई करेंगे हाईकोर्ट
- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेषज्ञ पैनल गठित करने का निर्देश

### 1996 के फैसले से नई परिभाषा का संबंध

याचिकाकर्ताओं ने अदालत में दलील दी कि 1996 के टीएन गोदावर्मन फैसले के अनुसार 'वन' को उसके सामान्य या शब्दकोशीय अर्थ में समझा जाना चाहिए। उनका कहना है कि 2023 के बदलाव के बाद वन संरक्षण कानून में ऐसी जमीनों के बाहर होने की स्थिति बन सकती है जो वास्तव में वन जैसी हैं, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में वन के रूप में दर्ज नहीं हैं। याचिकाकर्ताओं ने आशंका जताई कि उजड़े हुए वन और निजी वन जैसी जमीनों को दूसरे कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है और इससे कुल वन क्षेत्र प्रभावित हो सकता है।

---

## छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

**(छ.ग. शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.मं. की उत्तरवर्ती कंपनी) सी.आई.एन. - U40108 CT2003 SGC015822**
**कार्या. - कार्यपालन अभियंता (नगर) संभाग-दो, पश्चिम, बिलासपुर (छ.ग.)**
**दूरभाष क्रमांक 07752-427091 वेबसाईट: www.cspdcl.co.in टेलीफोन नं. 07752-427091**

क्रमांक / का.अ./ न.सं.प./साम./2197 बिलासपुर, दिनांक 16.09.2026

### बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निर्माण कार्य एवं रख-रखाव का कार्य किये जाने हेतु तालिका में दर्शाए गये क्षेत्रों में विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, आवश्यकतानुसार समयावधि घटाया / बढ़ाया जा सकता है।

| क्र. | समय | दिनांक/ दिन | उपकेन्द्र | फीडर | प्रभावित क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | सुबह 10.00 से 02.00 बजे | 19.09.2026 शनिवार | 33/11 के.व्ही. इंदिरा विहार उपकेंद्र | 11 के.व्ही. नूतन चौक फीडर<br>11 के.व्ही. इंदिरा विहार फीडर | महामाया चौक, माता चौरा, नूतन कालोनी, जज कालोनी, एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 के.व्ही. बंधवापारा फीडर | बंधवा पारा, शिवम होम्स, ड्रीम लैण्ड, स्कूल, सांई रेसिडेंसी ईमलीभाठा एवं आसपास का क्षेत्र। |
| 2 | सुबह 10.00 से 02.00 बजे | 22.09.2026 मंगलवार | 33/11 के.व्ही. एस. बी. आर. उपकेंद्र | 11 के.व्ही. रिंग रोड नं. 2 फीडर | महिमा विहार, गीतांजलि इनक्लेव, पारिजात कैसल, पन्ना नगर, बाबजी पार्क, स्वर्ण जयंती नगर, पत्रकार कॉलोनी, चंदेला नगर एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 के.व्ही. ओम नगर फीडर | जरहाभांठा, ओम नगर, जतिया तालाब एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 के.व्ही. भारतीय नगर फीडर | नगर निगम कॉलोनी, अज्ञेय नगर, भारतीय नगर, एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 के.व्ही. मगर पारा फीडर | मगर पारा, कुम्हार पारा, राजीव गांधी चौक, ग्रीन गार्डन, ग्रीन पार्क कालोनी एवं आसपास का क्षेत्र। |
| 3 | सुबह 10.00 से 02.00 बजे | 24.09.2026 गुरूवार | 33/11 के.व्ही. चांटीडीह उपकेंद्र | 11 के.व्ही. सरकण्डा फीडर | सरस्वती शिशु मंदिर, जोरा तालाब, जिला अस्पताल, सीपत चौक, बंगालीपारा, एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 के.व्ही. मोपका फीडर | विजय पुरम, सोन गंगा कालोनी, देवनंदन नगर फेस फेस-2, कंचना, इंद्रप्रस्थ कालोनी कंचन विहार एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 के.व्ही. जबड़ापारा फीडर | जबड़ापारा एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 के.व्ही. टी.व्ही. फीडर | राजस्व कालोनी, त्रिवेणी नगर, मुक्तिधाम चौक, गुरूविहार, पाठक बगीचा एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 के.व्ही. चांटीडीह फीडर | रामायण चौक, ईरानी मोहल्ला, जबड़ा नाला, पठान मोहल्ला, संजय अपार्टमेंट, रिनीजनेस्ट होटल एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 के.व्ही. रामाग्रीन फीडर | रामाग्रीन कालोनी एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 हर्ष किंग्डम फीडर | हर्ष किंग्डम कालोनी एवं आसपास का क्षेत्र |
| 4 | सुबह 10.00 से 02.00 बजे | 26.09.2026 शनिवार | 33/11 के.व्ही. यूनिवर्सिटी उपकेन्द्र | 11 के.व्ही. बिरकोना (U) फीडर | बडी कोनी, पेट्रोल पंप, गणेश इन्क्लेव, कंचन विहार, छोटी कोनी,, एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 के.व्ही. कोनी फीडर | रामायण नगर, रिवरव्यू कॉलोनी, थाना कोनी, कंट्री क्लब, आई.टी. आई. कालेज, शासकीय इंजीनियरिंग कालेज एवं आसपास का क्षेत्र। |
| | | | | 11 कके.व्ही. यूनिवर्सिटी फीडर | गुरूघासीदास यूनिवर्सिटी का सुपूर्ण क्षेत्र। |

*"विद्युत संबंधित शिकायतें केंद्रीकृत कॉल सेंटर के फोन नं. 1912 पर दर्ज करावें।"*
*"विद्युत देयक का भुगतान नियमित करें।" "असुविधा के लिये खेद है।"*

**संवाद- 48943**

**कार्यपालन अभियंता (न.सं.- दो) पश्चिम**
**छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि., बिलासपुर**

---

## कार्यालय नगर पंचायत बरेला, जिला मुंगेली (छ.ग.)

### ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. 674/लो.नि./न.पं./2026-27 बरेला, दिनांक 19.09.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

| सिस्टम टेंडर नंबर | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रू. लाख में) | Bid Due Date |
|---|---|---|---|
| 199546 | वार्ड क्र. 03 मुक्तिधाम उन्नयन कार्य नगर पंचायत बरेला फेस 1 | 11.303 | 09.10.2026 |

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल **http://eproc.cgstate.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती है।

*स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।*

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी**
**नगर पंचायत बरेला**

---

## "दानवीर भामाशाह सम्मान" वर्ष 2026 हेतु प्रविष्टि का आमंत्रण

छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष राज्योत्सव के अवसर पर दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सहायता प्रदान करने वाले उत्कृष्ट व्यक्ति/संस्था को "दानवीर भामाशाह सम्मान" प्रदान किया जाता है।

1. सम्मान का स्वरूप :- पुरस्कार में राशि रूपये 1.00 लाख नगद एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा।

2. चयन के लिए मापदण्ड :-

1. आवेदनकर्ता/संस्था छत्तीसगढ़ के निवासी/छत्तीसगढ़ में कार्यरत होना चाहिए।

2. छत्तीसगढ़ में सभी वर्गों में दानशीलता एवं राष्ट्रप्रेम तथा उनके उत्थान के क्षेत्र में दीर्घकाल से संलग्न प्रदेश के ऐसी स्वैच्छिक संस्था अथवा व्यक्ति का चयन किया जायेगा जिसका पिछला कार्य उत्कृष्ट रहा है और जो वर्तमान में भी उस क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है।

3. व्यक्ति/संस्था के योगदान का संबंधित कार्य क्षेत्र में व्यापक प्रभाव परिलक्षित होना चाहिए। परम्परागत तौर तरीको से अलग हटकर नवाचार अर्थात नई पद्धति नये क्षेत्र को किस सीमा तक और कितनी सघनता से अपनाया गया है, यह स्पष्ट परिलक्षित होना चाहिए।

4. ऐसी संस्था अथवा व्यक्ति की प्रविष्टि पर विचार नहीं होगा, जिसका कोई पदाधिकारी उस वर्ष के पुरस्कार की जूरी का सदस्य हो।

5. सामाजिक कार्य करने एवं उसके उत्थान के लिए पूर्व में काई अन्य पुरस्कार प्राप्त संस्था/व्यक्ति भी इस पुरस्कार के लिए पात्र होगा बशर्ते ऐसी संस्था/व्यक्ति समस्त अर्हताओं की पूर्ति करते हो।

6. पुरस्कार के लिए व्यक्ति/संस्था के भूतकालिक एवं वर्तमान दोनों प्रकार के कार्य का आंकलन होगा।

7. व्यक्ति/संस्था को इस बात का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत होने पर कि उसने दानशीलता एवं राष्ट्रीयता के क्षेत्र में दीर्घकालीन कार्य किया है और वह इस दिशा में अब भी सक्रिय है अर्थात पुरस्कार केवल भूतकालिक कार्य के आधार पर नहीं मिलेगा उसके लिए कार्य की परिमाणमूलक निरंतरता आवश्यक है।

8. शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्थाएं अथवा इनमें कार्यरत शासकीय/अर्द्धशासकीय सेवक सम्मान के लिए पात्र नहीं होगे।

9. जूरी अथवा उसके किसी अधिकृत सदस्य अथवा व्यक्ति द्वारा संस्था/व्यक्ति की समस्त गतिविधियों का प्रत्यक्ष आंकलन किया जा सकेगा जिसकी लिखित सहमति संबंधित व्यक्ति/संस्था को देनी होंगी।

10. सर्वथा निर्विवाद एवं समुचित प्रमाणों में परिपुष्ट उत्थान कार्य पर ही जूरी द्वारा विचार होगा। व्यक्ति/संस्था के निर्विवाद होने के बारे में जिला अध्यक्ष की अनुशंसा के साथ-साथ जूरी द्वारा स्वविवेक से निर्णय लिया जावेगा।

3. चयन की प्रक्रिया :-

1. निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियाँ विचार के लिए मान्य नहीं होगी।

2. प्रविष्टि/जानकारी राज्य शासन के निम्नांकित अपेक्षाओं की पूर्ति करते हुए जिला कलेक्टर को प्रस्तुत की जायेगी :-

3.1 व्यक्ति/संस्था का पूर्ण परिचय।

3.2 दानशीलता एवं राष्ट्रीयता के क्षेत्र में किये गये कार्यों की विस्तृत जानकारी।

3.3 यदि कोई अन्य पुरस्कार प्राप्त किया गया हो तो उसका विवरण।

3.4 उत्कृष्ट कार्य के विषय में कोई प्रतिवेदन प्रकाशित हुआ हो तो उसका विवरण एवं प्रकाशित प्रतिवेदन की एक-एक छायाप्रति।

3.5 दानशीलता एवं राष्ट्रीयता के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्य से संबंधित प्रख्यात व्यक्तियों एवं पत्र-पत्रिकाओं आदि द्वारा की गई टिप्पणियों की फोटोप्रतियाँ / सत्यप्रतियाँ।

3.6 संस्था/व्यक्ति के निरंतर क्रियाशील एवं निर्विवाद होने के बारे में जिलाध्यक्ष की अनुशंसा।

3.7 चयन होने की दशा में पुरस्कार ग्रहण करने के बारे में व्यक्ति/संस्था की लिखित सहमति

3.8 एक बार चयन नहीं, होने का अभिप्राय यह नही होगा कि संबंधित व्यक्ति/संस्था का कार्य पुरस्कार योग्य नहीं हैं। निर्धारित मापदण्डों की पूर्ति करने वाले व्यक्ति/संस्था पश्चातवर्ती वर्षो में पुनः प्रविष्टि प्रस्तुत कर सकेगे।

3.9 प्रविष्टि में अन्तर्निहित तथ्यों/जानकारी के अलावा अन्य पश्चातवर्ती पत्र-व्यवहार करने पर पुरस्कार के संबंध में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

3.10 प्रविष्टि में दिये गये तथ्यों/निष्कर्षो/प्रमाणों का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व प्रविष्टि प्रस्तुतकर्ता का रहेगा। इस मामले में राज्य शासन किसी भी विवाद में पक्ष नहीं माना जावेगा। राज्य शासन/जूरी/ कलेक्टर को यह अधिकार होगा कि जहाँ वह आवश्यक समझे अपने सूत्रों से दिये गये तथ्यों/निष्कर्षो/प्रमाणों के संबंध में पुष्टि कर सकेगा।

3.11 जिला कलेक्टर द्वारा प्राप्त प्रविष्टियों के परीक्षण उपरान्त जिले से सर्वोकृष्ट 2 प्रविष्टियों राज्य स्तर पर अनुशंसा कर भेजी जावेगी।

3.12 पुरस्कार ग्रहण करने की लिखित सहमति एवं पासपोर्ट साइज में 03 फोटोग्राफ।

3.13 कलेक्टर द्वारा प्राप्त प्रस्ताव पर निर्णायक मंडल द्वारा निर्णय लिया जावेगा जो अंतिम और बाध्य भी होगा।

4. प्रविष्टियां भेजने की समय अवधि एवं स्थान: व्यक्ति/संस्था द्वारा प्रस्ताव दिनांक 25 सितम्बर 2026 तक संबंधित जिले के संयुक्त/उप/सहायक संचालक, जिला कार्यालय समाज कल्याण (छत्तीसगढ़) को प्रस्तुत किया जा सकता है।

**उप संचालक**
**समाज कल्याण संचालनालय**
**छत्तीसगढ़, रायपुर**

**जी. 262703317/2**

---

### एआई बढ़ा सकता है असमानता : गेट्स

**न्यूयॉर्क।** माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने प्रौद्योगिकी कंपनियों और विश्व नेताओं से यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सामाजिक असमानताओं को कम करने का माध्यम बने, न कि उन्हें और गहरा करे। गेट्स फाउंडेशन ने एआई तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक अरब डॉलर देने की घोषणा की है। गेट्स ने यह अपील गेट्स फाउंडेशन की वार्षिक 'गोलकीपर्स' रिपोर्ट में की। यह रिपोर्ट 2030 तक जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा तय विकास लक्ष्यों की प्रगति पर नजर रखती है।

---

**सुप्रीम कोर्ट का जाह्नवी-खुशी को नोटिस**

## श्रीदेवी की करोड़ों की प्रॉपर्टी पर किसका हक?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बॉलीवुड की मशहूर और दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, चेन्नई में उनकी एक संपत्ति को लेकर काफी समय से कानूनी विवाद चल रहा है। अब यह पूरा मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में देश की सर्वोच्च अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए फिल्म मेकर बोनी कपूर और उनकी दोनों बेटियों जाह्नवी और खुशी कपूर को नोटिस थमा दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने साफ तौर पर आदेश दिया है कि फिलहाल संपत्ति की जो मौजूदा स्थिति है, उसमें कोई बदलाव न किया जाए यानी 'यथास्थिति' बरकरार रखी जाए। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पिल्लई की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। अदालत ने चेन्नई के ईस्ट कोस्ट रोड इलाके में मौजूद श्रीदेवी की इस अचल संपत्ति को लेकर दोनों पक्षों को सख्त निर्देश दिए हैं।

---

## दक्षिणी सूडान में सोने की खदान ढही, 67 की मौत

**खार्तूम।** अफ्रीकी देश सूडान से एक बड़े और दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। देश के एक सुदूरवर्ती इलाके में सोने की खदान ढहने से कम से कम 67 खनिकों की जान चली गई। हादसे के बाद से कई मजदूर मलबे में दबे हुए हैं, जिनकी तलाश के लिए राहत और बचाव कार्य लगातार चलाया जा रहा है। घटना वेस्ट कोर्डोफान प्रांत के नूहूद शहर के पास स्थित अल-जारा सोने की खदान की है। स्थानीय चिकित्सकों के एक समूह और हादसे में बाल-बाल बचे लोगों ने बुधवार को इस घटना की पुष्टि की। खदान ढहने का यह खौफनाक हादसा मंगलवार देर रात हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों और बचे हुए खनिकों के मुताबिक, हादसे के वक्त खदान के भीतर छोटे स्तर पर काम करने वाले कई मजदूर मौजूद थे। अचानक खदान की ऊपरी मिट्टी और चट्टानें धंसने से लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका।

---

## कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि/यां.) संभाग बिलासपुर (छ.ग.)

### निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-4841/NIT-11/2026-2027/ व ले लि दिनांक : 15/09/2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 24.09.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 07.10.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 08.10.2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे से, कार्य की अवधि :- 31.03.2027 वर्षा ऋतु सहित
निविदाकारों की श्रेणी :- ई पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी "द" से "अ" तक

| एनआईटी क्र. / निविदा क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख में) | निविदा प्रपत्र की कीमत (रू. में) | अमानत राशि (रू. में) |
|---|---|---|---|---|
| 11 T0157 | बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई के एचव्हीएसी चिलर प्लांट नंबर 1 से 3 में पाईप लाईन, डक्टींग, इंशुलेशन, एयर ग्रिल एंव अन्य एसेसरीज लगाने का कार्य (Excluding GST) | 10.00 | 750.00 | 7500.00 |
| 11 T0158 | उपसंभाग बिलासपुर के सीपत सेक्शन अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में विद्युतीकरण कार्य (Excluding GST) | 6.00 | 750.00 | 4500.00 |
| 11 T0159 | उपसंभाग बिलासपुर के छत्तीसगढ़ भवन सेक्शन बिलासपुर अंतर्गत आवासीय भवनों में विद्युतीकरण का मरम्मत कार्य भाग-1 (Excluding GST) | 9.00 | 750.00 | 6750.00 |
| 11 T0160 | वि/यां. उपसंभाग बिलासपुर अंतर्गत लोनिवि भ/स संभाग क-2 बिलासपुर के गैर आवासीय भवनों में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST) | 7.00 | 750.00 | 5250.00 |
| 11 T0161 | वि/यां. उपसंभाग बिलासपुर के मस्तुरी सेक्शन अंतर्गत रेस्ट हाउस एवं गैर आवासीय भवनों में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST) | 6.55 | 750.00 | 4913.00 |
| 11 T0162 | पेण्ड्रा ब्लॉक, जिला जी.पी.एम. के गैर-आवासीय भवनों में वार्षिक विद्युतीकरण मरम्मत का कार्य। भाग-1 (Excluding GST) | 10.00 | 750.00 | 7500.00 |
| 11 T0163 | पेण्ड्रा ब्लॉक, जिला जी.पी.एम. के गैर आवासीय भवनों में वार्षिक विद्युतीकरण मरम्मत का कार्य। भाग-2 (Excluding GST) | 8.26 | 750.00 | 6195.00 |
| 11 T0164 | हाईकोर्ट उपसंभाग बिलासपुर के अंतर्गत सिविल लाईन बिलासपुर, तिफरा, सिरगिट्टी, बोदरी और चकरभाठा के आवासीय भवनों में विद्युतीकरण कार्य का वार्षिक संधारण कार्य। (Excluding GST) | 7.00 | 750.00 | 5250.00 |
| 11 T0165 | हाईकोर्ट उपसंभाग बिलासपुर के अंतर्गत बिल्हा क्षेत्र के आवासीय भवनों में विद्युतीकरण कार्य का वार्षिक संधारण कार्य। (Excluding GST) | 6.00 | 750.00 | 4500.00 |
| 11 T0166 | हाईकोर्ट उपसंभाग बिलासपुर के अंतर्गत जिला न्यायालय तथा अन्य न्यायालय भवनों के विद्युतीकरण कार्य का वार्षिक संधारण कार्य। (Excluding GST) | 7.00 | 750.00 | 5250.00 |
| 11 T0167 | हाईकोर्ट उपसंभाग बिलासपुर के अंतर्गत जिला न्यायालय, पुराना कुटुम्ब न्यायालय तथा ए.डी.आर. भवन के विद्युतीकरण कार्य का वार्षिक संधारण कार्य। (Excluding GST) | 7.00 | 750.00 | 5250.00 |
| 11 T0168 | उपसंभाग जाजगीर अंतर्गत पामगढ़ ब्लाक पामगढ़ जिला जांजगीर-चांपा के व्यवहार न्यायलय परिसर में महिला एवं पुरुषो के प्रशाधन भवन में विद्युतीकरण कार्य | 0.62 | 300.00 | 1240.00 |
| 11 T0169 | उपसंभाग जाजगीर अंतर्गत अकलतरा ब्लाक अकलतरा जिला जांजगीर-चांपा के व्यवहार न्यायलय परिसर में महिला एवं पुरूषों के प्रशाधन भवन में विद्युतीकरण कार्य | 0.89 | 300.00 | 1780.00 |
| 11 T0170 | उपसंभाग जाजगीर अंतर्गत ब्लाक बलौदा, नवागढ़, अकलतरा एवं पामगढ़ जिला जांजगीर-चांपा के गैर आवासीय भवन में विद्युतीकरण एवं सबमर्सिबल पंप का मरम्मत कार्य (Excluding GST) | 9.50 | 750.00 | 7125.00 |
| 11 T0171 | वि/यां. उपसंभाग मुंगेली अंतर्गत लोरमी सेक्शन के गैर आवासीय भवनों में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST) | 10.00 | 750.00 | 7500.00 |
| 11 T0172 | वि/यां. उपसंभाग मुंगेली के मुंगेली एवं पथरिया सेक्शन अंतर्गत सर्किट हाउस एवं रेस्ट हाउस भवनों में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST) | 10.00 | 750.00 | 7500.00 |
| 11 T0173 | वि/यां. उपसंभाग मुंगेली के मुंगेली एवं पथरिया सेक्शन अंतर्गत आवासीय भवनों में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST) | 9.00 | 750.00 | 6750.00 |
| 11 T0174 | वि/यां. उपसंभाग मुंगेली के लोरमी सेक्शन अंतर्गत आवासीय भवनों में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST) | 9.00 | 750.00 | 6750.00 |

नोट :- 1. निविदा आमंत्रण में दर्शाये गये कार्य अनुसार पृथक-पृथक कार्य हेतु अमानत राशि पृथक प्रस्तुत करना होगा। 2. निविदा फार्म का लिफाफा 2 एवं अमानत राशि हेतु लिफाफा-3 को एक बडे लिफाफा 1 के अंदर निविदा सूचना क्रमांक एवं ग्रुप कमांक डाल कर पंजीकृत डाक से प्रस्तुत करना होगा। अलग अलग कार्य हेतु अलग अलग लिफाफा प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा निविदा खोली नहीं जावेगी। 3. निविदा फार्म के साथ अमानत राशि (टी.डी.आर. / एफ.डी.आर) के लिफाफा के अंदर 100/- का शपथ पत्र डालना अनिवार्य है। 4. आवेदन के जीएसटी नंबर संलग्न करना अनिवार्य है। 5. वित्तीय वर्ष 2025-26 का जीएसटी रिर्टन की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 6. विगत 03 वर्षो का आयकर रिर्टन की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 7. ईपीएफ नंबर की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

**कार्यपालन अभियंता**
**लोक निर्माण विभाग (वि/ यां.) संभाग बिलासपुर (छ.ग.)**

**जी. 262703311/3**

---

Acne Clear Cream
Since 1954
DR. SAHEB

पूर्णतः आयुर्वेदिक, स्वदेशी एवं ईमानदार क्रीम याने
मुंहासों के लिए वरदान

CLINICALLY TESTED

कॉलेजियन® क्रीम

60 सालों से युवाओं की स्किन केयर, 12 गुणों का विशाल भंडार

MRP ₹~~124/-~~
Now ₹99/- Only.
(20 g)

केवल 99 रु. में
हमारा चेलेंज है...
कि पूरी दुनिया में कोई भी इतनी कम कीमत में 12 गुणों वाला इतना विश्वसनीय क्रीम नहीं दे सकता है सो आप एक बार अवश्य वापर कर विश्वास करें.

AN ISO 9001 : 2008 Certified Company

NO SIDE EFFECTS

मुहाँसे, काले घेरे, स्ट्रेचमार्क्स, एड़ियों का फटना, ताजे जख्म, काले दाग, HD ग्लो

WOW! पार्लर जैसा GLOW... रोज़ाना

Ayurvedic Multipurpose

अगर आप चाहते हैं खूबसूरत चेहरा तो आप आज ही केवल एक ट्यूब कॉलेजियन क्रीम ले आएं, फिर देखें कि कुछ ही दिनों में आपके चेहरे पर निखार एवं खूबसूरती। दुनिया भर की देशी या विदेशी कंपनियों की कई क्रीम या फेशियल के कई साधन वापरें या फिर केवल एक ट्यूब कॉलेजियन क्रीम वापरें।

शादी के पहले केवल तीन माह तक कॉलेजियन क्रीम का उपयोग लगातार करें और अपने अंदर एक नया खुबसूरत बदलाव देंखे। स्वयं ही परिणाम देखें आप फिदा हो जाएंगे।

केवल ट्यूब ही लें

आप अपने परिवार के लिये केवल 1 ट्यूब कॉलेजियन क्रीम की अवश्य ले जायें। क्योंकि ऐसी चीजें बनाई नहीं जाती है बल्कि वरदान के रूप में बन जाती है।

Available at amazon.in Flipkart

www.collegiancream.com
Email : collegiancream777@gmail.com

Bliss for Acne Prone Skin
Best Skin Care Partner

CUSTOMER CARE
9926054001

सर्दियों में त्वचा को कोमल बनाकर ग्लो बढाएं।
An all purpose, all season cream for all ages with proven results (Men, Women & New Born)

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में एजेन्सी देना है
केवल होलसेल मेडिकल डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए
संपर्क - 78708 33333

कृपया ध्यान दें: कंपनी का केवल ट्यूब में ही आता है। सभी मेडिकल/ जनरल स्टोर्स पर उपलब्ध है।
नकल या मिलता-जुलता नाम प्रिंट करना/करवाना/बेचना/खरीदना अपराध है। सजा निश्चित होगी।

# जीएसटी में बड़ा आदेश, 42 निरीक्षकों की नियुक्ति रद्द

## पदोन्नत होकर बने थे निरीक्षक अब वापस लिपिक बनाए गए

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य कर जीएसटी विभाग में वर्ष 2021 और 2022 में सीमित विभागीय भर्ती परीक्षा के माध्यम से नियमों को ताक पर रखकर बनाए गए 42 वाणिज्यिक कर निरीक्षकों की नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। राज्यकर आयुक्त पुष्पेंद्र कुमार मीणा द्वारा जारी आदेश के तहत इन सभी 42 कर्मचारियों को उनके मूल पद (लिपिक) पर पदावनत कर दिया गया है। इसके साथ ही संभावित न्यायालयीन प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए विभाग ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में कैविएट भी दायर कर दिया है। खास बात ये है कि यह मामला धरसींवा के भाजपा विधायक अनुज शर्मा ने विधानसभा में प्रमुखता से उठाया था।

**42 जीएसटी निरीक्षक, जिनकी भर्ती हुई निरस्त**

आकाश त्रिपाठी, दिव्य प्रकाश वर्मा, भरत लाल साहू, ओम नारायण बघेल, संतु राम सलाम, नीरज श्रीवास्तव, अमित हुमने, भूषण कुर्रे, तोमन लाल भुआर्या, यज्ञेश दीवान, पुष्पेंद्र करश, विधान रंजन कुल्लू, युगल किशोर साहू, मलिक राम बांधे, लाल साय राम, गो शिवेंद्र टांडे, सत्य नारायण नेताम, मोनिका दीवान, जितेंद्र नेताम, दुरूपरसाय मांझी, अनिल कुमार जांगड़े(सभी 2021 की भर्ती) 2022 भर्ती वालों में सुरेश कुमार गुप्ता, प्रभात चन्द्र तिवारी, अजय कौशिक, हितेश कुमार दुबे, दीपा उधवानी, रितु सोनकर, दीपेश कुमार साहू, गायत्री सिन्हा, गजेंद्र कुमार तिवारी, ओम प्रकाश साहू, मनीष चेलक, ताम्रध्वज साहू, नंदनी साहू, दीपक तुरियाकर, अमर सिंह कंवर, उदयराम ध्रुव, रमेश कुमार धृतलहरे, दीप्ति मरकाम, चंद्रकांत ठाकुर, दीपक कुजूर, राकेश कुमार मिंज के नाम शामिल हैं।

### विस में उठा था मामला

भाजपा विधायक अनुज शर्मा ने विधानसभा में यह मामला इस तरह उठाया था। बजट सत्र (तारांकित प्रश्न क्रमांक 829): विधायक अनुज शर्मा ने सबसे पहले बजट सत्र में तारांकित प्रश्न के माध्यम से इस नियम विरुद्ध पदोन्नति के मामले को उठाकर विभाग की कमियां उजागर कीं। इसके बाद 10 मार्च (ध्यानाकर्षण प्रस्ताव द्वारा घोषणा): इसके बाद उन्होंने 10 मार्च.2025 को विधानसभा में ध्यानाकर्षण के माध्यम से प्रमुखता से सदन के पटल पर रखा। सदन में चौतरफा घिरने के बाद विभागीय मंत्री ने मामले की उच्च स्तरीय जाँच कराकर कड़ी कार्रवाई करने की आधिकारिक घोषणा की। उसके बाद जांच में गड़बड़ी मिलने पर यह फैसला लिया गया।

## इग्नू ने फिर बढ़ाई आवेदन तिथि, अब 30 तक प्रवेश

**रायपुर।** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई-2026 सत्र में नए दाखिले और दोबारा पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी है। इग्नू के अधिकृत अध्ययन केंद्र पर ओडीएल और ऑनलाइन, दोनों माध्यमों से प्रवेश प्रक्रिया जारी है। किसी संस्थान में प्रवेश न पाने वाले विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं। प्रबंधन के अनुसार, इग्नू में विद्यार्थियों की रुचि और योग्यता के अनुसार विभिन्न स्नातक और परास्नातक कार्यक्रम उपलब्ध हैं।

सबसे कम कीमत पर
Handmade Jewellery
2.99%*
Making Charges
anand®
Gold
Pandri

# एयरपोर्ट में 13 दिनी यात्री सेवा अभियान आज से सांस्कृतिक आयोजन के साथ सुविधाओं का विस्तार भी

## सफर को आसान बनाने यात्रियों से सुझाव, स्वास्थ्य जांच के लिए शिविर भी

## कला संस्कृति पर्यटन से परिचित कराने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में गुरुवार 7 अक्टूबर से 13 दिनी यात्री सेवा अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान विमानतल में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सुविधाओं में विस्तार के लिए यात्रियों से फीडबैक लिया जाएगा। इस अवधि में विमानतल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर कर्मचारियों सहित अन्य लोगों की जांच की जाएगी।

एयरपोर्ट के प्रभारी निदेशक केके लहरे ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा "यात्री सेवा अभियान–2026" का आयोजन 17 सितंबर से 10 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित, स्वच्छ, सुगम और मुस्कान के साथ सेवा प्रदान करना है। इस अभियान के दौरान रायपुर विमानतल में विभिन्न आयोजन किया जाएगा। अभियान के दौरान प्रत्येक महत्वपूर्ण चरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसमें स्वच्छता, पार्किंग एवं कनेक्टिविटी, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुगम सुविधाएँ, बेहतर साइनेज एवं यात्री सूचना, बैगेज सुविधा, पेयजल, डिजिटल सेवाएँ तथा हेल्पडेस्क को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि इस दौरान महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और पहली बार हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों को आवश्यक सहायता सहज रूप से उपलब्ध हो। इसके अलावा एयरसेवा, फीडबैक क्यूआर और प्रत्यक्ष रूप से यात्रियों से संवाद तक सेवाओं के विस्तार तथा बदलाव के लिए सुझाव लेकर उनमें आवश्यक और त्वरित कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान विमानतल परिसर में यात्रियों को छत्तीसगढ़ की स्थानीय कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और पर्यटन से परिचित कराने के लिए भी गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

### सुझाव का आंकलन भी होगा

प्रभारी एपीडी ने बताया कि इस अवधि में यात्रियों से मिलने वाले सुझाव, गिनाई गई कमियां और पॉजिटिव रिस्पांस का आंकलन किया जाएगा। आने वाले सुझाव के आधार पर विमानतल की व्यवस्था में बदलाव भी किया जाएगा। एयरपोर्ट टर्मिनल में यात्रियों की भीड़ और सुंदरता के लिए आने वाले दिनों में विभिन्न कार्यों को भी पूरा किया जाना है। इसमें एरावल गेट के समक्ष पोर्च का विस्तार शामिल है।

# अंबिकापुर मेडिकल कालेज के डीन के तबादला आदेश पर रोक

**बिलासपुर।** हाईकोर्ट ने मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर के डीन के स्थानांतरण आदेश पर रोक लगा दी है। मेडिकल कॉलेज में पदस्थ डीन डॉक्टर अविनाश मेश्राम का स्थानांतरण 3 सितंबर 2026 को मेडिकल कालेज दुर्ग कर दिया गया था।इसके खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने शासन को नोटिस भी जारी किया।

प्रकरण के अनुसार डॉक्टर अविनाश मेश्राम को 2 नवंबर को प्रमोशन देते हुए संचालक-सह-प्राध्यापक से अधिष्ठाता बनाया गया। 17 अक्टूबर 2024 को इनकी पदस्थापना अधिष्ठाता के पद पर अंबिकापुर में की गयी। 3 सितंबर 2026 को इनका स्थानांतरण अंबिकापुर से दुर्ग मेडिकल कालेज में प्राध्यापक- सह-संचालक के पद पर किया गया। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका एडवेकोट मतीन सिद्दीकी, अपूर्वा पांडे और नरेंद्र मेहेर के माध्यम से पेश की गई।

जस्टिस विभु दत्त गुरु की कोर्ट में हुई सुनवाई में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि मेडिकल कालेज अंबिकापुर में याचिकाकर्ता के स्थान पर डॉक्टर आर.सी. आर्या की पदस्थापन की गई है, जो की याचिकाकर्ता से जूनियर हैं। साथ ही याचिकाकर्ता को अंबिकापुर मेडिकल कालेज में पोस्टिंग को दो साल नहीं हुए हैं। हाईकोर्ट ने सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा अवर सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा संचालक चिकित्सा शिक्षा को नोटिस जारी किया है साथ ही तबादला आदेश पर रोक लगा दी है।.

# नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को जमानत नहीं

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने कोरबा के अजाक थाने में दर्ज एक मामले में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी युवक छोटू यादव उर्फ सूरज यादव की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि मामले में पीड़िता के बयान के साथ गर्भावस्था से संबंधित चिकित्सकीय साक्ष्य और डीएनए जांच रिपोर्ट अभियोजन के आरोपों को प्रथम दृष्टया मजबूत करते हैं। डीएनए रिपोर्ट में आरोपी को पीड़िता से जन्मे बच्चे का जैविक पिता बताया गया है।

आरोपी बिहार के सहरसा जिले के बड़ियारी गांव का रहने वाला है और वर्तमान में कोरबा जिले के आवराकछार चुहिया में रहता है। उसके खिलाफ कोरबा के अजाक थाने में धारा 137(2), 64(1), पाक्सो अधिनियम की धारा 4, 6 और अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(2)(वी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने 17 सितंबर 2025 को चालान पेश किया और ट्रायल कोर्ट ने आरोप तय कर दिए। ट्रायल कोर्ट में पीड़िता ने आरोपी पर प्रेम जताने और शादी का भरोसा देने के बाद जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया।हाईकोर्ट ने कहा कि पीड़िता के बयान की पुष्टि गर्भावस्था संबंधी चिकित्सकीय साक्ष्य से होती है। इससे भी महत्वपूर्ण डीएनए जांच रिपोर्ट है, जिसमें आरोपी को मृत बच्चे का जैविक पिता बताया गया है।

# कर्मचारी चयन मंडल अधिनियम में बदलाव, एफएसओ ड्रग इंस्पेक्टर और एसआई पदों की नई अर्हताएं तय

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया को अधिक स्पष्ट, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल अधिनियम, 2026 के नियमों में व्यापक संशोधन किए हैं। अब खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, गृह (पुलिस) विभाग, जेल विभाग, विधि विभाग और राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला सहित विभिन्न संवर्गों के दर्जनों पदों के लिए विस्तृत शैक्षणिक, तकनीकी और शारीरिक योग्यताएं निर्धारित कर दी गई हैं।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के पदों में औषधि निरीक्षक-किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से फार्मेसी या फार्मास्युटिकल साइंस में डिग्री अथवा क्लिनिकल फार्माकोलॉजी या माइक्रोबायोलॉजी में विशेषज्ञता के साथ मेडिसिन में डिग्री। खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य प्रौद्योगिकी, डेयरी प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, कृषि विज्ञान, पशु चिकित्सा विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, सूक्ष्म विज्ञान, रसायन विज्ञान या मेडिसिन में स्नातक/स्नातकोत्तर/डॉक्टरेट की डिग्री अथवा केंद्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से खाद्य प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित कोई अन्य समकक्ष अर्हता। असिस्टेंट पब्लिक एनालिस्टः रसायन विज्ञान/जैविक रसायन विज्ञान/सूक्ष्म जीव विज्ञान/डेयरी/तेल प्रौद्योगिकी में स्नातक उपाधि अथवा चिकित्सा विज्ञान में उपाधि। जूनियर साइंटिफिक असिस्टेंटः बी.फार्मेसी की उपाधि। नमूना सहायकः विज्ञान संकाय (रसायन विज्ञान सहित) में हायर सेकेंडरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण। सूबेदार, उप निरीक्षक (एसआई), उप निरीक्षक (विशेष शाखा) और प्लाटून कमांडरः किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि या समकक्ष तथा विभागीय भर्ती नियमों के अनुसार शारीरिक व अन्य अर्हताएं (इसके लिए कॉमन पाठ्यक्रम परीक्षा आयोजित होगी)। उप निरीक्षक (रेडियो): शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था/ विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स/ इलेक्ट्रिकल, टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 3 वर्ष का डिप्लोमा तथा विभागीय शारीरिक व अन्य अर्हताएं। उप निरीक्षक (अंगुल चिन्ह) एवं उप निरीक्षक (प्रश्नाधीन दस्तावेज): मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से गणित, भौतिक शास्त्र और रसायन शास्त्र के साथ स्नातक उपाधि या समकक्ष तथा विभागीय शारीरिक व अन्य अर्हताएं।

# तकनीकी विवि बनाएगा इंजीनियरिंग छात्रों का खेल शेड्यूल, नेशनल प्लेयर देंगे टिप्स

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि ने सत्र 2026-27 के लिए खेल समिति का गठन किया है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब तकनीकी विवि ने खेल समिति गठित की है। अब विवि द्वारा नियमित रूप से प्रतिवर्ष इसका गठन किया जाएगा। इंजीनियरिंग छात्रों में खेलकूद के प्रति घटते रूझान को देखते हुए यह व्यवस्था की जा रही है। समिति यह निर्धारित करेगी कि अधिक से अधिक इंजीनियरिंग छात्र खेल स्पर्धाओं में हिस्सा लें। खेल समिति में राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है ताकि उनके अनुभवों का लाभ मिल सके।

जारी अधिसूचना के अनुसार, विश्वविद्यालय परिनियम की धारा 26 के प्रावधानों के अंतर्गत सत्र 2026-27 के लिए खेल गतिविधियों के लिए नई विश्वविद्यालय खेल समिति का गठन किया गया है। समिति के पदेन अध्यक्ष कुलपति डॉ. अरुण अरोरा होंगे। समिति में संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के प्रोफेसर एवं सहायक प्रोफेसर, संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक, कार्यपरिषद द्वारा नियुक्त खेल क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति, खेल विशेषज्ञ तथा शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षकों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

कार्यपरिषद द्वारा नियुक्त सदस्यों में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सदस्य राजेश चौहान, भारतीय हॉकी टीम की पूर्व सदस्य रेणुका यादव एवं वॉलीबॉल के पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी ख्वाजा अहमद शामिल हैं। खेल विशेषज्ञ वर्ग में डॉ.मेजर सिंह मनसा पॉलीटेक्निक भिलाई एवं ओंकार जैसवाल एलसीआईटी बिलासपुर तथा शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक वर्ग में कोंडल राव बीआईटी दुर्ग एवं पुरूषोत्तम रात्रे आरआईटी रायपुर को सदस्य बनाया गया है। समिति में बीआईटी दुर्ग प्राचार्य डॉ.अनुप मिश्रा एवं शास.कन्या पॉलीटेक्निक रायपुर की प्राचार्य डॉ.वर्षा चौरसिया को संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य वर्ग से सदस्य बनाया गया है। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग से सहायक प्राध्यापक डॉ. हरीश घृतलहरे, विवेक मिश्रा एवं डॉ.आरजी ब्रजेश तथा संबद्ध महाविद्यालयों से विजय शुक्ला, केपी यादव एवं सोमेश यादव को सदस्य नियुक्त किया गया है।

**CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.**
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
NO.021-10/PUBLICATION/4247 Korba West, dtd. 11.09.2026
(e-Bidding) TENDER NOTICE No. 1431/2026.

**Online tenders** are invited from Experienced & Prospective Firms for the following Work/Supply:

| S. No | Rfx No. | Particulars | Cost of tender doc. | E.M.D. (Rs.) | Last date of submission & opening |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Rfx No. 8100054202 | Supply of Floor Grill (MS Grating) for 210 MW ABL Boilers of Unit No. 3 & 4, HTPS, Korba West. | 590/- | 11,010/- | 01.10.2026 |
| 2. | Rfx No. 8100054205 | Day to day lighting maintenance of PH 1 & 2, HTPS, Korba West. | 590/- | 7,030/- | 05.10.2026 |
| 3. | Rfx No. 8100054204 | Performing Daily cleaning of all stores sheds, open yards & stores office in locations of O&M: Stores and O&M: Store, 1x500 MW, Extn., HTPS, Korba West. | 590/- | 7,055/- | 05.10.2026 |

NOTE: - 1.Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website**https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal.** **2. Quantity as per tender schedule.**3.Any Extension/ Corrigendum / Amendments if required, shall be displayed on our websites only.
SUPERINTENDING ENGINEER (C)
SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (S&P)HTPS, CSPGCL, KORBA WEST

**OFFICE OF CHIEF ENGINEER (CIVIL)**
C-1 C-2, Power Companies campus, Dangania, Raipur (CG)- 492013 Phone No. : 0771-2574626
Website : www.cspdcl.co.ine-mail : cecivil.cspdcl@cspc.co.in
No. 04-03/ Civil-Distr/W/I/621100/2026 Raipur, dtd.07.09.2026
**E-TENDER NOTICE**

Online bids are invited through CSPDCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriated class in CSPDCL. The unregistered contractor having work experience in Govt./Public sector undertaking /Local bodies/Power Distribution companies in India only may be considered on submission of experience certificate for following works as mentioned below :-

| Tender Specification No. | Name of work | NIT Value |
|---|---|---|
| CEC/D/ W/26-27/51 | Construction of distribution center office building at Ankira under (O&M) Dn.Kunkuri | 14.85 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/52 | Construction of distribution center office building at Latori under (O&M) Dn. Ambikapur. | 14.85 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/53 | Construction of AE Sub Division office building Sitapur under (O&M) Dn. Ambikapur. | 25.26 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/54 | General civil maintenance work and aluminium partition work of EE (O&M) Dn.-01 office building at CSPDCL office premises Tifra Bilaspur (C.G.) | 8.86 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/55 | Construction of CC road with hume pipe culvert for Control Room and transformer at 33/11 kV S/s Tumnar under (O&M) Division Dantewada | 7.35 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/56 | Construction of CC road for Control Room and transformer at 33/11 kV S/s Narayanpur under (O&M) Division Narayanpur. | 7.27 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/57 | Construction of CC at EE (O&M) Dn. Office premises 33/11 kV S/s Kondagaon under (O&M) Division Kondagaon. | 7.56 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/58 | Providing facility of store room for DC office & Civil work required for parking shed at EE (O&M) Division Pithora. | 7.50 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/59 | Renovation of F-Type quarter at AE (O&M) office premises Bhakhara under O&M Dn. Kurud. | 8.16 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/60 | Strengthening of approach road by CC road and providing 02 Nos. iron gate at 33/11 KV S/s Tuta under O&M under O&M Dn. Atal Nagar Nawa Raipur (C.G.) | 7.09 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/61 | Necessary civil repair and maintenance work along with provision of male and female toilet in SE(O&M) office situated at Gudhiyari Raipur (C.G.) | 7.63 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/62 | Civil works required for strengthening of road along with chain link mesh fencing to separate residential quarters & non-residential buildings & Painting of Boundary wall at 33/11 kv S/s Khairagarh Town premises under (O&M) division Khairagarh. | 8.53 Lacs |
| CEC/D/ W/26-27/63 | Renovation of 2 unit F-Quarter at 33/11 KV S/s premises Manpur under (O&M) Dn. Mohla. | 6.24 Lacs |

Note – (1) The detailed NIT, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding .cspcl. co.in:50724/irj/portal.(ii) NIT value is inclusive of GST@18%
EXECUTIVE DIRECTOR (CIVIL)
CSPDCL:RAIPUR
SAVE ELECTRICITY

सत्यमेव जयते
स्वावलम्बन Swavlamban
सशक्त दिव्यांगजन समर्थ भारत
हम अपने दिव्यांग बहनों और भाइयों के लिए एक समावेशी और सुगम्य भविष्य सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।
— नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
देशभर के **76** स्थानों पर सामाजिक अधिकारिता शिविरों के माध्यम से दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को भारत सरकार की एडिप, राष्ट्रीय वयोश्री योजना व सीएसआर के अंतर्गत निःशुल्क सहायक उपकरणों का वितरण
देश भर में विभिन्न स्थानों पर शिविरों का आयोजन
योजना के अंतर्गत खर्च का पूरा वहन भारत सरकार द्वारा
**58 हज़ार** से अधिक लाभार्थियों को शिविरों में उपकरणों का मुफ्त वितरण
शिविरों में नए लाभार्थियों के लिए भी रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध
शिविर स्थलों की अधिक जानकारी के लिए लॉगिन करें:
**www.depwd.gov.in**
17 सितम्बर, 2026 सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक
**दिव्यांगजनों के जीवन में आ रहा है बदलाव**
अब तक **20 हज़ार से अधिक** शिविर आयोजित
**34 लाख** से अधिक दिव्यांगजनों को सहायक यंत्र एवं उपकरणों का वितरण
**ADIP योजना** के अंतर्गत सहायक उपकरणों में मोटरयुक्त ट्राइसाइकिल, मैनुअल ट्राइसाइकिल, फोल्डिंग व्हीलचेयर सहित अन्य उपकरण शामिल हैं
सीधा प्रसारण : https://youtube.com/live/9_HDm6wcA78?feature=share
दिव्यांगजन सहायक उपकरण हेतु अर्जुन पोर्टल: https://adip.depwd.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं
depwd.gov.in @socialpwds depwd_goi @DoEPWD Divyang Empowerment @DEPwDAccessibleIndiaCampaign DEPwD
टोल फ्री नंबर: **1800-180-5129, 9519268833, 9519538833**
cbc 38117/13/0017/2627

## प्रथम पृष्ठ का शेष

### रमन बोले-मोदी...

और मैं एक छोटा कार्यकर्ता था, वे हमारे राष्ट्रीय महामंत्री संगठन के रूप में काम करते जब छत्तीसगढ़ के प्रभार में भी थे, उस समय भी मिलने का अवसर मिला।

0 जब नरेंद्र मोदी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया गया, तब आपकी पहली प्रतिक्रिया आपके आसपास की क्या थी?

00 मैं उस समय तक संगठन के राष्ट्रीय दायित्व में नहीं था, मगर वह घटना पूरे देश में चर्चा का विषय रही कि पहली बार इस प्रकार का दायित्व सौंपा गया। कोई महामंत्री संगठन राजनीतिक दृष्टि से मुख्यमंत्री बन जाए, क्योंकि गुजरात की चुनौती बड़ी थी, और बड़ी चुनौती को संभालने के लिए एक मजबूत, दृढ़ निश्चयी व्यक्ति की जरूरत थी। उस समय संगठन ने सही व्यक्ति का चुनाव किया, जो उस झंझावातों से उस गुजरात को आगे निकालने और विकास की दिशा में ले जाए तो मुझे लगता है कि वह निर्णय उस समय के नेतृत्व ने जो किया, वह बड़ा निर्णय था और उसका नतीजा भी देखने को मिला देश को।

0 पर जब आप मुख्यमंत्री बने तो नरेंद्र मोदी के साथ आपका मिलना-जुलना शुरू हुआ होगा, क्या देखते थे आप उस समय?

00 उस समय से ही हमारी मुलाकात, बातचीत होती थी और कई बार उनसे लंबी चर्चा भी होती थी, और मुझे लगता है कि हमारे भारतीय जनता पार्टी के शासित राज्य कम थे। कांग्रेस सरकार और कांग्रेस की जो नीतियां थीं, उसका विरोध प्रधानमंत्री की बैठक में किस प्रकार किया जाना है, नीतियों में जो बीजेपी के साथ उपेक्षा का भाव हो रहा है, उसमें मोदीजी का नेतृत्व सामने झलकता था, और वे उस जवाबदारी को संभालते थे कि आज किस बिंदु पर मनमोहन सरकार पर हमको अटैक करना है, बैठक के दौरान हमको किस-किस बात पर चर्चा करनी है। इसमें सबसे तेजी के साथ वसुंधरा राजे थीं, नरेंद्र मोदी थे और हमारे वरिष्ठ मुख्यमंत्री थे, मगर मोदीजी की भूमिका निर्णायक होती थी।

0 नरेंद्र मोदी से नेता के तौर पर प्रभावित होने का अवसर कब आया? आपको लगा कि नेता हो तो नरेंद्र मोदी जैसा?

00 नहीं, देखिए, नरेंद्र मोदीजी के व्यक्तित्व का विकास उनकी संघर्षशीलता में ही दिखता था, और जब एक बड़ी चुनौती को स्वीकार किया, उस समय से डॉ. रमन को यह महसूस होने लगा कि आने वाले समय में वे पीएम होंगे। उसके बाद तो हम लोग मिलते रहे, कई बार उनको छत्तीसगढ़ हमने बुलाया, कई कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ आए, कई विषयों को लेकर हम गुजरात भी गए।

0 बड़ी त्रासदी थी भुज का भूकंप तो भुज में जिस तरीके से उन्होंने उस मामले को डील किया, उससे आप बड़े प्रभावित हुए? उस समय मोदीजी से कोई बातचीत होती थी आपकी?

00 बिल्कुल होती थी और बात करते थे। बड़ी घटनाएं होती थीं, उस समय वे हिम्मत दिलाते थे और बोलते थे कि यह लड़ाई का एक हिस्सा है, एक फेज है। इसमें पीछे नहीं हटना है, घबराने की जरूरत नहीं है, और वो तो ये भी बोलते थे कि देश की सबसे बड़ी लड़ाई आप लड़ रहे हो, हम सब आपके साथ हैं। नक्सलवाद उस समय देश की सबसे बड़ी समस्या थी, देश-दुनिया में एक समस्या के रूप में थी। उस समस्या से जूझने के लिए जब भी हम लोग बैठते थे और प्रधानमंत्री की बैठक में बैठते थे, हमारे मुख्यमंत्रियों की बैठक हमारे संगठन के लोग करते थे और विषय जब आता था तो नक्सल पर मुझे ही बोलना रहता था, पर वे उस विषय को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे और छत्तीसगढ़ के योजनाओं का अध्ययन उनको था। जैसे ही हमने चावल की योजना शुरू की, मैंने फोन लगाया मोदीजी को, कि एक हम नई योजना शुरू कर रहे हैं, गरीबों के लिए चावल की योजना। तुरंत वे बोले कि बहुत अच्छी योजना है और उसका क्रियान्वयन कैसे होता है, यह देखना है और उनकी निगाह हमेशा रहती थी कि योजना तो आप बनाओ, मगर 100% उस योजना को फुलप्रूफ बनाओ।

0 आप 2003 में मुख्यमंत्री बने, 2004 में पार्टी हार गई लोकसभा का चुनाव। फिर 2009 आया, लालकृष्ण आडवाणीजी को चेहरा बनाया, बड़ी उम्मीद आप लोगों ने बांधी, फिर हार गए तो उसके बाद मोदीजी पर दांव लगाएं, यह पार्टी ने तय किया?

00 उस घटना का मैं गवाह हूं। जब राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक हो रही थी और उस बैठक में यह निर्णय किया जा रहा था कि चेहरा कौन होगा प्रधानमंत्री का या चुनाव का प्रभारी, संचालन कौन करेगा? अभियान समिति का प्रमुख कौन होगा, इस बात के लिए चर्चा हो रही थी, मगर एक चीज, मैं उस अभियान समिति में, कार्यसमिति में, बैठक में देखता था, सबसे मिलता रहता था, तो उस समय भी कोई वोटिंग हमारे यहां होती नहीं, मतदान होता नहीं कि किसी से वह किया है, राय ली जाती है, मगर जब मैं 80-90 प्रतिशत वरिष्ठ लोगों से और नए लोगों से, हमारे साथियों से पूछता था, एकमतेन सबके मुंह में, जुबान में यह बात रहती थी कि नेतृत्व चुनाव अभियान समिति में, मोदीजी को देने से बहुत अच्छा रिजल्ट आएगा और इनको दिया जाना चाहिए। विरले लोग ही थे, जो इनके विरोध में थे और एक प्रकार से वातावरण का निर्माण, राजनाथ सिंह शायद राष्ट्रीय अध्यक्ष थे।

0 जब रायशुमारी हो रही थी तो आपने कहा, मैं भी बात कर रहा था, पर आपसे भी तो राय ली गई होगी तो रमन सिंह की राय क्या थी?

00 मुझसे भी राय ली गई और स्पष्ट रूप से राय ली गई, तो मैंने कहा, यह बेहतर चेहरा है, इससे बेहतर चेहरा कोई हो नहीं सकता। और मैं ही नहीं सहमत था, बहुत लोग हमारे साथ, अधिकांश लोग इससे सहमत थे। इसके बाद फैसला लिया गया, प्रधानमंत्री के संदर्भ में चेहरा नरेंद्र मोदी होंगे, क्योंकि चुनाव अभियान समिति की कमान पार्टी ने उन्हें दे दी।

0 आपका सबसे कठिन चुनाव था 2013 विधानसभा का। झीरम जैसा हादसा हो गया था। उस चुनौती के बीच में आपने चुनाव लड़ा?

00 छत्तीसगढ़ के 2013 के चुनाव में जो भूमिका, जैसे हम चुनाव को अलग-अलग देखे, तीन का चुनाव हुए, आठ का चुनाव हुआ, 13 का चुनाव हुआ। इन चुनावों में अलग-अलग भूमिकाओं में, वो चाहे लोकसभा और विधानसभा, एक साथ आगे-पीछे ही चलते हैं। 6 महीने 7 महीने का फर्क आता है। उस समय से हम लगातार हर चुनाव में देख रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में लोगों को प्रभावित करने की दृष्टि से और किसे आमंत्रित किया जाए तो उस समय से हमको यह लगता था कि आम कार्यकर्ता और लोगों का निगाह में यदि कोई एक चेहरा सबसे प्रमुखता से आता है तो वो नरेंद्र मोदी का नाम आता था।

0 तो कितनी मशक्कत करनी पड़ती थी आपको नरेंद्र मोदी को बुलाने में? वे तो प्रधानमंत्री का चेहरा हो गए थे।

00 बहुत आसान।

0 आपके मुख्यमंत्री रहते, नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री हुए। जब वे मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री हो गए, क्या बदलाव देखा आपने नरेंद्र मोदी में?

00 देखिए, मुख्यमंत्री थे तो बहुत समय रहता था, बातें बहुत होती थीं, चर्चा भी हम लोग काफी कर लेते थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी व्यस्तता को हम लोग देखते रहे कि किस प्रकार वे व्यस्त हैं, किस प्रकार पूरे देश में घूम रहे हैं, तो उनके स्वभाव में कोई फर्क तो नहीं आया, मगर उनकी व्यस्तता इतनी बढ़ गई कि वे इतनी जल्दी उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। यह बात समझ में आती है कि एक आदमी जब बड़े दायित्व में जाता है तो वैसा समय नहीं मिल पाता।

0 आपने दो भूमिकाओं में उन्हें देखा। एक संगठनकर्ता के तौर पर और एक प्रशासक के तौर पर। कौन-सी भूमिका में आपको मोदीजी ने ज्यादा प्रभावित किया?

00 बहुत ही सख्त और मेहनत करने वाले महामंत्री संगठन के रूप में देखा मैंने उनको, और प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके व्यक्तित्व में परिवर्तन भी आया। और वो परिवर्तन आया कि ज्यादा से ज्यादा लोगों से किस प्रकार हर दिशा से कुछ न कुछ बात आए, सबसे बात करें, युवा से भी बात करें, बुजुर्ग से भी बात करें, वैज्ञानिकों से भी बात करें और शिक्षकों से भी बात करें, और सबसे पूछकर फिर निर्णय लेने की प्रक्रिया।

### सेवा और संकल्प...

के बैंक खातों में पहुंचने लगा। उज्ज्वला योजना से करोड़ों माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति मिली, स्वच्छ भारत अभियान ने जन-स्वास्थ्य और नारी सम्मान के प्रयासों को नया आयाम दिया, प्रधानमंत्री आवास योजना ने करोड़ों परिवारों को पक्की छत प्रदान की और आयुष्मान भारत ने देश के हर नागरिक को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज का सुरक्षा कवच दिया।

छत्तीसगढ़ एक जनजातीय बहुल राज्य है और एक जनजातीय समाज के प्रतिनिधि के रूप में मैं व्यक्तिगत रूप से इस बात का साक्षी हूं कि प्रधानमंत्री जी ने जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए जो कार्य किए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। इनका असर सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों में दिख रहा है। आजादी के सात दशकों बाद देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आदरणीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी विराजमान हैं। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का ऐतिहासिक निर्णय हो या देश के विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों के लिए पीएम-जनमन योजना की शुरुआत। पीएम मोदी ने जनजातीय समाज की संस्कृति, कला और अधिकारों को संरक्षित करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से देश के जनजातीय बहुल गांवों में बुनियादी सुविधाओं का समग्र विकास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ जैसे जनजातीय बहुल राज्यों के विकास और समृद्धि के प्रति आदरणीय प्रधानमंत्री का स्नेह सदैव रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के स्वर्णिम कालखंड की एक सबसे महत्वपूर्ण पहचान भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रांसफॉर्मेशन है। देश के कोने-कोने में एक्सप्रेसवे का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत ट्रेनें दौड़ रही हैं, हवाई अड्डों और बंदरगाहों का रिकॉर्ड समय में आधुनिकीकरण हो रहा है। मध्य भारत में हमारे प्रदेश की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति की वजह से इस इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रांसफॉर्मेशन का सर्वाधिक लाभ हमें मिल रहा है। डिजिटल इंडिया और यूपीआई की सफलता ने विश्व के विकसित देशों को भी भारत की तकनीकी क्षमता का लोहा मानने पर मजबूर कर दिया है। आज दुनिया के कुल रियल-टाइम डिजिटल लेनदेन का एक बड़ा हिस्सा अकेले भारत में हो रहा है। सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर स्पेस टेक्नोलॉजी, एआई और ग्रीन एनर्जी तक, भारत नई तकनीक के केन्द्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प ने देश के विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊर्जा दी है। पीएम मोदी ने भारत की सांस्कृतिक चेतना को पुनः जागृत किया है। 500 वर्षों के लंबे इंतजार और संघर्ष के बाद अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर का निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का क्षण पूरे देश के लिए सांस्कृतिक स्वाभिमान का सूर्योदय था। काशी विश्वनाथ धाम का भव्य रूप, महाकाल लोक का विकास और देश भर में धरोहरों का संरक्षण, यह दर्शाता है कि विकास और विरासत साथ-साथ चलते हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त कर उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्वप्न को साकार किया। सर्जिकल स्ट्राइक के जरिए आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का संदेश दिया। प्रधानमंत्री जी ने नक्सलमुक्त भारत का संकल्प साकार किया, इससे बस्तर में शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ है। वैश्विक पटल पर आज भारत की आवाज को सम्मानपूर्वक सुना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी के कूटनीतिक कौशल का ही परिणाम है कि भारत की मेजबानी में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने इतिहास रचा। योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाना भारत के सॉफ्ट पावर का प्रमाण है।

आज जब देश विकसित भारत के निर्माण का महान संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है, तो हम पर पूरी दुनिया की नजर है। विकसित भारत केवल एक आर्थिक लक्ष्य नहीं है, बल्कि भारत को पुनः विश्वगुरु के पद पर स्थापित करने की एक सांस्कृतिक प्रतिज्ञा भी है। मोदी जी की प्रेरणा के अनुरूप हम सब विकसित भारत के निर्माण के इस महायज्ञ में आहूति करेंगे और उनका संकल्प अवश्य पूरा करेंगे।

### झीरम नरसंहार...

कुल 11 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसमें से एक की मृत्यु हो चुकी है।

हम संतुष्ट नहीं हैं-चौधरी

बचाव बक्ष के अधिवक्ता अरविंद चौधरी ने कहा कि विशेष न्यायालय एनआईए कोर्ट ने आज जो फैसला दिया है उससे हम संतुष्ट नहीं हैं और इस सजा के खिलाफ हम उच्च न्यायालय में अपील प्रस्तुत करेंगे। इसके लिए 30 दिन का समय दिया गया है लेकिन हम इससे पहले ही अपील करेंगे। आईपीसी की सात धाराओं में मृत्युदंड दिया गया है, जिसमें आर्म्स एक्ट की धाराएं भी शामिल हैं, इसके खिलाफ हम जरूर अपील करेंगे और यह हमारा संवैधानिक अधिकार है। इससे हम संतुष्ट नहीं है और परिवार वाले भी संतुष्ट नहीं हैं और हम उच्च न्यायालय में के सामने सारी बातों को रखेंगे। एनआईए कोर्ट द्वारा जो सजा सुनाई गई है इसे पुष्टि के लिए हाईकोर्ट भेजा जाएगा। उच्च न्यायालय इस पर विचार करने के बाद पुष्टि करेगा। हमारे पास अपील का अधिकार सुरक्षित है और हम अपील करेंगे।

विपक्ष में थी कांग्रेस- वर्ष 2013 में प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने थे और बीते 10 साल से विपक्ष में बैठी कांग्रेस जीत के लिए जोर लगा रही थी। पार्टी पूरे राज्य में परिवर्तन यात्रा चला रही थी। 25 मई को सुकमा में परिवर्तन रैली की गई। रैली के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर जा रहा था। इसमें करीब 25 गाड़ियां थीं। इन गाड़ियों में 200 नेता-कार्यकर्ता थे। सबसे आगे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल और कवासी लखमा थे। उनके पीछे महेंद्र कर्मा और मलकीत सिंह गैदू की गाड़ी थी। उनके पीछे बस्तर के कांग्रेस प्रभारी उदय मुदलियार चल रहे थे। प्रदेश कांग्रेस की पूरी टॉप लीडरशिप इस काफिले में थी। दोपहर करीब 3:40 बजे काफिला झीरम घाटी में पहुंचा। यहीं नक्सलियों ने पेड़ गिराकर रास्ता बंद कर दिया। गाड़ियां रुकते ही 2 सौ से अधिक नक्सलियों ने सड़क के दोनों ओर से फायरिंग शुरू कर दी। हमले में नंदकुमार पटेल और उनके बेटे दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक फायरिंग होती रही। शाम करीब 5:30 बजे नक्सली पहाड़ों से उतरकर नीचे आए और एक-एक गाड़ी चेक की। एक गाड़ी में उन्हें सलवा जुडूम आंदोलन शुरू करने वाले महेंद्र कर्मा मिल गए। आंदोलन की वजह से नक्सली महेंद्र कर्मा को दुश्मन समझते थे। उन्होंने बेरहमी से महेंद्र कर्मा की हत्या कर दी। उन्हें दर्जनों गोलियां मारी गईं थी।

### सभी आरोपियों को ...

आईपीसी की धारा 302 हत्या, 307 हत्या का प्रयास, 147, 148, 149 बलवा, 25, 27 आर्म्स एक्ट, 396, 397 हत्या संग डकैती व लूटपाट, 427 मार्ग अवरुद्ध करना, 120 बी षड़यंत्र रचना, 16, 18, 20, 48 (2), 49 (2), विधि विरुद्ध क्रिया कलाप निवारण अधिनियम, 3, 4, 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत मौत की सजा सुनाई गई है।

### सवाल बरकरार, खूनी...

हुए योगेंद्र शर्मा की पत्नी और धरसींवा की पूर्व विधायक अनिता शर्मा का दर्द एक बार फिर छलक पड़ा। उन्होंने भावुक मन से कहा कि वह न्यायपालिका और अदालत के इस कठोर फैसले का दिल से सम्मान करती हैं, लेकिन उनके लिए यह न्याय अभी अधूरा है। 10 प्यादों को सजा मिलना तसल्ली दे सकता है, मगर असली सवाल तो यह है कि उस खूनी साजिश का मास्टरमाइंड आखिर कौन था? किसकी शह पर लोकतंत्र के इस सबसे बड़े नरसंहार को अंजाम दिया गया था? अनिता शर्मा का परिवार आज भी उस कड़वे सच को जानने की आस में बैठा है कि जिस हमले में राज्य के शीर्ष नेतृत्व को एक झटके में खत्म कर दिया गया, क्या उसकी भनक उस वक्त के जिम्मेदार तंत्र को सचमुच नहीं थी? अगर सब कुछ अचानक हुआ, तो फिर साजिश के पीछे छिपे असली चेहरों तक जांच की आंच क्यों नहीं पहुंच सकी? फैसला अदालत के कागजों पर दर्ज हो चुका है, पर जो परिवार हर दिन इस दर्द को जीते हैं, उनके लिए अभी न्याय बाकी है।

### छग सरकार का बड़ा फैसला...

जारी किया जा सकेगा।

सभी विभागों को कड़ाई से पालन के निर्देश

छत्तीसगढ़ शासन ने इस आदेश की प्रति राज्य के समस्त शासन के विभागों, राजस्व मंडल बिलासपुर, समस्त संभागीय आयुक्तों, विभागाध्यक्षों और सभी जिला कलेक्टरों को भेजकर इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के उन हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी जो कागजी अभिलेखों की तकनीकी विसंगतियों के कारण अपने प्रमाण पत्र नहीं बनवा पा रहे थे।

### बड़ी खुशखबरी, पीएफ...

वृद्धि तथा संगठित क्षेत्र में बढ़े रोजगार को देखते हुए अब इसे बढ़ाकर 25,000 रुपए किया गया है। इस फैसले से सालाना करीब 11,339 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आने का अनुमान है, जबकि मौजूदा वार्षिक बजटीय सहायता करीब 10,250 करोड़ रुपये है। पांच वर्षों में अनुमानित खर्च करीब 56,696 करोड़ रुपए होगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस फैसले से अधिक कर्मचारियों को भविष्य निधि बचत, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत पेंशन सुरक्षा और कर्मचारी जमा संबद्ध बीमा योजना (ईडीएलआई) के तहत बीमा सुरक्षा का लाभ मिलेगा। इस बदलाव से भविष्य निध अंशदान और पेंशन योग्य वेतन की व्यवस्था को मौजूदा वेतन स्तर के अनुरूप बनाने में भी मदद मिलेगी। फिलहाल 15,000 रुपए से अधिक मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला नया कर्मचारी स्वतः ईपीएफ के दायरे में नहीं आता है।

वेतन सीमा बढ़ने से 15,000 से 25,000 रुपए मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों का एक बड़ा वर्ग अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था में शामिल हो जाएगा। सरकार ने कहा कि सितंबर, 2014 में पिछली बार वेतन सीमा बढ़ाए जाने के बाद देश में वेतन और आय में लगातार वृद्धि हुई है तथा संगठित क्षेत्र में भी रोजगार का विस्तार हुआ है। कई राज्यों और क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन भी मौजूदा सीमा के करीब पहुंच गया है।

### पीएससी ने स्थगित की साक्षात्कार...

से जारी की जाएगी। पीएससी द्वारा जारी अधिसूचना में साक्षात्कार स्थगित किए जाने के पीछे अपरिहार्य कारणों का जिक्र किया गया है। सूत्रों के अनुसार, साक्षात्कार स्थगन का निर्णय पूर्व सीएम भूपेश बघेल द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने साक्षात्कार से पहले सभी अभ्यर्थियों की उत्तरपुस्तिकाएं उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि कैंडिडेट्स स्वयं जांच कर सकें। इसके अलावा स्थिति स्पष्ट हो जाने तक 2025 के साक्षात्कार स्थगित करने की मांग भी की गई थी। गौरतलब है कि छग शासन के अंतर्गत राज्य सेवा परीक्षा-2025 के माध्यम से विभिन्न 20 विभागों के विज्ञापित 265 पद भरे जाएंगे। प्रारंभिक परीक्षाएं फरवरी माह में आयोजित की गई थी। इसके पश्चात मुख्य परीक्षाएं जून में आयोजित की गई। इसमें प्राप्त अंकों के आधार पर साक्षात्कार के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची 31 अगस्त को जारी की गई थी। मुख्य परीक्षाओं के परिणाम जारी होने के कुछ दिनों पश्चात से ही विवाद की स्थिति प्रारंभ हो गई है।

### न्यूनतम अंक को लेकर भी...

ज्यादी अंक दिए गए हैं। पांच विभिन्न पेपर में ऐसी अनियमितता देखी गई है, जहां सही और गलत दोनों उत्तरों के लिए समान अंक बांट दिए गए। उन्होंने साक्षात्कार के लिए चयनित अभ्यर्थियों की संख्या पर भी सवाल उठाए। साल 2025 की पीएससी परीक्षा में कुल 265 पद निकाले गए थे। नियम के अनुसार 1:3 के अनुपात में 795 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाना था, लेकिन केवल 608 अभ्यर्थी ही क्वालीफाई हो पाए। आयोग के अनुसार, पर्याप्त संख्या में अभ्यर्थी निर्धारित न्यूनतम अंक हासिल नहीं कर सके, इसलिए कम संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। भूपेश बघेल ने मांग की है कि आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि इतने सारे छात्र न्यूनतम अंक क्यों नहीं ला सके।

### अभिनेता अनंत को दादा ...

केवडिया में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में नवाजा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता को बधाई देते हुए कहा, कई दशकों से उनके सहज अभिनय, उल्लेखनीय बहुमुखी प्रतिभा और असाधारण कौशल ने भारतीय सिनेमा, विशेषकर कन्नड़ सिनेमा पर गहरी छाप छोड़ी है। उन्होंने जिस भी भूमिका को निभाया, उसमें एक अनूठी गहराई और प्रामाणिकता का संचार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह वास्तव में एक अत्यंत प्रतिष्ठित कलाकार के लिए पूरी तरह से एक सुयोग्य सम्मान है। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर, भारत सरकार को यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि अभिनेता को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और पीढ़ियों को प्रेरित करने वाले एक शानदार सिनेमाई सफर के लिए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया जाएगा।

---

## OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

**e-Procurement Tender Notice**

**Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in**

NIT No : 1542/1543/1544/WS/2026 Korba, Date 10.09.2026

| Sr No | System Tender No. | Name of Work/Description of Work | Probable Amount of Contract (PAC) |
|---|---|---|---|
| 1 | 199182 (1st call) | Construction, Testing, Commissioning Of R.C.C. Oht, Pipe Line, Boundary Wall And Switch Room At Ward No. 25 Shivaji Nagar For Augmentation To Korba Water Supply Scheme With 03 Months Trial Run. | Rs. 161.50 Lakhs |
| 2 | 199296 (1st call) | Construction, Testing, Commissioning Of R.C.C. Oht, Pipe Line, Boundary Wall And Switch Room At Ward No. 45 Pragati Nagar For Augmentation To Korba Water Supply Scheme With 03 Months Trial Run | Rs. 90.19 Lakhs |
| 3 | 199292 (1st call) | Construction, Testing, Commissioning Of R.C.C. Oht, Pipe Line, Boundary Wall And Switch Room At Ward No. 52 Ayodhyapuri For Augmentation To Korba Water Supply Scheme With 03 Months Trial Run | Rs. 122.04 Lakhs |

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 10.09.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

**Superintending Engineer**
**Municipal Corporation,**
**Korba (C.G.)**

---

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
- कान, नाक, गला रोग
- Hearing Aids
- दंत रोग
- मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
- चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» सभी प्रकार के ऑपरेशन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चो के ऑपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे
MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

---

epaper- www.haribhoomi.com

# हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी
सुविधा हमारी
Contact For
Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

## आवश्यकता है

**आवश्यकता है-** Evincepub Publishing, कोनी (बिलासपुर) में बुक पब्लिशिंग हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर (लड़के/लड़कियाँ) चाहिए। MS Word, Excel एवं Canva का ज्ञान आवश्यक। संपर्कः 6260711728, 9171810321 (41864)

**आवश्यकता है-** कुक की आवश्यकता है बिलासपुर टिकरापारा स्थित घर में लंच, डिनर बनाने हेतु अनुभवी साफ सुथरे और भरोसेमंद व्यक्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। मेहनताना 5500 रुपये महीना। सम्पर्क करें- 7470311103 (41876)

**आवश्यकता है-** Cafe के किचन एवं Cafe में कार्य करने हेतु लड़कियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन 7000 से 12000 प्रति माह तत्काल सम्पर्क करें- ट्विन प्लाजा अग्रसेन चौक बिलासपुर 9306187790 (41871)

**आवश्यकता है-**Sales Head cum Receptionist Bosco dot-Customised Furniture Studio अनुभवी, Sales Target Achieve करने में सक्षम उम्मीदवार चाहिए। महिला उम्मीदवारों को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-7449955000 (41863)

**आवश्यकता है-** रेडिमेड मेंस वियर शॉप में सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार जो पहले से काम जानता हो, वही सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक सरकंडा बिलासपुर 8349373122 (41870)

**आवश्यकता है-**टेन्ट हाऊस में गाड़ी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी 5 अंको में सम्पर्क करें- 9827189233 (41857)

**आवश्यकता है-** पैथोलॉजी लैब टेक्नीशियन एवं रिसेप्शनिस्ट चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- दोपहर 3 से शाम 6बजे तक निष्कर्ष पैथोलॉजी क्लीनिक प्रथम तल, डॉ. अग्रवाल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी क्लीनिक, जूनीलाइन, बिलासपुर 7869911027 (41875)

**आवश्यकता है-** बिलासपुर में लगरा, मोपका, राजकिशोर नगर, मटियारी, गतौरी के लिए चौकीदार एवं सुरक्षा गार्ड की तत्काल आवश्यकता है रहने की सुविधा बाहरी व्यक्ति को प्राथिमकता सम्पर्क करें- 9691059371, 9639355898 (41872)

**आवश्यकता है-** तिफरा थोक सब्जी मंडी में कार्य करने हेतु कलेक्शन मैनेजर- 2पद की आवश्यकता है वेतन- 12000 से 25000 योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- सुबह 9बजे से 10बजे तक 9893599044 (41874)

**आवश्यकता है-**बिलासपुर की एक प्रमुख रियल एस्टेट और कॉलोनाइजेशन कम्पनी को एक अनुभवी मैनेजर की आवश्यकता है। उम्मीदवार के पास उत्कृष्ट ग्राहक प्रबंधन (कस्टमर हैंडलिंग) होनी चाहिए। रियल एस्टेट क्षेत्र में पूर्व अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। सम्पर्क करें- 7400820093 (41861)

**आवश्यकता है-**वॉटर प्रूफिंग, पेस्ट कंट्रोल कार्य हेतु अनुभवी लेबर की आवश्यकता है वेतन 12000/- प्रति माह आवास सुविधा ग्रामीणों को प्राथमिकता स्वयं का वाहन अनिवार्य, सम्पर्क करें- सेक्टर-डी, तिफरा बिलासपुर 9522601634, 8982080720 (41862)

**आवश्यकता है-** छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर के सहयोग से संचालित लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान, बिलासपुर (NGO) में परियोजना प्रबंधक पद हेतु आवेदन आमंत्रित है योग्यता- MSW/ M.A. समाजशास्त्र, कम्प्यूटर ज्ञान अनुभव- HIV/ AIDS कार्यक्रम में न्यूनतम 3वर्ष अनुभव, वेतन- 21000+ 1400 यात्रा भत्ता अंतिम तिथि- 20/09/2026 सम्पर्क करें- छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान, ओम नगर, जरहाभाठा, बिलासपुर 9977184172 ईमेल- scgpvs@yahoo.in (41869)

**आवश्यकता है-**Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (41704)

**आवश्यकता है-** कक्षा पहली से 12वीं तक सभी विषय पढ़ाने के लिए टीचर्स की आवश्यकता है सम्पर्क करें- संस्कार स्कूल, उसलापुर बाजार के सामने, बिलासपुर 9098546135, 7000737657 (41873)

**आवश्यकता है-** नेहरू नगर में घरेलू कार्य करने हेतु भरोसेमंद एवं अनुभवी बाई की आवश्यकता है। सुबह 7बजे से शाम 7बजे तक अथवा 24घंटे के लिए। उचित वेतन दिया जाएगा। सम्पर्क करें- 7000370264 (41878)

**आवश्यकता है-** तत्काल आवश्यकता है सोलर कम्पनी में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए किसी भी उम्र के व्यक्ति पार्ट टाइम एवं फुल टाइम कार्य करने के लिए सम्पर्क करें- 7000589595, 9232083236 (41877)

**आवश्यकता है-** घरेलू कार चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस के साथ सम्पर्क करें- 7869196364 (41865)

**आवश्यकता है-**एकाउंटेंट, मैनेजर, हेल्पर (M, समय 10:30 से 8बजे, सैलरी योग्यता अनुसार 9000 से 25000) अनुभव न्यूनतम 1वर्ष, आयु अधिकतम 35वर्ष पता- Farmers Pride Pvt Ltd, नेचरसिटी गेट, उसलापुर 9179294949, 7225849081 (41849)

**आवश्यकता है-**दुकान में काम करने, सामान पैक करने, लाने लेजाने हेतु डिलीवरी ब्वाय चाहिए योग्यता 10वीं, वेतन 9000-10000 पता- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी वेस्ट साइड शोरूम के बाजू, व्यापार विहार रोड बिलासपुर (41859)

**आवश्यकता है-**अनुभवी रिसेप्शनिस्ट, OT टेक्नीशियन X-RAY टेक्नीशियन, सुरक्षा गार्ड (दिन में), अनुभवी M/F नर्सिंग स्टाफ, आया बाई हाउस कीपिंग चाहिए पता- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (41858)

**आवश्यकता है-** रायपुर (सिविल लाइन्स) स्थित प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभव कम से कम 5 वर्ष, शिक्षा न्यूनतम 10वीं पास, वेतन 20,000 प्रतिमाह, रहने की व्यवस्था है स्थान सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क 9109972720, 9109125252 (079)

**आवश्यकता है-**आरोग्य अमृततुल्य चाय की दुकान काउंटर संभालने, किचन कार्य हेतु ऊर्जावान, मेहनती लड़के की आवश्यकता है। पता- आरोग्य अमृततुल्य, श्रीबालाजी इलेक्ट्रॉनिक्स के पास, लवीना कोर्ट्स, मुंगेली नाका चौक, बिलासपुर, 7089572509 (41855)

**आवश्यकता है-**आफिस रिसेप्शनिस्ट अनुभवी लड़की/ युवती चाहिए वेतन- 9-10 हजार योग्यतानुसार समय- 9 से 8बजे स्कूटी चलाना आना चाहिए सम्पर्क-JBS Infra Property संजय अग्रवाल हेमू नगर पावर हाउस तोरवा 9300000195 (41847)

**आवश्यकता है-** पीटर इंग्लैंड मेंस वियर शोरूम में सेल्स कार्य करने हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- पीटर इंग्लैंड राजीव प्लाजा, बिलासपुर 9827922881 (41867)

**आवश्यकता है-**100% परमानेंट जॉब भारत में सबसे अधिक स्थायी रोजगार देने वाली righteous limited को आफिस कार्य एवं विभिन्न पदों हेतु 8/10/12वीं स्नातक लड़के/लड़कियों का चयनकर 11000, 13000, 17000, 25000/- आवास बोनस मिलें- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी के पास चौपाटी चोपड़ापारा अम्बिकापुर 9669370111, 9584000909, 8435803535, 7067084579 (20651/41810)

**आवश्यकता है-**Busy एकाउंटिंग साफ्टवेयर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- देवांगन बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स, E-15, सिटी सेन्टर कॉम्प्लेक्स, मारुति कार शोरूम शिव टॉकीज रोड बिलासपुर, रिज्यूम व्हाट्सएप्प करें- 9827178655 (41853)

**आवश्यकता है-** सुपरवाइजर 3 पोस्ट, सीनियर सेल्स ऑफिसर 1 पोस्ट, सेल्समैन 2 पोस्ट की तत्काल आवश्यकता है। सम्पर्क करें- कैलाश इंडस्ट्रीज, सेक्टर सी, सिरगिट्टी, बिलासपुर 7000157773 (41851)

**आवश्यकता है-**बिलासपुर 36 मॉल में सिनेमा फूड काउन्टर और फूड कोर्ट में कार्य करने हेतु 4-4 हेल्फर लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है सैलरी 8000+ रहना+ खाना सम्पर्क करें- 9109919456, 8817025868 (41860)

**आवश्यकता है-** वृंदावन परिसर बिलासपुर में कॉस्मेटिक ज्वेलरी दुकान में काम करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- महामाया कॉस्मेटिक एंड ज्वेलरी बिलासपुर 9111611116 (41868)

**आवश्यकता है-** घरेलू कार्य में दक्ष महिला /युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क करें 6262220666 (076)

**आवश्यकता है-**(1) सिविल साइट सुपरवाइजर (अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑफिस मैनेजर, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण, नगर निगम संबंधी कार्य करने हेतु अनुभवी चाहिए सम्पर्क- 9770770000, 9827072000 (41763)

## बेचना है

**बेचना है-**जूना बिलासपुर मेन रोड 8×27 डबल स्टोरी दुकान ज्वैलर्स/ मोबाइल शॉप/ होटल इत्यादि हेतु उपयुक्त एवं सुमंगल अपार्टमेंट फर्स्ट फ्लोर पर 2BHK फ्लैट बेचना है सम्पर्क करें- 9300625174, 9340051989, 9827198042 (41856)

**बेचना है-**बिलासपुर (सकरी मेन रोड से वाकिंग डिस्टेंस) इन्वेस्टर्स हेतु मकान बनाकर बेचने का अवसर सभी साइजों में डायवर्टेड आवासीय प्लॉट सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित सम्पर्क करें- 7898855268 (41750)

## फाइनेंस

**फाइनेंस-**राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें डाउन सिविल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा सम्पर्क करें- 9350674841, 9350674841 (072)

## शैक्षणिक

**प्रवेश प्रारंभ-**फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.ED, B.A, B.COM, B.SC, BCA, MCA, BBA, LLB, M.A M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.TECH M.TECH (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector -6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4171)

## सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

## हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:-मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

# मेस्सी का ग्रैंड फेयरवेल
## अर्जेंटीना की जर्सी में विदाई मैच

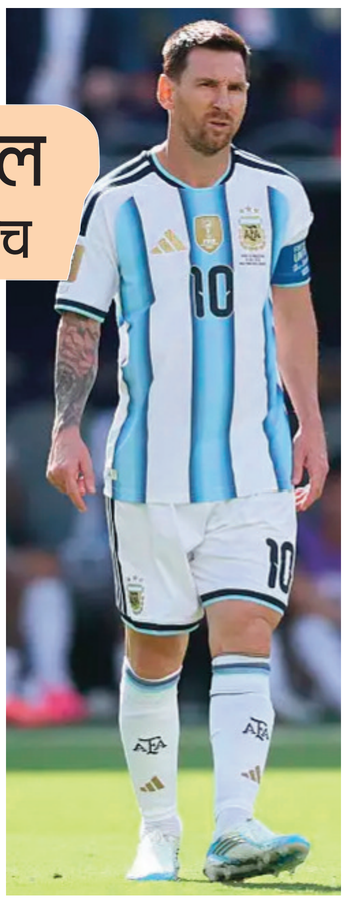

**एजेंसी ▶▶ ब्यूनस आयर्स**

लियोनेल मेस्सी भले ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले चुके हैं लेकिन यह स्टार स्ट्राइकर 6 अक्टूबर को अर्जेंटीना की तरफ से विदाई मैच खेल सकता है। क्लब स्तर पर इंटर मियामी की तरफ से खेल रहे 39 वर्षीय मेस्सी को घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों के लिए अर्जेंटीना की 28 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मेस्सी ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है कि वह टीम में शामिल होंगे या नहीं, लेकिन अर्जेंटीना फुटबॉल के प्रमुख ने कहा कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने 6 अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ होने वाले मैच के लिए निमंत्रण स्वीकार कर लिया है, जिससे वह शानदार तरीके से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह सकें। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने कहा, 'सीनियर राष्ट्रीय टीम के कोच लियोनेल स्कालोनी के साथ बातचीत के बाद हमने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, हमारे आदर्श, हमारे कप्तान लियोनेल मेस्सी को आमंत्रित करने का फैसला किया, ताकि उन्हें छह अक्टूबर को वह विदाई मिल सके जिसके वे हकदार हैं।'

# तीन सत्र बाद इस साल भारत में होगी आईपीएल नीलामी

**नई दिल्ली।** पिछले तीन सत्र विदेश में कराने के बाद आईपीएल 2027 सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी भारत में होगी। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने यह जानकारी दी। पिछले तीन सत्र में नीलामी दुबई, जेद्दा और अबुधाबी में हुई है। धूमल ने कहा,' हर साल हम कोशिश करते हैं कि यह भारत में हो लेकिन शादियों के समय के कारण हमें जगह नहीं मिलती। इस बार हम भारत में ही कराएंगे क्योंकि यह छोटी नीलामी होगी और हमें वेन्यू मिल जाएगा।' बीसीसीआई की 18 सितंबर को होने वाली एजीएम के दौरान धूमल का आईपीएल चेयरमैन फिर चुना जाना तय है। नीलामी कहां होगी, यह बीसीसीआई के पसंदीदा शहरों में उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

सबसे कम कीमत पर
Antique Jewellery
3.99%*
Making Charges
aNaND®
Gold
Pandri

*** नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को बताया कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का पांचवां सत्र 14 जनवरी से 7 फरवरी 2027 तक खेला जाएगा और इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी 28 अक्टूबर को कोच्चि में होगी।

### आज शाम 7.30 बजे से भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का अंतिम मैच

# 'क्लीन स्वीप' पर भारत की नजर
## वैभव को मिल सकता है मौका

**हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली**

पहले दोनों मैच जीत कर श्रंखला में अजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ गुरुवार को होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरेगी, जिसमें वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को मौका मिल सकता है। भारतीय टीम ने पहले दो मैच में दमदार प्रदर्शन किया और अफगानिस्तान को खेल के हर विभाग में पस्त किया।

### टीम संयोजन में हो सकता बदलाव

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि फिरोजशाह कोटला में होने वाले तीसरे और अंतिम मैच में टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है ताकि सभी खिलाड़ियों को 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के लिए जापान रवाना होने से पहले जरूरी मैच अभ्यास का मौका मिल सके। अब तक के चयन से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत सूर्यवंशी को जगह देने के लिए कोई विशेष प्रयास करने को तैयार नहीं है। सूर्यवंशी ने जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर पदार्पण किया था क्योंकि तब संजू सैमसन सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। अब सैमसन और अभिषेक शर्मा दोनों ही अच्छी फॉर्म में हैं। यह दोनों खिलाड़ी एक ही प्रारूप में नियमित रूप से खेलते हैं और इसलिए वह भी विश्राम नहीं लेना चाहेंगे। ऐसे में टीम प्रबंधन को बदलाव का फैसला करना होगा।

### अफगानी बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक

अफगानिस्तान को पावरप्ले में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाजों का सामना करने का तरीका ढूंढना होगा। बल्लेबाजी में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और यही वजह है कि वह भारत के सामने कड़ी चुनौती पेश नहीं कर पाया है। अगर अफगानिस्तान को फिर से पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है तो उसे भारत को चुनौती देने के लिए कम से कम 200 रन बनाने होंगे। एक और करारी हार के बाद अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान ने कहा, 'हमने इस बारे में बात की कि 150-160 के स्कोर को 200 रन में कैसे तब्दील किया जाए। अगर आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे मजबूत टीम को हराना चाहते हैं तो हमारे बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।'

**मैच का समय : शाम 7.30 बजे**

### परिस्थितियों से परिचित हो जाएं खिलाड़ी

अय्यर ने कहा, 'हम चाहते हैं कि सभी खिलाड़ी विकेट और परिस्थितियों से परिचित हो जाएं और अभ्यास भी कर लें। इसलिए यह उन खिलाड़ियों को मौका देने का अच्छा अवसर होगा, जो लंबे समय से बाहर हैं।' ईशान किशन को विश्राम देकर सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल करने का विकल्प भी मौजूद है। किशन ने राष्ट्रीय टीम में शामिल होने से पहले दलीप ट्रॉफी में पूर्वी क्षेत्र की कप्तानी की थी। सैमसन मौजूदा सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

# आईसीसी रैंकिंग : टॉप 2 पर पहुंचे अभिषेक

**दुबई।** आईसीसी की ताजा टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में अभिषेक शर्मा को जबरदस्त फायदा पहुंचा है। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दो टी20 में दमदार प्रदर्शन करने के साथ अभिषेक बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं, ईशान किशन दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ

खेली जा रही सीरीज के पहले टी20 में 82 और दूसरे मुकाबले में 39 रनों की दमदार पारी खेलने के साथ ही अभिषेक ने एक स्थान ऊपर की छलांग लगाई हैं और उन्होंने साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ दिया है। अभिषेक और ईशान किशन के बीच अब 51 रेटिंग प्वाइंट्स का फासला है। दूसरे टी20 में तूफानी अर्धशतकीय पारी खेलने का फायदा संजू सैमसन को भी मिला है।

## कार्यालय आयुक्त
## आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास ब्लॉक - 4 डी, भूतल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

क्र./GENCOR/25258/2026-AYOG ST&SC HOD
नवा रायपुर, दिनांक-

**सूचना**
**स्व. हाजी हसन अली पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित**

उर्दू साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्ति को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्व. हाजी हसन अली पुरस्कार दिया जाता है। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी/कार्यरत ऐसे व्यक्ति को प्रदान किया जाता है, जिसने प्रादेशिक स्तर पर उर्दू साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो।

2/ सम्मान का स्वरूपः यह पुरस्कार जूरी के निर्णयानुसार एक व्यक्ति को प्रदान किया जा सकेगा। पुरस्कार में राशि रू 2.00 लाख नगद और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जावेगा।

3/ आवेदन/प्रविष्टियाँ भेजने की समयावधि :- 3.1-पुरस्कार के लिए आवेदन पत्र/ प्रविष्टियां बंद लिफाफे में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक द्वारा दिनांक 30.09.2026 समय शाम 5:00 बजे तक कार्यालय सचिव, छ.ग. राज्य उर्दू अकादमी पुराना आर.डी.ए. बिल्डींग के सामने रायपुर में प्रस्तुत किया जा सकता है, निर्धारित तिथि तथा समयावधि पश्चात प्राप्त प्रविष्टियों/ आवेदन पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा। डाक संबंधी विलम्ब के लिए कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा।
3.2-पुरस्कार के नियम कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इन्द्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर से निः शुल्क प्राप्त किये जा सकते है।
3.3 -प्रविष्टियों/आवेदन पत्र लिफाफे पर "स्व. हाजी हसन अली पुरस्कार वर्ष 2026 अंकित करना होगा।
4-प्रविष्टियों/आवेदन के लिए मापदण्ड:- पुरस्कार के लिए प्रविष्टियाँ आवेदन निम्नांकित अपेक्षाओं की पूर्ति करते हुए प्रस्तुत किये जा सकते हैं:-
4.1-व्यक्ति का पूर्ण विवरण परिचय सहित।
4.2 -उर्दू साहित्य के क्षेत्र में किये गये कार्यो की सप्रमाण विस्तृत जानकारी।
4.3 - यदि पूर्व में कोई अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो, तो उसका विवरण।
4.4 - स्वरचित साहित्य की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
4.5 -उर्दू साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के संबंध में प्रख्यात पत्र/पत्रिकाओं, ग्रंथ के माध्यम से उपलब्ध साहित्य।
4.6-यदि आवेदक शासकीय कर्मचारी/अधिकारी है तो पूर्ण विवरण यथा पदनाम, कार्यरत विभाग का नाम एवं कब से कार्यरत है, स्पष्ट उल्लेख करें।
4.7 - पुरस्कार के लिय चयन होने की दशा में पुरस्कार ग्रहण करने की लिखित सहमति ।
4.8-प्रविष्टि में दिये गये तथ्यों/निष्कर्षो/प्रमाणों का संपूर्ण उत्तरदायित्व प्रविष्टि प्रस्तुतकर्ता का रहेगा। इस मामले में राज्य शासन किसी भी विवाद में पक्ष नहीं माना जावेगा।

**आयुक्त**
**आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास**
**नवा रायपुर अटल नगर छत्तीसगढ़**
**जी. 262703273/2**

## संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
### छत्तीसगढ़
### स्वास्थ्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर

क्रमांक / ESTB-101(3)/30/2026-DHS/538
नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11/09/2026

**: सूचना पत्र :**

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छत्तीसगढ़ के अंतर्गत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी स्टाफ नर्स के 225 पद, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष के 100 पद, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला के 100 पद, फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के 25 पद, वार्ड ब्वॉय के 50 पद, वार्ड आया के 50 पद कुल 550 पदों पर सीधी भर्ती करने हेतु छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापम) के माध्यम से विज्ञापन जारी किया गया था।

व्यापम से प्राप्त परीक्षा परिणाम में अभ्यार्थियों को कोविड-19 के 10 बोनस अंक प्रदाय करने के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण कर, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें के पत्र दिनांक 25.08.2026 के द्वारा संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें के अंतर्गत स्वास्थ्य संस्थाओं में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी स्टाफ नर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला/पुरुष, फार्मासिस्ट ग्रेड-2, वार्ड आया एवं वार्ड ब्वॉय का अंतिम मेरिट सूची विभागीय वेबसाईट के माध्यम से प्रकाशन किया गया था। जिसके आधार पर **स्टाफ नर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष, फार्मासिस्ट ग्रेड-2, वार्ड आया एवं वार्ड ब्वॉय का अंतिम चयन सूची/परिणाम** विभागीय वेबसाईट www.cghealth.nic.in में अपलोड किया गया है। अभ्यार्थियों को कांउसिलिंग एवं दस्तावेज परीक्षण तथा अन्य किसी भी प्रकार की सूचना केवल विभागीय वेबसाईड के माध्यम से दी जावेगी। अतः अभ्यार्थी समय-समय पर विभागीय वेबसाईट का अवलोकन करते रहे।

**आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवायें द्वारा अनुमोदित**

**संयुक्त संचालक (अविज्ञप्त/नर्सिंग)**
**संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें**
**छत्तीसगढ**

**जी. 262703281/1**

मास्क पहनें, 2-गज की दूरी अपनाएं, साबुन से हाथ धोएं

# एशियाई खेलों में खेलेंगे विपराज, वरुण बाहर

**एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली**

अनुभवी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती बाजू में खिंचाव के कारण एशियाई खेलों से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह लेग स्पिन ऑलराउंडर विपराज निगम को भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

एशियाई खेल 19 सितंबर को जापान के आइची-नागोया में शुरू होंगे। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'वरुण अनिश्चितकाल के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। विपराज निगम और कुलदीप यादव के रूप में हमारे पास दो विकल्प थे। कुलदीप इस महीने के आखिर में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला खेलेंगे।' आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करने वाले 22 वर्षीय निगम ने अब तक लीग में 19 मैच खेले हैं और 13 विकेट लिए हैं। इस 21 वर्षीय इस खिलाड़ी ने लंबे शॉट लगाने की अपनी काबिलियत का भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में लगभग 176 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। एशियाई खेलों में पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से शुरू होगी। भारत क्वार्टर फाइनल से शुरुआत करेगा।

## एशियन गेम्स के लिए श्रीलंका महिला टीम का ऐलान

**कोलंबो।** श्रीलंका क्रिकेट ने एशियन गेम्स 2026 के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम का ऐलान किया है। टीम की कमान चामरी अटापट्टू के हाथों में सौंपी गई है। एशियन गेम्स के लिए चुनी गई टीम में अनुभवी और उभरते हुए खिलाड़ियों का मिश्रण है। एशिया कप की टीम में शामिल कई खिलाड़ियों को एशियन गेम्स 2026 के स्क्वॉड में जगह नहीं दी गई है। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप और एशिया कप के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वालीं विष्मी गुणरत्ने को 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। नीलाक्षिका सिल्वा को भी टीम में जगह नहीं दी गई है। एशिया कप में श्रीलंकाई टीम में वापसी करने वालीं चेतना विमुक्ति को भी टीम में जगह नहीं दी गई है।

## गुमशुदा की तलाश

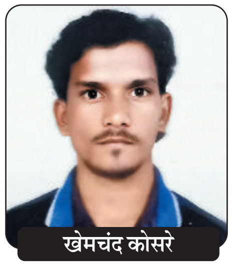

खेमचंद कोसरे

**नाम- खेमचंद कोसरे** पिता-पुनवा कोसरे उम्र -31 साल, पता- डिप्टी सिंघल, साखरकरवाड़ी ललवा पानठेले के पास पो. ठाणे कलमना नागपुर शहर से दिनांक 09/09/2026 को रात 12 बजे डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ के लिए ट्रेन से निकले थे, जो अभी तक नहीं पहुंचे हैं। **हुलिया** :- उंचाई 4''10, रंग- गोरा, बाल- काला, चेहरा-पतला, सिमेंट कलर का फुलशर्ट और नीले कलर का जिंस पहना हुआ है। दाहिने हाथ में रत्ना नाम का गोदना गोदा और बांये हाथ के भुजा में टेटू है। हिन्दी-छत्तीसगढ़ी बोलता है। जिन किसी सज्जन को इनके बारे में कोई सूचना मिले तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें।

**संपर्क करें**
**मदन कोसरे (बड़े भाई), मो. 8482889443**
**त्रिवेणी कोसरे (भाभी), मो. 9028512153**

## एलआईसी हाउसिंग फायनेंस लि.

LIC HFL
LIC HOUSING FINANCE LTD
प्रथम तल, भारतीय जीवन बीमा निगम, मंडल कार्यालय, मगरपारा रोड, बिलासपुर - 495001 (छ.ग.) फ़ोन: 07752-418136

### परिशिष्ट- IV नियम 8 (1) आधिपत्य सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरी एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि. का अधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय अस्थियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (12) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित ऋणधारियों का ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋण ग्रहित राशि का भुगतान करने में असफल रहा है अतः ऋण ग्रहित और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम (8) के साथ पढ़ा जाये एतरिमन नीचे वर्णित संपत्ति का आधिपत्य को ग्रहण कर लिया गया है। ऋण ग्रहित को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्नवर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये निम्न खाते के सामने अंकित एलआईसी हाऊसिंग लि. बिलासपुर प्रभार के अधीन होगा।

| क्र. | खातेदार का नाम | संपत्ति विवरण | मांग सूचना / कब्जा तिथि | उल्लेखित राशि मांग सूचना पत्र में |
|---|---|---|---|---|
| 1) | उधारकर्ता- श्रीमती कृष्णा सिंह एवं सह-उधारकर्ता - श्री राम कुमार सिंह, ऋण खाता संख्या 120200003809 | मकान नंबर एमआईजी 52, खसरा नंबर 235/1 (भाग), डॉ. राजेंद्र प्रसाद नगर, कोसाबाड़ी, प.ह. नंबर 09, वार्ड नंबर 28, सुभाष चौक, कोसाबाड़ी, कोरबा (छत्तीसगढ़) 495683 में क्षेत्रफल 1420 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश। सीमाएँ: उत्तर - मकान नंबर एलआईजी 80/81, दक्षिण - सड़क, पूर्व - मकान नंबर एमआईजी 51, पश्चिम - मकान नंबर एमआईजी 53 | 20.01.2026<br>11.09.2026 | रू 2,87,806.00 + ब्याज व अन्य खर्चे |

वैधानिक सूचना: ऋणी एवं जमानतदार को सूचित किया जाता है कि इस नोटिस के छपने की तारीख के 30 दिनों के अंदर, वे उपरोक्त राशि एवं उस पर देय ब्याज एवं खर्चों का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित संपत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्चे सहित ऋणी एवं जमानतदारों से की जावेगी।

दिनांक: 17.09.2026, स्थान: बिलासपुर
प्राधिकृत अधिकारी

## राशिफल

**मेष** आज आपकी राशि में सूर्य, बुध, मंगल आदि ग्रहों का प्रभाव है। नई योजनाओं पर अमल करें, लेकिन जल्दबाजी से बचें। खरीदारी से खुशी मिलेगी।

**वृष** संपत्ति या खरीदारी संबंधी फैसले फायदेमंद साबित होंगे। परिवार के साथ समय बिताएं, रोमांस में मिठास आएगी।

**मिथुन** संचार और विचारों में तेजी आएगी। नए संपर्क बनेंगे, लेकिन निर्णय लेते समय सावधानी बरतें। यात्रा या छोटे कामों में सफलता मिल सकती है।

**कर्क** आज आंतरिक शांति और भावनात्मक संतुलन पर जोर रहेगा। परिवार से संबंध मजबूत होंगे। करियर में थोड़ी चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन धैर्य रखें।

**सिंह** ऊर्जा और आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नेतृत्व के अवसर मिलेंगे। करियर में प्रगति संभव, लेकिन टीम वर्क पर ध्यान दें। प्रेम में रोमांस फलेगा।

**कन्या** व्यवस्थित दिन रहेगा। काम की बारीकियों पर फोकस करें, सफलता मिलेगी। वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें। प्रेम में समझदारी दिखाएं।

**तुला** धन संबंधी फैसले सकारात्मक रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

**वृश्चिक** गहन विचार और रहस्यों में रुचि बढ़ेगी। वित्तीय मामलों में सतर्क रहें, लेकिन निवेश के अवसर मिल सकते हैं। प्रेम में गहराई आएगी।

**धनु** करियर में प्रगति, लेकिन योजना बनाकर आगे बढ़ें। धन लाभ संभव। प्रेम जीवन आनंदमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा, लेकिन अति सक्रियता से बचें।

**मकर** व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं। धन का प्रबंधन अच्छा करें। स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन ठंड या थकान से सावधान रहें। दीर्घकालिक योजनाएं बनाएं।

**कुंभ** करियर में अप्रत्याशित अवसर आ सकते हैं। प्रेम में रोमांच रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य, लेकिन मानसिक शांति बनाए रखें। दोस्तों से मदद मिलेगी।

**मीन** भावनात्मक गहराई आज बढ़ेगी। आध्यात्मिक रुचि बढ़ सकती है। करियर में सावधानी बरतें, छोटी चुनौतियां आ सकती हैं। धन पर नियंत्रण रखें।

## इंग्लैंड की श्रीलंका पर बड़ी जीत, ब्रूक ने ठोका शतक

**साउथम्पटन।** इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने केवल 49 गेंद पर नाबाद 114 रन की पारी खेली, जिससे इंग्लैंड ने तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में श्रीलंका को 119 रन से करारी शिकस्त दी। ब्रूक ने अपनी तूफानी पारी में 10 चौके और 6 छक्के लगाए।

# मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलेंगी डॉटिन

**मेलबर्न।** आगामी विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीजन से पहले मेलबर्न रेनेगेड्स को बड़ी राहत मिली है। वेस्टइंडीज की स्टार ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन ने एक और सीजन टीम रेनेगेड्स की तरफ से खेलने की पुष्टि की है। टी20 क्रिकेट की सबसे दमदार ऑलराउंडरों में से एक मानी जाने वाली डॉटिन डब्ल्यूबीबीएल 11 में टीम के सभी मैचों में खेलने के बाद रेनेगेड्स के साथ अपना तीसरा सीजन शुरू करेंगी।

## दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
### निविदा सूचना

(1) निविदा सूचना क्रमांकः- एसएनटी-आर-2026-14, दिनांकः 15.09.2026

**कार्य का नामः** रायपुर डिवीजन में इंजीनियरिंग मशीन के काम के दौरान सिग्नल और दूरसंचार कार्यों के लिए मानव संसाधन की आउटसोर्सिंग। **निविदा मूल्यः रू. 14116740.00, ईएमडीः रू. 220600.00, कार्य पूर्णता की अवधिः 24** (चौबीस) माह। बिडर्स अपना मूल/संशोधित बिड्स केवल **12.10.2026** को **15.00** बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। मैनुअल ऑफर्स इस निविदा के विरुद्ध स्वीकार नही होंगे। विस्तृत विवरण हमारे वेबसाईट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है।

**मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता**
**द.पू.म.रे., रायपुर**
पीआर/आर/एसएंडटी/एएन/208

South East Central Railway @secrail

## कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 2760 / लो.क.वि/न.पा.नि./2026 रायगढ़ दिनांक 16.9.26

**निविदा आमंत्रण सूचना**

नगर पालिक निगम, रायगढ़ क्षेत्रांतर्गत स्वीकृत निम्नलिखित कार्य हेतु छ.ग. शासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र ''अ'' में PHE-SOR/2020 (Amendment No. 07/2022-23) से प्रचलित से दिनाँक 9-10-26 तक अपरान्ह 04:00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनाँक 9-10-26 को अपरान्ह 04:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी। विस्तृत जानकरी नगर पालिक निगम, रायगढ़ कार्यालय एवं वेबसाईट www.nagarnigamraigarh. com/uad.cg.gov.in से अवलोकन व डाउनलोड कर सकते हैं।

| क्र. | कार्य का नाम | कार्य की लागत / अमानत राशि |
|---|---|---|
| 1. | वार्ड क्र.28.29 में एसईसीएल रोड मरीन ड्राईव कयाघाट के पास 200 एमएम डाया डीआई पाईप लाईन बिछाई कार्य। | 07.22/ 5,500.00 |

**कार्यपालन अभियंता**
**न.पा.नि., रायगढ़**

## शब्द पहेली - 6350

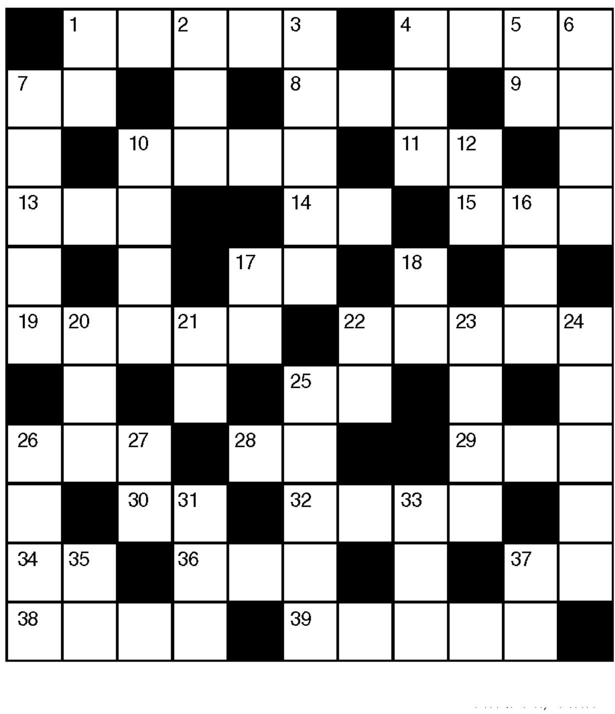

**बाएँ से दाएँ**
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

**ऊपर से नीचे**
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

### शब्द पहेली- 6349 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | गा | म | ■ | अ | ■ | त | र | ब | त | र |
| ल | ■ | त | म | स | ■ | ह | म | ला | ■ | खै |
| क | श | ■ | ■ | ल | ■ | ल | ■ | ■ | का | ल |
| ■ | ही | ■ | क | हा | नी | का | र | ■ | र | ■ |
| ब | द | मा | श | ■ | र | ■ | च | म | क | ना |
| ■ | ■ | ■ | ल | क्ष | ■ | सी | ना | ■ | ■ | ■ |
| र | त | ज | गा | ■ | आ | ■ | का | म | या | ब |
| ■ | र | ■ | ना | ना | स | सु | र | ■ | च | ■ |
| रा | ह | ■ | ■ | म | ■ | रा | ■ | ■ | क | म |
| ह | ■ | त | ना | व | ■ | पा | य | ल | ■ | हु |
| त | ल | ब | गा | र | ■ | न | ■ | ब | ल | वा |

## सूडोकु नवताल 6360

★★★✮☆ मध्यम

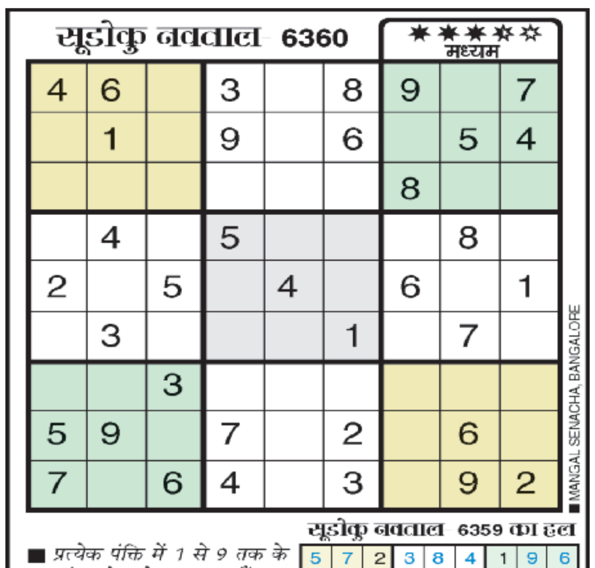

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 6 | | 3 | | 8 | 9 | | 7 |
| | 1 | | 9 | | 6 | | 5 | 4 |
| | | | | | | 8 | | |
| | 4 | | 5 | | | | 8 | |
| 2 | | 5 | | 4 | | 6 | | 1 |
| | 3 | | | | 1 | | 7 | |
| | | 3 | | | | | | |
| 5 | 9 | | 7 | | 2 | | 6 | |
| 7 | | 6 | 4 | | 3 | | 9 | 2 |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल 6359 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 7 | 2 | 3 | 8 | 4 | 1 | 9 | 6 |
| 8 | 6 | 1 | 9 | 2 | 5 | 7 | 3 | 4 |
| 3 | 9 | 4 | 1 | 6 | 7 | 5 | 8 | 2 |
| 2 | 5 | 7 | 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 9 |
| 4 | 8 | 6 | 5 | 9 | 2 | 3 | 7 | 1 |
| 1 | 3 | 9 | 6 | 7 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 1 | 9 | 5 | 8 |
| 9 | 4 | 5 | 8 | 3 | 6 | 2 | 1 | 7 |
| 7 | 1 | 8 | 2 | 5 | 9 | 6 | 4 | 3 |

MARUTI SUZUKI

NEXA

MAKE YOUR MOVE
BEFORE THE PRICE DOES.

Prices are rising soon. Lock in your **e VITARA** today.

e VITARA
India goes electric

INDIA'S LARGEST**
FAST-CHARGING NETWORK

543km
RANGE

543 km RANGE#

BHARAT NCAP
★★★★★ | ★★★★★

5 STAR SAFETY RATING BNCAP

NEXA edge

60% ASSURED BUYBACK AFTER 3 YEARS

8 YEARS WARRANTY
- BATTERY: 8 YEARS
- VEHICLE: 3+5(PAID) YEARS

SCAN TO CONNECT TO
A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @
WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Creative Visualisation. Images used are for illustration purposes only. | Applicable T&C available at the dealership. | **As certified by Kantar IMRB for an OEM platform for end-to-end usage as on November 28, 2025. | #543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. | Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years/1 00 000 km (whichever is earlier) with an option of extending the same on payment basis to 5 years/1 40 000 km and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components. Offers are subject to availability of stock, and valid till limited period.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :